



जी 7 समिट में मेलोनी से मिले मोदी, दोनों ने किया नमस्ते, एआई को लेकर मैक्रों ने की मोदी की तारीफ हमें तकनीक को रचनात्मक बनाना होगा: मोदी

■ भारत की जनता ने ऐतिहासिक जीत के रूप में दिया आशीर्वाद
■ जी 7 में पीएम मोदी का एआई पर जोर

इटली। जी 7 शिखर सम्मेलन का दूसरा दिन है। सम्मेलन का आयोजन इटली में हो रहा है। दूसरे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक नेताओं से मुलाकात की। वैश्विक नेताओं से मुलाकात करते हुए पीएम मोदी ने इटली की प्रधानमंत्री और जी 7 शिखर सम्मेलन की मेजबान जर्जिजा मेलेनी से मुलाकात की। खास बात यह है कि इटली की पीएम ने भारतीय अंदाज में नमस्ते करके पीएम मोदी का स्वागत किया। भारत जी 7 समूह का सदस्य देश नहीं है पर इटली की पीएम मेलोनी ने पीएम



मोदी को खास मेहमान के रूप में आमंत्रित किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों देशों के द्विपक्षीय रिश्ते काफ़ी मजबूत हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी 7 शिखर सम्मेलन के दौरान आउटरीच बैठक में हिस्सा लेने के लिए इटली पहुंचे हैं। इस दौरान उन्होंने आउटरीच सत्र को संबोधित भी किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी मनुष्य को चांद तक ले जाने का साहस देती है, मगर साइबर सिक्योरिटी भी चुनौतियां भी पैदा करती है। हमें यह मिलकर सुनिश्चित करना होगा कि समाज के हर तबके तक इसका लाभ पहुंचे। उन्होंने कहा कि हमें टेक्नोलॉजी के अधिकार को

पीएम मोदी ने लॉन्च किया एआई मिशन
भारत मानव-केन्द्रित दृष्टिकोण के माध्यम से बेहतर भविष्य के लिए प्रयास कर रहा है। भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए राष्ट्रीय रणनीति तैयार करने वाले पहले कुछ देशों में से एक है। इस रणनीति के तहत हमने इस वर्ष एआई मिशन लॉन्च किया है। उन्होंने कहा कि पिछले साल भारत द्वारा आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान हमने एआई के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय प्रशासन के महत्व पर जोर दिया था। भविष्य में भी हम एआई को पारदर्शी, निष्पक्ष, सुरक्षित, सुलभ और जिम्मेदार बनाने के लिए सभी देशों के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे।

सर्वाधिकार में बदलना होगा। हमें इसे रचनात्मक बनाना होगा, ना कि विनाशकारी। तभी हम एक बेहतर समाज बना पाएंगे। उन्होंने कहा कि उनका सौभाग्य है कि भारत की जनता ने उन्हें लगातार तीसरी बार सेवा का मौका दिया। अपने संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने कहा, पिछले सप्ताह, आप में से कई लोग यूरोपीय संसद चुनावों में व्यस्त थे। कुछ मित्र आने वाले समय में चुनावों के उत्साह से गुजरेंगे। भारत में भी, कुछ महीने पहले चुनाव का समय था। टेक्नोलॉजी के सर्वव्यापी उपयोग से पूरी चुनावी प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाया गया है। यह मेरा सौभाग्य है कि भारत के लोगों ने लगातार तीसरी बार मुझे अपनी सेवा करने का अवसर दिया है। भारत की जनता ने इस ऐतिहासिक जीत के रूप में जो आशीर्वाद दिया है, वह पूरे लोकातांत्रिक विश्व की जीत है।

येदियुरप्पा की नहीं होगी गिरफ्तारी कर्नाटक हाईकोर्ट ने लगायी रोक

यौन उत्पीड़न
कर्नाटक हाईकोर्ट ने यौन उत्पीड़न मामले में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने उनको गिरफ्तार नहीं है, जो देश छोड़कर भाग जाएगा। वह टॉम, डिक या हैरी नहीं हैं। कोर्ट ने येदियुरप्पा को निर्देश दिया है कि वह सीआईडी के सामने 17 जून को पेश हो जाएं। दरअसल, सीआईडी की टीम मामले में

येदियुरप्पा ने चुप रहने को कहा था: पीड़िता की मां
नाबालिग लड़की की मां ने एफआईआर में शिकायत की कि येदियुरप्पा की तरफ से कथित तौर पर उससे चुप रहने को कहा गया था। उसने लड़की के आरोपों पर जब येदियुरप्पा से पूछा तो उन्होंने कहा कि वह लड़की के आरोपों की जांच कर रहे थे कि सच में रेप हुआ है या नहीं। उन्होंने अपनी हरकत की बाद में माफ़ी मांग ली थी। उन्होंने किसी को भी कुछ भी ना बताने को कहा था।

येदियुरप्पा से पूछताछ करना चाहती थी। उन्होंने सीआईडी के समन का जवाब देते हुए कहा कि वह इस समय दिल्ली में हैं, इसलिए उनको समय दिया जाए। सीआईडी ने फास्ट ट्रेक कोर्ट जाकर येदियुरप्पा के खिलाफ गैर जमानती वारंट की मांग की। बेंगलुरु की एक कोर्ट ने उनको मांग को स्वीकार करते हुए वारंट जारी कर दिया था। येदियुरप्पा के खिलाफ 17 वर्षीय नाबालिग की लड़की ने छोड़छड़ का आरोप लगाया है। उसकी शिकायत पर उनके खिलाफ पोस्को एक्ट का मामला दर्ज हुआ है। लड़की की मां के अनुसार 2 फरवरी 2024 को वह येदियुरप्पा के डॉल्स कॉलोनी स्थित उनके घर पर बेटी के साथ गई थी। इस दौरान उन्होंने बेटी के साथ छेड़छाड़ की थी। येदियुरप्पा के ऑफिस ने इस दौरान नाबालिग लड़की की मां के खिलाफ दस्तावेज जारी किए, जिसमें उसने अलग-अलग लोगों पर 53 केस किए हैं।

भारतीय सेना को मिला पहला आत्मघाती ड्रोन

नई दिल्ली। इंडियन आर्मी को भारत में बने आत्मघाती ड्रोन नागस्क-1 की पहली खेप मिल गई है। इन ड्रोनस को नागपुर की कंपनी सोलर इंडस्ट्रीज की इकोनॉमिक्स एक्सप्लोसिव लिमिटेड यूनिट ने बनाया है। सेना ने 480 लॉन्चिंग म्यूनिशन (आत्मघाती ड्रोन) का ऑर्डर दिया था। इनमें से 120 की डिलीवरी कर दी गई है। ड्रोन को नागस्क-1 नाम दिया गया है, जिसकी रेंज 30 किमी तक है। इसका एडवांस वर्जन दो किलो से ज्यादा गोला-बारूद ले जाने में सक्षम है। इसका इस्तेमाल दुश्मनों के ट्रेनिंग कैंप, डिपॉजिट और लॉन्च पैड पर हमला करने के लिए किया जाएगा, ताकि सैनिकों का जोखिम कम से कम हो। लॉन्चिंग म्यूनिशन (जिसे आत्मघाती ड्रोन या कामिकेज ड्रोन भी कहा जाता है) एक एरियल वैपन सिस्टम है। ये ड्रोन हवा में टारगेट के आसपास घूमते हैं और आत्मघाती हमला करते हैं। सटीक हमला इसके सेंसर पर निर्भर करता है।

मिर्जापुर और बांदा के चकबंदी अधिकारी सस्पेंड

एवशन में योगी सरकार : अनियमितता के लगे गंभीर आरोप, योगी ने मांगी थी रिपोर्ट

■ लापरवाही पर अयोध्या के आरएम की रोकी गई एक साल की वेतन वृद्धि

लखनऊ। चकबंदी आयुक्त जीएस नवीन कुमार ने अनियमितता के आरोप में बांदा के चकबंदी अधिकारी राणा प्रताप और मिर्जापुर के सहायक चकबंदी अधिकारी राजेंद्र राम को निलंबित कर दिया। उनके डिमोशन के साथ ही एफआईआर दर्ज करने के निर्देश भी दिए गए हैं। बांदा के गांव उमरेहड़ा में काम न करने पर बहिंगा गांव के सहायक चकबंदी अधिकारी ने काम पूरा करने के बजाय सीसीएमएस पोर्टल से न्यायालय न चलाने और रकबा बंदोबस्त से अधिक बढ़ाने जैसी गंभीर अनियमितताएं की थीं। इस मामले में चकबंदी अधिकारी राणा प्रताप की भी



लापरवाही पाई गई थी। इसी तरह मिर्जापुर के सहायक चकबंदी अधिकारी राजेंद्र राम ने कई अनियमितताएं कीं। 17 मई को ग्राम मंवेया की चक संख्या-950 से मृतक शेषनरायन सिंह की वरासत मनमाने तौर पर बिना जांच किए चार बार आदेश पारित कर पद का दुरुपयोग किया। उन्होंने बिना दस्तावेज परीक्षण और जांच के नामांतरण आदेश दे दिए। इस पर मिर्जापुर के सहायक

जल्द ही सौंपी जाएगी अधिकारियों की रिपोर्ट
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद राज्य से जुड़े अधिकारी हरकत में आ गये हैं। इसी क्रम में राज्य परिषद चेयरमैन रजनीश दुबे ने हाल ही में राज्य से जुड़े मामलों की समीक्षा की। इसमें उन्होंने राज्य संबंधी कार्यों में लापरवाही पर राज्य अफसरों, एडीएम, एसडीएम, नायाब तहसीलदार और तहसीलदार स्तर के अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया। उधर, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने भी राज्य संबंधी मामलों को लेकर बैठक की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश के विभिन्न जिलों में राज्य संबंधी मामलों के निपटारे में लापरवाह अधिकारियों को फटकार लगायी।

रोडवेज के कैसरबाग बस अड्डे के एआरएम अरविंद कुमार ने हटवाई से लखनऊ रुट पर चलने वाली बस संख्या यूपी 78 एफएन 2651 के निलंबित परिचालक को बहाल कर दिया था। बता दें कि परिचालक ने बीती 14 फरवरी को 50 यात्रियों का टिकट पचकोहरा से जारी किया था। जबकि कार्रवाई हरदोई से लिया गया था। प्रवर्तन दल की जांच में परिचालक दोषी पाया गया था और उसे निलंबित कर दिया गया था। इस मामले में रोडवेज के प्रबंध निदेशक मामूम अली सरवर ने एआरएम अरविंद कुमार को प्रतिकूल प्रविष्टि दी है। वहीं, दरअसल, अयोध्या क्षेत्र के सहायक यातायात निरीक्षक रजनीकांत मिश्रा को तत्काल रूप से प्रवर्तन कार्यों से हटाकर बुकिंग लिफ्ट पद पर भेजना था, लेकिन अयोध्या परिक्षेत्र के आरएम विमल राजन ने ऐसा नहीं किया।

13 नवनिर्वाचित एमएलसी ने ली शपथ

■ विधान परिषद सभापति ने दिलाई सदस्यता
■ एनडीए के 10 और सपा के तीन बने विधायक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के नवनिर्वाचित 13 सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। विधान परिषद सभापति मानवेंद्र प्रताप सिंह ने सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई। शपथ लेने वालों में भाजपा और गठबंधन के 10 और समाजवादी पार्टी (सपा) के 3 सदस्य शामिल थे। भाजपा से अशोक कटारिया, आशीष पटेल, किरण पाल कश्यप, धर्मेन्द्र सिंह, बलराम यादव, डॉ महेंद्र सिंह, मोहित बेनीवाल, राम तीर्थ सिंघल, विजय बहादुर पाठक और बिच्छू लाल राजभर ने शपथ ली। सपा से शाह आलम गुड्डु जमाली, संतोष सिंह और योगेश चौधरी ने शपथ ग्रहण



की। शपथ ग्रहण करने वाले प्रमुख सदस्य में अशोक कटारिया, आशीष पटेल, किरण पाल कश्यप, धर्मेन्द्र सिंह, बलराम यादव, डॉ महेंद्र सिंह, मोहित बेनीवाल, राम तीर्थ सिंघल, विजय बहादुर पाठक, बिच्छू लाल राजभर वही सपा से शाह आलम गुड्डु जमाली, संतोष सिंह, योगेश चौधरी रहे। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सभापति मानवेंद्र प्रताप सिंह ने सभी नवनिर्वाचित एमएलसी को शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण करने वालों में भाजपा और गठबंधन के 10 सदस्यों के साथ-साथ समाजवादी पार्टी के 3 सदस्य भी शामिल थे। मई में विधान परिषद की 13 सीटें खाली हुई थीं, जिन पर इन नए सदस्यों का निर्वाचन हुआ है।

समाज में संघ की सकारात्मक छवि बनाने की जिम्मेदारी स्वयंसेवकों की: मोहन भागवत

■ आरएसएस ने लंबे सफर में बहुत सी चुनौतियों का किया सामना
■ संघ प्रमुख की मौजूदगी में आज होगा पथ संचालन

गोरखपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की समाजसेवा को लेकर समाज में जो बेहतर छवि बनी है, उसमें निरंतरता बनाए रखने की जरूरत है। संघ का विस्तार करने के लिए स्वयंसेवकों की भूमिका का विस्तार करें। संघ की समाज में सकारात्मक छवि बने इसकी जिम्मेदारी सभी स्वयंसेवकों की है।

ये बातें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक मोहन भागवत ने बृहस्पतिवार को मानिराम, चिऊदहल स्थित एसवीएम पब्लिक स्कूल में चल रहे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यक्रम विकास वर्ग के बौद्धिक सत्र को संबोधित करते हुए कहीं। तीन जून से चल रहे संघ के द्वितीय प्रशिक्षण वर्ग में आए प्रशिक्षणार्थियों से संघ प्रमुख ने संवाद भी किया। संघ प्रमुख ने कहा कि संघ का हर कार्यकर्ता समाज में अपनी भूमिका को अदा करे। समाज में बेहदारी की तरफ



बदलाव हो यह हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। संघ प्रमुख ने कहा कि संघ की स्थापना को 100 वर्ष पूरे होने वाले हैं। इस लंबे सफर में संघ ने कई चुनौतियों का सामना करते हुए समाज के विभिन्न वर्गों की बेहदारी के लिए काम किये हैं। इस छवि और काम की पहचान को आगे बढ़ाते हुए निरंतरता बनाए रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि संघ समाज में सेवा, संपर्क

और प्रचार के माध्यम से लगातार सभी वर्गों के बीच राष्ट्रीय विचारों का आदान-प्रदान कर रहा है। संघ प्रमुख ने कहा कि संघ के शिबिरों में जो लोग प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं वह समाज के लिए कैसे उपयोगी हों, इसकी चिंता हमें करनी होगी। समाज में विभिन्न चुनौतियों का संघ ने सामना किया है। सकारात्मक छवि बनाने के लिए हमें समाज हित में निरंतर कार्य करना होगा। प्रशिक्षणार्थियों को संघ कार्य के लिए अधिक से अधिक समय देने की बात कही। संघ प्रमुख मोहन भागवत की मौजूदगी में कार्यकर्ता विकास वर्ग कार्यक्रम में शुक्रवार को प्रतिभागी पथ संचलन करेंगे। इसके बाद संघ प्रमुख कार्यकर्ताओं की बात सुनेंगे और उनकी जिज्ञासा को शांत करेंगे।

चेतावनी अभी गर्मी से राहत के आसार नहीं गर्मी से उबला पूरा प्रदेश, पारा 47 के पार

■ मौसम
■ कई जिलों के लिए जारी हुई लू और भीषण गर्मी की एडवाइजरी

लखनऊ। आसमान से आग बरसती धूप, चढ़ता हुआ पारा, झुलसा देने वाली लू से प्रदेश को फिलहाल राहत नहीं। शुक्रवार को भी प्रचंड गर्मी से लोगों को राहत मिलती नहीं दिख रही। मौसम विभाग ने कहा है कि अभी ऐसी ही गर्मी झेलनी होगी, मानसून भी अभी दूर है। शुक्रवार को प्रयागराज 46.9 डिग्री के साथ प्रदेश में सर्वाधिक गर्म रहा। कानपुर में बहुत मामूली सा बदलाव रहा, यहां पर तापमान 46.7 डिग्री और हमीरपुर 46.2 डिग्री सेल्सियस रहा। प्रदेश के ज्यादातर शहर लू की चपेट



में रहे। मौसम विभाग के मुताबिक, अभी गर्मी से राहत के आसार नहीं हैं और मानसून के लिए भी अभी इंतजार करना होगा। मौसम विभाग के मुताबिक, 17 जून तक प्रदेश का मौसम शुष्क रहने के आसार हैं। 25 से 35 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने के आसार हैं। वहीं पूर्वी उत्तर प्रदेश में कुछ एक स्थानों पर गरज-चमक के साथ बौछरें पड़ सकती हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश में आंधी-तूफान के भी आसार जता रहा है मौसम विभाग। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, अधिकतम तापमान सामान्य से 7 डिग्री अधिक रहा। जबकि रात का पारा सामान्य से 6 डिग्री तक अधिक रहा। ये शहर सबसे गर्म: वाराणसी

126 साल में पहली बार गर्म हुई प्रयागराज की रात
प्रयागराज में न्यूनतम तापमान 34.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ है। मौसम विभाग के पास प्रयागराज के तापमान के आंकड़े वर्ष 1898 से आज तक के हैं। इसके मुताबिक 16 जून 2019 को प्रयागराज में रात का तापमान 33.9 डिग्री सेल्सियस था। इस लिहाज से 126 साल में पहली बार प्रयागराज की रात इतनी गर्म हुई।

45.9, बहराइच 45, सुल्तानपुर 45.4, फुरसतगंज 45.4, झांसी 45.6। **यहां न्यूनतम तापमान 30 के ऊपर:** हरदोई 32, कानपुर 34.4, इटावा 31.2, खीरी 31, वाराणसी 32, चुर्क 30.8, सुल्तानपुर 31.5, फुरसतगंज 31.4, फतेहगढ़ 32.1, झांसी 31, मुरादाबाद 31.4, मेरठ 31.2, आगरा 32.7 डिग्री।

आंध्र प्रदेश में मंत्रालयों का हुआ बंटवारा

अमरावती। आंध्र प्रदेश में चंद्रबाबू नायडू की सरकार बनने के बाद शुक्रवार को मंत्रियों के विभागों का बंटवारा किया गया। सीएम नायडू के पास गृह विभाग, जोड़ीए, सामान्य प्रशासन एवं सार्वजनिक उद्योग जैसे विभाग हैं। वहीं, जनसेना पार्टी के प्रमुख और सुपरस्टार पवन कल्याण को आंध्र प्रदेश का उपमुख्यमंत्री नियुक्त किया गया है। उन्हें पंचायती राज, ग्रामीण विकास, पर्यावरण और विज्ञान और प्रौद्योगिकी जैसे विभागों का दायित्व दिया गया है। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू ने अपने जेटे और मंगलगिरी के विधायक नारा लोकेश को सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्री नामित किया है। विधानसभा चुनाव में जीत के बाद तेलुगु देशम पार्टी के प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने 12 जून को आंध्र प्रदेश के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। उनके साथ उनके मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह और नितिन गडकरी सहित गठबंधन सहयोगी भाजपा के नेताओं की उपस्थिति में शपथ ली थी।

नीट पेपर लीक मामला: सुप्रीम कोर्ट का एनटीए को नोटिस

शिक्षा मंत्री प्रधान स्टूटेंट और पेटेंट से मिले, बोले, कोर्ट जो भी कहेगा, हम करेंगे
नई दिल्ली। नीट-यूजी विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी को नोटिस जारी किया। नोटिस राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक, 2024 में प्रश्नपत्र लीक और अन्य गड़बड़ियों के आरोपों को सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका को लेकर जारी किया गया है। इसके अलावा कोर्ट ने याचिकाओं को अलग-अलग हाईकोर्ट से शीर्ष अदालत में हस्तांतरित करने की मांग वाली राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की याचिका पर भी सभी पक्षों को नोटिस जारी किया है। याचिका पर 8 जुलाई को सुनवाई की जाएगी। जस्टिस विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की

नीट 2024 की परीक्षा में धांधली के आरोप और विवाद के बाद शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने आंदोलन कर रहे छात्रों को आश्वस्त किया है कि मामले में जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कोर्ट जो भी कहेगा, हम करेंगे। नीट विवाद सुप्रीम कोर्ट में भी जा चुका है, जिसके बाद कोर्ट ने जेएस मार्क्स रद्द करते हुए 1563 छात्रों से दोबारा परीक्षा कराने का आदेश दिया था। चाहता है, जो उच्च न्यायालयों से मामलों को शीर्ष अदालत में स्थानांतरित करने की मांग कर रही थीं, क्योंकि वे 5 मई को परीक्षा के दौरान समय की बर्बादी के कारण 1,563 उम्मीदवारों को अनुग्रह अंक देने से संबंधित थीं।

डीएम-एसपी ने ली जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

अवधनामा संवाददाता

लखीमपुर खीरी। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाएं जाने तथा यातायात नियमों के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से शुक्रवार को कलेक्ट्रेट में डीएम महेंद्र बहादुर सिंह और एसपी गणेश प्रसाद साहा ने जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक ली। बैठक का संयोजन, संचालन पीडब्ल्यूडी निर्माण खंड (तृतीय) के अधिशाषी अभियंता अनिल कुमार यादव और एआरटीओ आलोक कुमार ने संयुक्त रूप से किया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीएम ने जिले में सड़क-सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को जरूरी कार्यवाई करने के निर्देश दिए। जिले में जहां पर घुमावदार स्थान तथा ब्लांड स्पॉट हैं, वहां से सौ मीटर पूर्व में साइनेज लगाने के दिशा निर्देश दिए। स्कूली वाहन मानक के



अनुरूप होने पर ही संचालित हो। डीएम ने सड़क निर्माण एजेंसियों को निर्देशित करते हुए कहा कि उनके मार्ग पर जितने भी ब्लैक स्पॉट अवशेष हैं, उनका शीघ्र अति शीघ्र सुधारात्मक कार्य पूर्ण कराया जाए। उन्होंने ब्लैक स्पॉटवार सुधारीकरण कार्य की प्रगति जानी। सुझाव दिया कि लिंक मार्ग व मुख्य मार्ग को कनेक्ट करने वाले स्थानों के पास संकेतांक के साथ मानक

के अनुसार स्पीड ब्रेकर बनाए जाए।एसपी ने जिले में घटित दुर्घटनाओं का विश्लेषण करते हुए नए ब्लैक स्पॉट एवं बनेबने लोकेशन चिन्हित करने के निर्देश दिए। परिवहन-पुलिस महकमे को निर्देश दिया कि नियमित रूप से यातायात नियमों की जांचकारी जन-जन तक पहुंचाए जाने के उद्देश्य से वाल राईटिंग, स्प्रेडब्लिक्स, होर्डिंग्स व बैनर इत्यादि के माध्यम

से व्यापक प्रचार-प्रसार कराएँ। बैठक में डीएम-एसपी ने जनपद में घटित दुर्घटनाओं का विश्लेषण, दुर्घटना संभावित क्षेत्रों (वनरेबल लोकेशन), स्कूली वाहनों के मानकों अनुरूप होने पर ही संचालन, सड़क सुरक्षा की दृष्टि से विभिन्न विभागों द्वारा प्री मानसून सड़कों की मरम्मत/गड्ढामुक्ति, वर्षात्रु से पूर्व कास ड्रेनेज वर्क (पुल, पलिया, रपटा आदि) एवं

तटबंध की सड़कों की सुरक्षा संबंधी कार्यवाही, विभिन्न चीनी मिलों पर वाहन प्रबन्धन की चर्चा, सकरे/जर्जर सेतुओं के संबंध में चर्चा, शहरी क्षेत्र में चौराहे/तिराहों पर स्थाई एवं अस्थायी अतिक्रमण एवं रोड साइड सुधार, सड़क सुरक्षा, एवं गुड समरेटिन ला, के प्रचार-प्रसार एवं जागरूकता से संबंधित कार्यक्रमों की योजना पर विस्तृत चर्चा हुई।

रोड सेप्टी कंसलटेंट ने ट्रैफिक मैनेजमेंट, रोड सेप्टी पर दिया प्रेजेंटेशन

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में स्टूडियो अर्बन लिंक लखनऊ से रोड सेप्टी कंसलटेंट अरबाब अहमद, अनुकृति त्रिवेदी और सोनम गुप्ता ने संयुक्त रूप से ट्रैफिक मैनेजमेंट, रोड सेप्टी, जंक्शन इंफ्लुवमेंट, ब्लैक स्पॉट चिह्निकन के बारे में पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुतीकरण दिया।

इनकी रही मौजूदगी

बैठक में एआरटीओ आलोक कुमार, ईई पीडब्ल्यूडी तरुणेंद्र त्रिपाठी, अनिल कुमार यादव, एआरएम रोडवेज,जिला विद्यालय निरीक्षक शुरार मिल के प्रतिनिधि सहित जिला सड़क सुरक्षा समिति के सम्मानित सदस्य मौजूद रहे।

ईद पर ज़िले भर में बिजली पानी और सफाई के बंदबंरा बेहत रकनी चढ़िऐ!

पूर्व सांसद शमशुद्दीनमान की मांग

अहमद रजा

सहारनपुर। मंडल में समय समय पर आम जनता की सुरक्षा, प्रशासन और उनकी शिकायतों के निराकरण में हमेशा सरगम लोकसभा के पूर्व सांसद हजी फज्जुलमान ने बकरा ईद पर जनपद व महानगर में बिजली-पानी, सफाई आदि की सुचारू व्यवस्था करने के लिए जनपद प्रशासन को पत्र लिखा है। पूर्व सांसद हजी फज्जुलमान ने जिलाधिकारी, नगर आयुक्त नगर निगम व मुख्य अभियंता बिजली विभाग को लिखे अपने पत्र में कहा कि आगामी 17 जून को ईद-उल-अजहा का बड़ा धार्मिक पर्व है। जनपद व नगर क्षेत्र के जिन स्थानों पर बकरा मंडी, भैंसा मंडी लगती हैं वहां पर ईद उल अजहा से पूर्व क्षतिग्रस्त सड़कों को मरम्मत की जाए तथा नगर क्षेत्र में सम्मिलित सभी 32 गांव एवं जनपद में अतिरिक्त सफाई कर्मचारियों की व्यवस्था की जाए। पूर्व सांसद हजी फज्जुलमान ने कहा कि मॉल्डर के आस-पास के क्षेत्रों की सफाई व्यवस्था, निबंध विद्युत आपूर्ति व सुरक्षा के पर्याप्त प्रबंध कराए जाने जनिह में आवश्यक है।

15 से 30 जून तक चलेगा विशेष प्रवर्तन अभियान

डीएम ने अवैध मदिरा के निर्माण एवं तस्करी पर अंकुश के लिए तहसीलवार टीमें की गठित

अवधनामा संवाददाता

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने कहा कि अवैध मदक पदार्थों के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी की संभावना के दृष्टिगत 15 से 30 जून 2024 तक विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया जाना है। जिसमें अवैध मदिरा के निर्माण एवं बिक्री तथा तस्करी तथा अवैध अल्कोहल के परिवहन पर अंकुश लगाये जाने हेतु समस्त तहसीलवार टीमें का गठन किया है। जिलाधिकारी ने आबकारी, पुलिस एवं राजस्व प्रशासन के अधिकारियों की संयुक्त टीम

बनाकर प्रभावी प्रवर्तन कार्य सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि पूरे जनपद में विशेष प्रवर्तन अभियान चलाकर अवैध शराब के निर्माण, तस्करी, परिवहन आदि पर प्रभावी अंकुश लगाया जाये। इस कार्य के लिए प्रत्येक तहसील में उप जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी तथा आबकारी निरीक्षक विशेष रूप से सक्रिय रहेंगे। पूरे जनपद में 6 प्रवर्तन दलों का गठन किया गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि यह टीमें पूर्ण निष्ठा एवं गंभीरता से विशेष प्रवर्तन अभियान के दौरान अवैध मदिरा के कार्य में संलिप्त माफियाओं/तस्करों की सूची के अनुसार उनके विरुद्ध स्थानीय पुलिस के सहयोग से नियानुसार गैंगस्टर/गुण्डा एक्ट के अन्तर्गत कठोरता कार्यवाही की जाये तथा उन पर सतत निगरानी की जाए।

संदिग्ध वाहनों की सघनता एवं सूक्ष्मता से चेकिंग कराई जाएगी और राष्ट्रीय/राज्य राजमार्ग पर स्थित ढाबों, जहां अल्कोहल के टैंकर प्रायः रूकते हैं, की भी संधी एवं आकस्मिक जांच कराई जाये। इन टीमें द्वारा जनपद में अवैध मदिरा के चिन्हित संदिग्ध स्थानों तथा अवैध मद्य निष्कर्षण के बिंदुओं के अड्डों से चेकिंग पर छापेमारी की कार्यवाही की जाये। आबकारी दुकानों एवं थोक अनुज्ञापनों का निरीक्षण चेकलिस्ट के अनुसार किया जाये। स्ट्राक के बारकोड व क्यूआरकोड की सूक्ष्मता एवं सतर्कतापूर्वक स्कैनिंग/जांच की जाये। देशी/विदेशी मदिरा/बियर एवं माडल शुकाप की फुटकर बिक्री की दुकानों पर ओवर रेट के सम्बन्ध में रैंडम टेस्ट परचेज की कार्यवाही भी की जाये। जिलाधिकारी ने कहा कि

असेविट क्षेत्रों तथा ऐसे स्थानों जहां पर मदिरा की दुकानें अव्यवस्थित हैं, अथवा मदिरा की दुकानें वहां से अन्यत्र स्थानांतरित कर दी गई है तो उन क्षेत्रों में मदिरा की अवैध कारोबार की सम्भावना को दृष्टिगत रखते हुए सतर्क निगरानी रखी जाए। अल्कोहल युक्त औषधियों एवं टिंकर का शराब के रूप में दुरुपयोग को रोकने के लिए ड्रग विभाग के सहयोग से ऐसे दुकानों का निरीक्षण कर नमूने आहरित किये जायें और जांच में सब-स्टेण्डर्ड पाये जाने पर उनका अनुज्ञापन निरस्त करने की कार्यवाही ड्रग विभाग द्वारा कारायी जाये। जनपद में विशेष सतर्कता बरती जाए एवं नियमित रूप से रोड चेकिंग कराई जाए, जिससे कि किसी भी दशा में अवैध मदिरा की तस्करी न होने पाये।

जिला स्तरीय निराश्रित गोवंश संरक्षण एवं अनुसरण समिति की बैठक संपन्न

अवधनामा संवाददाता

रायबरेली। जिला स्तरीय निराश्रित गोवंश संरक्षण एवं अनुसरण समिति की बैठक जिला अधिकारी हर्षिता माथुर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित बचत भवन में गुरुवार को हुई।

बैठक में जिलाधिकारी ने मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी डॉ अनिल कुमार को निर्देश दिया कि सभी गोशालाओं में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। जिनकी निगरानी जिला स्तरीय कंट्रोल रूम से लगातार की जाती रहे। उन्होंने कहा कि सभी गो आश्रय स्थलों पर पशुओं के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी, चारा,शेड और चिकित्सा की व्यवस्था हर समय उपलब्ध रहे।

जिलाधिकारी ने बैठक में उपस्थित खंड विकास अधिकारियों और उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया

कि जिन भी गोआश्रय स्थलों पर चारागाह की भूमि उपलब्ध नहीं है। उनका जल्द से जल्द चिन्हंकन करा लिया जाए। साथ ही चारागाह

दहेज एक सामाजिक है बुराई : जयपाल वर्मा

रायबरेली। जिला प्रोबेशन अधिकारी/दहेज प्रतिषेध अधिकारी जयपाल वर्मा ने कहा कि दहेज एक सामाजिक बुराई है जिसके कारण समाज में महिलाओं के प्रति अस्वल्पीय यानाई और अपराध उत्पन्न हुए हैं, तथा भारतीय वैवाहिक व्यवस्था प्रदूषित हुई है। दहेज शादी के समय दुल्हन के ससुराल वालों को लड़की के परिवार द्वारा नकद या वस्तु के रूप में किया जाने वाला भूगतान है। आज सरकार न केवल दहेज प्रथा को मिटाने के लिये बल्कि बालिकाओं को स्थिति के उद्धान के लिये कई कानून (दहेज निषेध अधिनियम, 1961) और योजनाओं द्वारा सुधार हेतु प्रयासरत है। इस समस्या से छुटकारा पाने में लोगों की सामाजिक और नैतिक, चेना को प्रभावी बनाना, महिलाओं को शिक्षा तथा आर्थिक स्वतंत्रता प्रदान करना एवं दहेज प्रथा के खिलाफ कानून को प्रभावी ढंग से लागू करना मददाग हो सकता है। दहेज प्रथा न केवल अवैध है बल्कि अनैतिक भी है। इसलिये दहेज प्रथा को बुराईयों के प्रति समाज की अंतर्दृष्टि को पूरी तरह से जानने की जरूरत है ताकि समाज में दहेज की मांग करने वालों की प्रतिष्ठ कम हो जाए। दहेज संबंधित किसी भी शिकायत के लिये दहेज प्रतिषेध अधिकारी जयपाल वर्मा के मोबाइल नम्बर 7518024020 या आस्था ज्योति सेक्टर मैनेजर, वन स्टॉप सेंटर, रायबरेली मोबाइल नम्बर 7905153510 अथवा 181 महिला हेल्पलाइन व चाइल्ड हेल्पलाइन, 1098 तथा अधिक जानकारी हेतु कार्यालय जिला प्रोबेशन अधिकारी, विकास भवन, इन्दिरा उद्यान के निकट महानन्दपुर रायबरेली में सम्पर्क कर सकते हैं।

का समतलीकरण कर सिंचाई की व्यवस्था करते हुए हरे चारे नैतिकता ग्रास का रोपण प्रार्थनिकता पर कराया जाए।

डीएम ने त्रिपुरला स्थित कान्हा गोवंश विहार गौशाला का किया औचक निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

गोवंश के बेहतर करे लिए निरंतर करे कार्या हर्षिता माथुर

अवधनामा संवाददाता

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने त्रिपुरला स्थित कान्हा गोवंश विहार गौशाला का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने गावों के खानपान, चारे आदि व्यवस्था के बारे में मुख्य पशु चिकित्सक/अधिकारी डॉ अनिल कुमार से जानकारी ली। जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि गोष्म ऋतु/हीट वेव से बचाव हेतु सभी गौशाला केंद्रों पर पर्दे व छायादार वृक्ष सहित अन्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखा जाए। कहा कि गोवंश को बीमारियों आदि से बचाव के लिए समय-समय पर गोवंशों की चिकित्सकीय जांच की जाए। गोवंशों के खान-पान चारा

आदि व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की कमी न होने पाये और गोवंशों की बेहतर के लिए निरंतर कार्य किये जायें। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निरीक्षण रजिस्टर, स्टॉक रजिस्टर, पंचनामा आदि रजिस्ट्रों का अवलोकन भी किया तथा सम्बन्धित अधिकारी से निरीक्षण आदि व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि कस्बों में जो आवारा गोवंश मिले उन्हें गौशालाओं में पहुंचा कर उसका संरक्षण किया जाए।

इसमें किसी भी प्रकार की स्थिथलता व लापरवाही न बरती जाये। उन्होंने कहा कि गौशालाओं में चारा, पानी आदि में किसी भी प्रकार की कोई कमी न रहे। इसके लिए लोगों को भूसा दान करने के लिए प्रोत्साहित भी किया जाए। गोवंशों की चिकित्सा एवं भरण पोषण में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाये जाने पर जिलाधिकारी ने संबंधित के

विरुद्ध कठोर कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी के निरीक्षण के समय कान्हा गोवंश विहार में 514 गोवंश संरक्षित पाये गये, जिसमें 267 नर व 247 मादा गोवंश थे, सभी गोवंशों में ईयर टैगिंग पायी गयी। भूसा गोदाम में लगभग

जिलाधिकारी ने पीड़ित महिला की शिकायत पर प्रोबेशन अधिकारी को कार्यवाही करने के लिए निर्देश

रायबरेली। जनता दर्शन के दौरान एक पीड़ित महिला बुधवार को जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के सम्पर्क अपनी समस्या लेकर उपस्थित हुईं। पीड़ित महिला द्वारा बताया गया कि ससुराल जन ने उसके दूध पीते बच्चे को छीन कर और उसे मारपीट कर घर से निकाल दिया।

जिलाधिकारी ने जिला प्रोबेशन अधिकारी से इस प्रकरण को तत्काल सज्ञान में लेते हुए नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जिला प्रोबेशन अधिकारी जयपाल वर्मा के निर्देश पर वन स्टॉप सेंटर मैनेजर आस्था ज्योति एवं केस वर्कर अर्चना सिन्हा महिला के पास पहुंची और कार्यवाही करते हुए एस्पएचओ महिला थाने की मदद से 2 महिला गाई को लेकर महिला के ससुराल पहुंची और उसका दूध पीता बच्चा उसे दिलाया एवं महिला को सकुशल उसके मायके उसकी माँ के पास पहुंचाया। इस पूरी प्रक्रिया में महिला गाई अलका द्विवेदी एवं स्वीटी ओझा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

निराश्रित महिला पेंशन के लिए केवाईसी एवं एनपीसीआई अनिवार्य सहारनपुर।

महिला कल्याण विभाग उ.प्र. द्वारा निराश्रित महिला पेंशन योजना में चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही का भुगतान माह जून से आधार बेस पेमेंट के माध्यम से किया जाएगा। जिला प्रोबेशन अधिकारी अभिषेक कुमार पाण्डेय ने बताया कि सभी लाभार्थियों के खाते आधार-कार्ड से लिंक होना अनिवार्य है। इसके साथ-साथ सभी लाभार्थियों के खाते एनपीसीआई के अन्तर्गत अपडेट होना चाहिए जो कि सम्बन्धित बैंक द्वारा किया जायेगा। उन्होंने कहा कि पति की मृत्यु के उपरान्त निराश्रित महिला पेंशन (विधवा पेंशन) योजनान्तर्गत लाभ प्राप्त कर रही जिन लाभार्थियों के बैंक खातों में केवाईसी एवं एनपीसीआई अपडेट नहीं है, वे सभी लाभार्थी यथाशीघ्र अपने सम्बन्धित बैंक शाखा में जाकर अपने बैंक खातों में केवाईसी एवं एनपीसीआई अपडेट करा लें ताकि वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही की किस्त आधार बेस पेमेंट के माध्यम से खाते में स्थानान्तरित की जा सकें।

जिलाधिकारी ने जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने जनरल वार्डों में पहुंचकर रोगियों का हाल जाना तथा उनसे वार्ता करते हुए कहा कि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी तो नहीं है, इलाज ठीक प्रकार से हो रहा है कि नहीं। इस पर मरीजों ने जिलाधिकारी को बताया कि उनका इलाज ठीक प्रकार से हो रहा है तथा किसी प्रकार की समस्या नहीं है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल में रोगियों के साथ आये तीमारदारों से भी बात की। उन्होंने उपस्थित चिकित्सकों को निर्देश दिये कि जिला अस्पताल में आये हुए सभी मरीजों को बेहतर चिकित्सीय सुविधाएं उपलब्ध कराते हुए इलाज किए जाने के साथ-साथ गर्मी को देखते हुए बिजली,पानी, कूलर आदि सहित साफ-सफाई की व्यवस्थाओं को भी दुरुस्त रखा जाए। उन्होंने कहा कि इसमें किसी भी प्रकार की स्थिथलता व लापरवाही न बरती जाए।

अभियुक्तों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त बाईक व अवैध अस्लाह बरामद

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। थाना नकुड़ पुलिस ने 02 अभियुक्तों को पीसीआर पर लेकर उनकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त बाईक व अवैध अस्लाह बरामद किया है।

गौरतलब रहे कि 05 जून को सतीश कुमार पुत्र बनारसी निवासी ग्राम छपूर थाना नकुड़ ने आरोपी सचिन पुत्र तर्सेम निवासी ग्राम उरुवेडी थाना नकुड़ व आयुष पुत्र प्रेमचन्द निवासी ग्राम बाकरगंजरा थाना नकुड़ पर उसके भतीजे सूरज पुत्र प्रवीण कुमार के साथ गलीच गलीच करते हुए जान से मारने की नियत से फयर कर गोली मारकर घायल करने के सम्बन्ध में थाना नकुड़ पर मुकदमा दर्ज कराया था। जिसमें नामजद अभियुक्तों ने 07 जून को न्यायालय के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ.विपिन तांडा ने ने उक्त घटना का सज्ञान लेते हुए



घटना में प्रयुक्त हथियारों की बरामदगी हेतु दिशा-निर्देश दिए थे। जिसके क्रम में थाना नकुड़ प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आज अभियुक्त सचिन व आयुष को पुलिस कस्टडी में लेकर उनकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त 02 तमंचे 315 बोर मय 01 खोखा कारतूस 315 बोर मय नाल में भंसा जिन्दा कारतूस 315 बोर को ग्राम छपूर से अम्बेटटापीर रोड पर स्थित विपिन पुत्र महीपाल के आम के बाग से बरामद किये। बरामदगी के आधार पर मुकदमा उपरोक्त अभियुक्तों के विरुद्ध धारा

3/25/27 आर्म्स एक्ट की वृद्धि की गई। अभियुक्त सचिन ने पूछताछ में बताया कि कुछ दिन पहले शराब के नशे में उसकी व सूरज ने मेरे साथ में लड़ाई हो गई थी तथा सूरज ने उसके साथ गलीच गलीच व हाथपाई कर दी थी और मेरी सगी बहन के गांव छपूर में शादी हुई है, जहाँ सूरज ने मेरे साथ की गई हाथपाई व गलीच गलीच की बात ग्राम छपूर में भी फैला दी थी, जिससे आवेश में आकर मैंने उस पर जान से मारने की नियत से फयर शॉट दिया था और गलीच उसकी टांग में लगी थी।

इच्छुक पात्र कारीगर एवं हस्तशिल्प कारीगर 10 दिवसीय कौशल प्रशिक्षण एवं टूलकिट के लिए करें आवेदन

अवधनामा संवाददाता

रायबरेली। उपायुक्त उद्योग परमहंस मोर्य ने बताया कि उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन निदेशालय उ०प्र०, कानपुर द्वारा प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अन्तर्गत जनपद के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के पारंपरिक कारीगरों जैसे-हलवाई, बर्दई, दर्जी, नाई, लोहार, राजमिस्त्री आदि को उद्यम करने के आधार पर वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु लक्ष्य आवंटित किये गये हैं। जिसमें ट्रेड से सम्बन्धित कारीगरों को 10 दिवसीय कौशल प्रशिक्षण एवं कार्य के सफल संचालन हेतु आधुनिकताम तकनीक पर आधारित उन्नत किस्म के टूलकिट उपलब्ध कराये जायेंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम पूर्णतः नि:शुल्क है। उपायुक्त उद्योग ने

कहा है कि प्रदेश की विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में जनपद-रायबरेली हेतु 850 लक्ष्य आवंटित किया गया है, जिसमें हलवाई-200, बर्दई-75, दर्जी 450 नाई-50, लोहार-25, राजमिस्त्री-50 आदि ट्रेड सम्मिलित है। योजना आधार प्रामाणीकरण के आधार पर ऑनलाइन मोड में संचालित की जा रही है जो मा० मुख्यमंत्री केशू जोड़ पौल्टल की महत्वपूर्ण योजना में सम्मिलित है।

उपायुक्त उद्योग ने जनपद-रायबरेली के पारंपरिक कारीगरों से कहा है और उपरोक्त ट्रेडों में प्रशिक्षण प्राप्त करने के इच्छुक पात्र कारीगर एवं हस्तशिल्प कारीगर विभागीय वेबसाइट <http://diupmsme.up.sdc.gov.in> एवं URL <http://msme.gov.in>

पर 25 जून 2024 तक अपना आवेदन कर सकते हैं। उपायुक्त उद्योग द्वारा योजना की पात्रता की शर्तों के बारे में बताया है कि आधार कार्ड एवं आधार से लिंक मोबाइल नम्बर होना चाहिए। बैंक पास बुक की छाया प्रति तथा आवेदक की पासपोर्ट साइज फोटो आदि। आवेदक जनपद का निवासी होना चाहिए। आवेदक की न्यूनतम आयु 18 वर्ष या उससे अधिक होना चाहिए। आयु की गणना आवेदन करने की तिथि से की जायेगी।

आवेदक को हलवाई, बर्दई दर्जी, नाई, लोहार, राज मिस्त्री आदि ट्रेडों अथवा दस्तकारी व्यवसाय से जुड़ा होना चाहिए। योजनान्तर्गत लाभ प्राप्त किये जाने हेतु किसी प्रकार की शैक्षिक योग्यता आवश्यक नहीं है। परिवार का केवल एक सदस्य ही योजनान्तर्गत आवेदन हेतु पात्र

होगा। पात्रता हेतु जाति एक मात्र आधार नहीं होगा। योजना में लाभ प्राप्त करने हेतु ऐसे व्यक्ति भी पात्र होंगे जो परम्परागत कारीगरी करने वाली जाति से भिन्न हों। ऐसे आवेदकों को परम्परागत कारीगरी से जुड़े होने के प्रमाण के रूप में ग्राम प्रधान, अध्यक्ष नगर पंचायत, अथवा नगर पालिका/नगर निगम के संबंधित वार्ड के सदस्य द्वारा निर्गत किया गया प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। इस आशय का शपथ-पत्र कि इससे पूर्व में किसी प्रशिक्षण योजना में टूलकिट एवं मानदेय का लाभ नहीं लिया गया है। योजना की विस्तृत जानकारी के लिए किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय-जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, सिविल लाइन्स, रायबरेली से सम्पर्क किया जा सकता है।

नूकड़ नाटक के माध्यम से जल संरक्षण व साफ-सफाई रखने का दिया जायेगा संदेश



नूकड़ नाटक करने वाली टीम को पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर अवधानामा संवाददाता। शुक्रवार को डुमरियागंज ब्लॉक प्रांगण में जिला पेयजल एवं स्वच्छता समिति द्वारा ब्लॉक के प्रत्येक गावों में जल की स्वच्छता जांचने वा जल को स्वच्छ रखने का संदेश देने के लिए नूकड़ नाटक के माध्यम से ग्रामवासियों को जागरूक करने वाली टीम को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने टीम को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने लोगों को वर्षा जल संयोजन तथा स्वच्छ पाणी पीने से होने वाले लाभ व हानि के बारे में बताया। साथ ही जीवन में साफ सफाई के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बीमारियों से दूर रखने में स्वच्छता का विशेष महत्व है। इस दौरान खण्ड विकास अधिकारी अमित सिंह, दिलीप उर्फ छोटे पाण्डेय, चन्द्र प्रकाश चौधरी, धर्मराज वर्मा, मधुसूदन अग्रहरी, कमलेंद्र त्रिपाठी, राजन अग्रहरी, अजीत उपाध्याय, सुरेंद्र अग्रहरी, बबलू पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

दीवान की घर जाते समय मार्ग दुर्घटना में मृत्यु

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर अवधानामा संवाददाता। डुमरियागंज थाने में हल्का नं 4 में तैनात दिवान प्रभु नाथ सिंह का घर जाते समय मार्ग दुर्घटना में मृत्यु हो गई। बृहस्पतिवार को 3 दिन का अवकाश लेकर गोरखपुर जाते समय बस्ती जनपद के वाल्टरगंज थाना क्षेत्र में रात्रि करीब 11 बजे मार्ग दुर्घटना में दीवान प्रभु नाथ सिंह का मृत्यु हो गया। इवार्ज प्रभारी निरीक्षक रमेश यादव ने बताया कि दीवान प्रभु नाथ सिंह तीन दिन की छुट्टी पर घर जा रहे थे, वाल्टरगंज थाना क्षेत्र में मार्ग दुर्घटना से उनकी मृत्यु हो गया, बाड़ी जिला अस्पताल बस्ती में पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया है साथ ही परिजनों को रात में ही सूचित किया गया।

त्यौहार शान्ति का संदेश देते हैं इन्हें शांतिपूर्ण वातावरण में सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाया जाना चाहिए : एसपी सिटी

गोरखपुर अवधानामा संवाददाता। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार पुलिस अधीक्षक (नगर) कृष्ण कुमार विश्वाजी की अध्यक्षता में पर्यटन भवन के कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित इंदुजुहा (बकरीद) पर्व को शांतिपूर्ण वातावरण में सफुशल ढंग से सम्पन्न करने हेतु जनपद शांति एवं सद्भावना समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में पुलिस अधीक्षक नगर कृष्णा विश्वाजी पुलिस अधीक्षक उमरी जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार एसीएम राजू कुमार सहित सम्स्त क्षेत्राधिकारी व संबंद्ध नगराधिक मोजूद रहे।

कोटेदारों की समस्या के निस्तारण के लिए बैठक गोरखपुर अवधानामा संवाददाता। सहजनवा तहसील क्षेत्र के कोटेदारों के सामने आ रही समस्या के निस्तारण के लिए सहजनवा में बैठक की गई। बैठक की अध्यक्षता करते आपूर्ति निरीक्षक इंद्रेश तिवारी ने कहा की स्टॉक मशीन को समय से प्राप्त कर लें। और राशन का वितरण समय से शुरू कर दिया जाय। यदि किसी कोटेदार को स्टॉक मशीन को लेकर कोई समस्या आ रही है। तो उसे आरेप्टेक को दिखा कर ठीक करा लिया जाय। राशन वितरण में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

इंसान को खौफ और उम्मीद के बीच की जिंदगी गुज़ारनी चाहिए : मौलाना शाहकार हुसैन ज़ैदी



डुमरियागंज सिद्धार्थनगर अवधानामा संवाददाता। क्षेत्र के हल्लेर स्थित जामा मस्जिद में शुक्रवार को खुतबे के दौरान इमाम मुना जमाना मौलाना शाहकार हुसैन ज़ैदी ने पांचवे इमाम मुहम्मद बाकिर अलीरिस्लाम की शहादत के मौके पर कहा कि आपकी जिंदगी और इल्मी मकाम पर फरमाया कि इस दुनिया में इंसान को न सिर्फ खौफ के साथ जीना चाहिए और न ही सिर्फ उम्मीद के साथ बल्कि खौफ और उम्मीद के बीच रहकर जिन्दगी गुज़ारनी चाहिए। जो इंसान सिर्फ खौफ में रहता है वो माफूसी भरी जिन्दगी गुज़र रहा होता है और जो सिर्फ उम्मीद में रहता है वो नुरत और जसारात में मुल्ला हो जाता है। इसलिए चाहिए कि इंसान दोनों को साथ लेकर चले यानी दिल में खुदा का खौफ हो ताकि गलत काम न करे और साथ ही साथ माफी की उम्मीद भी रहे ताकि अगर गलती हो जाये तो मगफेरत की उम्मीद बाकी रहे। मौलाना ज़ैदी ने कहा कि इमाम की जिंदगी के हालात जानना हर इमाम वाले कि जिम्मेदारी है चूकि जिक्रे मासूम वो सरमाया है जिससे जिन्दगी सँवारी जा सकती है। उन्होंने कहा कि इमाम का लफ़्ज बाकिर है जिसका मतलब होता है खोलने वाला। इमाम ने इल्मी गिरहों को खोला था इसलिए आपको बाकिर कहा गया। इमाम बाकिर अस एकलौते ऐसे इमाम है जिनके दादा भी इमाम और नाना भी इमाम है। नमाज के दौरान मौलाना मोहम्मद अब्बास शाहिव, वजीहुल हसन, जमाल हैदर, जलाल जललिनगम, कसीम रिज़वी, मंज़र, तशरीब हसन, अली ताहिर, मोजिज़, असगर मेंहदी मुन्नू, खुशींद आरके, इं मोहम्मद मेंहदी, अहमद हैदर, मोहम्मद हैदर, कायम राजा, ताजीम, शकील अहमद, अंगुम, अब्बास अली, अजीम हैदर, तन्वीर हसन, राशिद ताकीब जलाल, सायान, आरजू सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

एचबीवाईसी के तहत चल रहा आशाओं का पांचवें बैच के अंतिम दिन का प्रशिक्षण सम्पन्न



अवधानामा संवाददाता

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर। शुक्रवार को बनवापुर ब्लॉक क्षेत्र के सीएचसी सरिसिया में गृह आधारित देखावाल कार्यक्रम (एचबीवाईसी) के तहत चल रहे प्रशिक्षण के पांचवें दिन एवं अंतिम दिन अधीक्षक डॉ.शैलेंद्र मणि ओझा ने आशाओं को अपने कार्य क्षेत्र में गृह धरण के दौरान योग्य दंपति, गर्भवती महिला तथा बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की बात कही।

प्रशिक्षक सुपमा द्विवेदी ने प्रशिक्षण के दौरान आशाओं को लक्ष्य के सापेक्ष गर्भवती महिलाओं का शीघ्र पंजीकरण तथा संस्थागत प्रसव के फायदे की जानकारी दी। सुपमा द्विवेदी के द्वारा ग्रोथ चार्ट के माध्यम से बच्चों को उम्र एवं वजन के आधार पर कुपोषित अथवा अति कुपोषित की

16 जून को होगा गंगा आरती महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन



अवधानामा संवाददाता

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर। शुक्रवार को राघवेंद्र प्रताप सिंह ने राप्ती नदी तट का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया था धर्म रक्षा मंच के पदाधिकारियों को दायित्व देते हुए कार्यक्रम की भव्यता देने हेतु चर्चा किया। इस दौरान उन्होंने साफ सफाई के प्रति लोगों को जागरूक करते हुए स्वयं झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया।

पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि विगत वर्षों कि भांति इस वर्ष भी 16 जून को सांय 6 बजे गंगा दशहरा के शुभ अवसर पर धर्म रक्षा मंच के तत्वाधान में गंगा आरती

सड़क पर जल जमाव को लेकर किया प्रदर्शन

गोरखपुर। सहजनवा ब्लॉक के ग्राम पंचायत भीटी रावत में स्थित मस्जिद और भरपुरवा की तरफ जाने वाले काली मंदिर के रास्ते पर जल जमाव होने से ग्रामीणों को कीचड़ से होकर गुजरना पड़ रहा है। जिसको लेकर शुक्रवार को दर्जनों की संख्या में ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। और प्रशासन से जल जमाव से मुक्ति दिलाने की मांग किया। प्रदेश का नेतृत्व कर रहे समाज सेवी डा सईद बाबू रहबर ने कहा की मस्जिद और काली मंदिर जाने वाले रास्ते पर नाली का निर्माण न होने से लोगों के घरों का पानी सड़क पर बह रहा है। इसी रास्ते से लोग मजबूर होकर गुजर रहे है। कई बार देखा गया की कीचड़ में लोग गिर कर घायल भी हो रहे है। जल जमाव होने से संक्रमित बीमारियों के फैलने का खतरा मंडा रहा है। नाली निर्माण करने के लिए कई बार जिम्मेदारों से शिकायत किया गया। लेकिन इस ओर अभी तक ध्यान नहीं दिया गया। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग किया है की समय से जल जमाव से मुक्ति नहीं दिलाई गई तो ग्रामीण आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

जागरूकता शिविर में मनोज कुमार तिवारी अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीश/पूर्णकालिक सचिव जिला न्यायालय सेवा प्राधिकरण सिद्धार्थनगर, राजेश मोहन प्रधानाचार्य माधव प्रसाद त्रिपाठी मीडिकल कालेज सिद्धार्थनगर,

चार लोगों के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज

अवधानामा संवाददाता

गोरखपुर। हरपुर बुदहत थाना क्षेत्र

के ग्राम पंचायत अहमदपुर निवासी अजय ने रावत पुत्र स्व सकलदीप रावत ने थाना पुलिस को तहरीर देकर चार लोगों के खिलाफ मारपीट और जान माल की धमकी देने का मुकदमा दर्ज कराया है। थाना क्षेत्र के अहमदपुर निवासी अजय रावत ने थाना पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 11 जून को रात करीब 9 बजे के करीब जमीनी रंजिश को लेकर हमारे पत्नीदार सुरेन्द्र रावत, आदित्य रावत, गुडिया, अभिशेष रावत मिल कर मुझ प्राथी अजय रावत, पत्नी ममता देवी और भाभी सुमन देवी पत्नी सुनील रावत को भद्दी भद्दी गालियां देते हुए लाठी डंडा से मार पीट कर घायल कर दिए, सूचना पर पहुँची पुलिस अस्पताल भिजवाया। इस संबंध में थानाध्यक्ष विशाल सिंह ने बताया कि अजय रावत की तहरीर पर सुरेन्द्र रावत, आदित्य रावत, गुडिया और अभिशेष के खिलाफ मारपीट और जान माल की धमकी देने का मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

विश्व रक्तदाता दिवस पर रक्तदान हेतु जागरूकता शिविर का आयोजन

अवधानामा संवाददाता

सिद्धार्थनगर। उच्च राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के प्र संचालक 1249/ एलएएसएलए-23/2017, दिनांकित 10 अप्रैल के अनुपालन में जनपद एवं सत्र न्यायाधीश के निर्देश के क्रम में वार्षिक एक्शन प्लान 2024-25 में उल्लिखित गतिविधियों के अनुपालन में विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष्य में रक्तदान हेतु शुक्रवार को जागरूकता शिविर का आयोजन जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में किया गया है। जागरूकता शिविर में मनोज कुमार तिवारी अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीश/पूर्णकालिक सचिव जिला न्यायालय सेवा प्राधिकरण सिद्धार्थनगर, राजेश मोहन प्रधानाचार्य माधव प्रसाद त्रिपाठी मीडिकल कालेज सिद्धार्थनगर,



अवधानामा संवाददाता

जामा मस्जिद में इमाम मुहम्मद बाकिर अस के शहादत दिवस पर मजलिस आयोजित

अवधानामा संवाददाता

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर। इमाम

मुहम्मद बाकिर अस अपने पिता इमाम सज्जाद अस के बाद शियों के पांचवें इमाम हैं। उनका सबसे प्रसिद्ध उपनाम बाकिर है जिसका अर्थ है विभाजन करने वाला, जो उन्हें हदीसे लौह के अनुसार उनके जन्म से पहले पैगंबर सअद द्वारा दिया गया था।

इमाम बाकिर अस लगभग 19 वर्षों तक शियों के इमाम रहे। इमाम 57 साल की आयु में 7 ज़िल हिज्जा 114 हिजरी को शहीद हुए। उक्त उदगार क्षेत्र के हल्लेर स्थित जामा मस्जिद में शिया मुसलमानों के पांचवें इमाम मुहम्मद बाकिर अस के शहादत दिवस पर आयोजित मजलिस को संबोधित करते हुए जाकिरे अहलेबैत जमाल हैदर करबलाई ने कही। उन्होंने कहा कि इमाम हजरत मुहम्मद बाकिर अस की जिंदगी पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि इमाम मोहम्मद बाकिर अस का अखलाक और नर्म



दिली बहुत मशहूर थी और अपने शियों को समाज में किस तरह रहा जाए बार बार समझाया। इमाम मोहम्मद बाकिर अस ने अपने शियों को यह हिदायत दिया कि जितना भी मुमकिन हो इल्म हासिल करो और उसका इस्तेमाल खुद अपना किरदार बनाने में और लोगों में बांटने में करो। अंत में शहादत बयान किया तो हर आँख में आंसू नजर आये। मजलिस से पूर्व अम्बर मेंहदी व हमनवा ने

मरसिया पेश किया। मजलिस के दौरान मौलाना मोहम्मद अब्बास शाहिव, वजीहुल हसन, असगर मेंहदी मुन्नू, जलाल, काज़िम मेंहदी, जमाल, माहाताब, कामयाब, मोहम्मद हैदर, जानशान, जलाल सर, अब्बास अली, शकील गुड्ड, सलमान, रेहान, शायान, लह्ज़न, रज़ा, राशिद रिज़्वी कसान, नासिर, काज़िम राजा, अरमान, तन्वीर हसन, मीसम, शकुलू, अज़ीम, शमशुल सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

जनप्रतिनिधियों की जलालपुर क्षेत्र में नहीं रही कोई विकास के बारे में रुचि

जलालपुर अंबेडकरनगर। जलालपुर विधानसभा क्षेत्र से सभी पट्टियों के जनप्रतिनिधि बारी बारी से चुने गये इसके बावजूद भी कई गांव आज भी अपनी दुर्दशा में आंसू बहा रहे हैं। परंतु उस पर कोई भी ध्यान देने वाला नहीं है। जलालपुर विधानसभा क्षेत्र से सपा, बसपा और भाजपा तीनों पट्टियों के विधायक तथा तीनों पट्टियों के सांसद चुने गये लेकिन यह सांसद विधायक निर्वाचित होने के बाद किसी-किसी गांव में इनके विकास का कोई योगदान नहीं रहा है इसके बावजूद भी उक्त गांव के मतदाता अपने गांव की विकास के लिए जनप्रतिनिधियों को चुनते रहे लेकिन निर्वाचित होने के बाद गांव की तरफ रुख नहीं किये। अगर कभी रुख भी किया तो वह सिर्फ चुनाव के ही समय में इसलिए आज भी तमाम गांव में बरसों पूर्व लगाये गये खड्डों के मार्ग से लोगों को गुजरना पड़ता है। ऐसा ही जलालपुर तहसील क्षेत्र के एक गांव जगतपुर बिल्डिंग है। जहां गांव में जाने के लिए ऊबड़ खाबड़ रास्तों से ही गुजरना पड़ता है। सपा सरकार में इस गांव को तत्कालीन स्वर्गीय विधायक शेर बहादुर सिंह ने लोहिया ग्राम पोषित करवा कर गांव का कुछ विकास करवाया था इसके बाद इस गांव पर किसी भी जनप्रतिनिधि की नजर नहीं पड़ी। यहां तक की इस तरफ पक्की रोड उस तरफ पक्की रोड बीच में खड्डा बंध भी टूटी-फूटी उस टूटे मार्ग से दो पहिया और चार पहिया वाहनों का गुजरना आसान नहीं है। बार-बार लोगों की शिकायतें और मांग के बावजूद भी इन जनप्रतिनिधियों ने ध्यान नहीं दिया। इस गांव से पट्टी जाने वाला मार्ग पड़ता है वही इसी गांव से कला चिताला होते हुए मालीपुर अकबरपुर रोड जाने के लिए 500 मीटर की का मार्ग बंदतर हालत में तब्दील है। यहां बरसात के मौसम में राहगीरों का साथ भी अभद्रता करने लगे। जिसकी शिकायत त्रिलोकपुर पुलिस से शिकायत प्रार्थना पत्र के माध्यम से कर कारवाई की मांग की है। इस संभार में नबाजिक करता है, और घर पर अपने नुवांनिक वक्तियों के साथ रहती है। वृहस्पतिवार की रात को गांव के दो

रक्तदाता के रूप में प्रेरणा स्रोत बनाने हेतु 31 व्यक्तियों ने किया रक्तदान

व अनूप दूबे स्टेनो सिविल सिद्धार्थनगर सिद्धार्थनगर मौजूद रहे। चूकि आज का दिवस रक्तदाताओं के सम्मान हेतु विशेष रूप से निर्धारित है। अतः जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में पूर्व में रक्तदान करते आ रहे रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र व सीलड देकर सम्मानित

किया गया तथा रक्तदान के संदर्भ में आमजन को जागरूक किये जाने व रक्तदाता के रूप में प्रेरणा स्रोत बनाने हेतु 31 व्यक्तियों ने रक्तदान किया जिसमें सिद्धार्थनगर जनपद के सिविल सिद्धार्थनगर के 3 अधिवक्तागण अंजनी कुमार दूबे विजय कुमार शुक्ल व अनूप दूबे स्टेनो सिविल सिद्धार्थनगर तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव द्वारा भी रक्तदान किया गया है।

घर में घुसकर लड़की के साथ छेड़खानी के विरोध पर मारपीट का लगाया आरोप

अवधानामा संवाददाता



डुमरियागंज सिद्धार्थनगर।

त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला ने गांव के ही कुछ दबंग मनचलों के ऊपर घर में घुस कर लड़की के साथ छेड़खानी का आरोप लगाया है। महिला ने त्रिलोकपुर पुलिस को दिए अपने शिकायती पत्र में बताया कि लड़की के साथ छेड़खानी करने वाले लोगों का जब हम मां बेटी ने विरोध किया तो मनचलों ने पीटते हुए भद्दी भद्दी गाली गलोज करते हुए जान से मारने की धमकी भी दिया।

शुक्रवार को त्रिलोकपुर थाने पर शिकायती पत्र देकर मनचले दबंगों पर कारवाई की मांग की है। पीडित महिला ने त्रिलोकपुर पुलिस को दिए अपने तहरीर में बताया है कि, पति के मृत्यु के बाद हम प्रार्थिनी का एक लड़का जो मुम्बई में रह कर रोजी रोटी का जुगाड़ करता है, और घर पर अपने नबाजिक वक्तियों के साथ रहती है। वृहस्पतिवार की रात को गांव के दो

दबंग मनचलों ने घर में घुसकर लड़की के साथ छेड़खानी करने लगे, लड़कियों के द्वारा शोर करने पर मैं पहुंची और इसका विरोध किया तो दबंगों ने हमारे व लड़कियों के साथ मारपीट करते हुए भद्दी भद्दी गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी देने लगे। शोर गुल सुन पड़ोस के लोग आकर दबंग मनचलों को डांटने समझाने लगे जिसपर उन लोगों के साथ भी अभद्रता करने लगे। जिसकी शिकायत त्रिलोकपुर पुलिस से शिकायत प्रार्थना पत्र के माध्यम से कर कारवाई की मांग की है। इस संभार में नबाजिक करता है, और घर पर अपने नुवांनिक वक्तियों के साथ रहती है। वृहस्पतिवार की रात को गांव के दो

चमकने से पहले ही बुझ गये किछौछा के कबड्डी के सितारे

मोकीम खान/दानिश मेंहदी



किछौछा अम्बेडकरनगर। एक वक्त वह भी था जब किछौछा के पश्चिम मोहल्ल सरदारनगर गांव में कबड्डी का शोर सुनकर युवाओं में जोश हिलोरे मारने लगता था। प्रांतीय स्तर की प्रतियोगिताओं का आयोजन कर सरदारनगर अपनी शान पर इत्तलाता था समय का पासा पलटा किछौछा कबड्डी क्लब आर्थिक तंगी का शिकार हो गया सरकार का सहयोग नहीं मिला तो चमकने से पहले यहां कबड्डी के सितारे बुझ गए किछौछा कबड्डी क्लब के बैनर तले 40 साल पहले होने वाली प्रांतीय प्रतियोगिता में महिला टीमों के अलावा पुरुष वर्ग में गोरखपुर, आजमगढ़, फैजाबाद सुल्तानपुर, बनारस गाजीपुर, आदि जनपदों में खिलाड़ी आते थे। कबड्डी के उत्थान को आस लगाए कोच जमील अंसारी व चतन शाह दुनिया से रुखसत हो गए कुछ खिलाड़ी अभिन पड़वल पर हैं। इस खेल में मुकाम पाने का रास्ता नहीं दिखा तो कसान मसूद खॉं (लोहई मास्टर) रोजी-रोटी की तलाश में जुट गये। उस्मान अंसारी, विधाननंद चौधरी अनीस खॉं, अच्छे लाल चौधरी, मोनी लाल यादव, आदि ने खेलाने के लिए खिला खेले जोईडिया खेलो के कदम रखने के बाद भी इसके उत्थान की आस बुझी पड़ी है। अगर सरकार

बुढ़ियाटावर में चल रहे श्रीमद भागवत में कंस वध और कृष्ण-रुक्मिणी विवाह की कथा सुनाई गई

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर अवधानामा संवाददाता। भनवापुर व्लाक क्षेत्र के ग्राम बुढ़ियाटावर में चल रहे श्रीमदभागवत कथा के दौरान बृहस्पतिवार को कथा वाचक पं. अखिलेश शास्त्री ने कंस वध के साथ ही रुक्मिणी विवाह के कथा का रसगान कराया। कथा वाचक पं. अखिलेश शास्त्री ने बताया कि कंस के अत्याचार से पृथ्वी त्रिहो जव कलने लगी तब लोग भगवान से गुहार लगावे लगे। तब कृष्ण अवतरित हुए। कंस को यह पता था कि उसका वध श्रीकृष्ण के हाथों ही होना निश्चित है। इसलिए उसने वायुवस्था में ही श्रीकृष्ण को अनेक बार मरवाने का प्रयास किया, लेकिन हर प्रयास भगवान के सामने असफल साबित होता रहा। 11 वर्ष की अल्प आयु में कंस ने अपने प्रमुख अकष्ट के द्वारा मल्ल युद्ध के बहने कृष्ण, बलराम को मथुरा बुलवाकर शिशिली योद्धा और पागल हथियों से कुलवाकर मारने का प्रयास किया, लेकिन वह सभी श्रीकृष्ण और बलराम के हाथों मारे गए और अंत में श्रीकृष्ण ने कंस का वध कर मथुरा नगरी को कंस के अत्याचारों से मुक्ति दिला दी। कंस वध के बाद श्रीकृष्ण ने अपने माता-पिता वासुदेव और देवकी को जहां कारागार से मुक्त कराया, वहीं कंस के द्वारा अपने पिता उग्रसेन महाराज को भी वंदी बनाकर कारागार में रखा था, उन्हें भी श्रीकृष्ण ने मुक्त कराकर मथुरा के सिंहासन पर बैठाया। अखिलेश शास्त्री ने रुक्मिणी विवाह के प्रसंग पर प्रकाश डालते हुए बताया कि रुक्मिणी जिन्हें माता लक्ष्मी का अवतार माना जाता है। वह विदर्भ साम्राज्य की पुत्री थी, जो विष्णु रूपी श्रीकृष्ण से विवाह करने को इच्छुक थी। लेकिन रुक्मिणी जी के पिता व भाई इससे सहमत नहीं थे, जिसके चलते उन्होंने रुक्मिणी के विवाह में जरासंध और शिशुपाल को भी विवाह के लिए आमंत्रित किया था, जिसे ही यह खबर रुक्मिणी को पता चली तो उन्होंने दूत के माध्यम से अपने दिल की बात श्रीकृष्ण तक पहुंचाई और काफी संघर्ष हुआ युद्ध के बाद अंततः श्री कृष्ण रुक्मिणी से विवाह करने में सफल रहे। इस दौरान केशरी चंद्र पाण्डेय, नंदलाल, जयलाल, अमित, अभिषेक, अमन, शिव वर्मा, शिव प्रसाद यादव, राजू आदि मौजूद रहे।

बूडीओ के निर्देश पर पशु पक्षियों के पीने के लिए अमृत सरोवर पर भरे जा रहे पानी

अवधानामा संवाददाता

लोटन सिद्धार्थनगर।

ग्राम पंचायतों में अमृतसरोवर तालाब का निर्माण कार्य शासन एवं प्रशासन के मंशा अनुसार कराया गया है। जिसका उद्देश्य है कि गर्मी के दिनों में जानवरों व पशु पक्षियों के लिए पीने का पानी रहे और उस गांव में पानी का जल स्तर समान्य स्थिति में बना रहे। इन सभी समस्या को देखते हुए अमृत सरोवर योजना के तहत पानी रोकने के लिए अमृत सरोवर का निर्माण कराया गया है। इसी के क्रम में खण्ड विकास अधिकारी अरुण कुमार श्रीवास्तव द्वारा सचिवों को निर्देशित किया गया जहां भी अमृत सरोवर बने है उस तालाब में पानी होना जरूरी है। इसी के तहत विकास खण्ड लोटन अंतर्गत ग्राम पंचायत रसियावल कला, टोटीरी, धरमौली में बने अमृत सरोवर में ग्राम पंचायत अधिकारी विनोद कुमार चौधरी व प्रधानो के सहयोग से पानी



भरा हुआ है। साफ सफाई का भी ध्यान दिया जा रहा है। शीलापट्ट लगाकर तालाब के बारे में लिखी गई है। करीब एक माह से दिन व दिन गर्मी बढ़ती जा रही है। अधिकांश तालाब व कुएं सूख रहे हैं। आम जनमानस के साथ पशु-पक्षियों को भी पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा था। सबसे अधिक समस्या पशुपालकों को हो रही थी। पशुपालक मवेशियों को पानी पिलाने के लिए दूर ले जाना पड़ता था। इस बात की जानकारी जैसे

रहा है। गांव वालों से पूछने पर गांव वालों ने बताया कि ग्राम पंचायत अधिकारी विनोद कुमार चौधरी रसियावल कला प्रधान रिंकू पाण्डेय टोटीरी प्रधान निजामुद्दीन, धरमौली प्रधान गयाराम यादव बथेली प्रधान बरिस्ता प्रधान चन्द्रबली यादव अमहट प्रधान गंगा राम यादव द्वारा अमृत सरोवर में पानी की व्यवस्था कराई है एवं साफ सफाई का भी ध्यान दिया जा रहा है।

चुनौतीपूर्ण होगा

मोदी को पिछले दो चुनावों अकेले दम पर भारी बहुमत मिला था। इस तीसरे टर्म में वह सुविधा नहीं है। उसे अपने सहयोगियों पर निर्भर रहना पड़ेगा। हालांकि एनडीए के सहयोगी दलों ने मोदी को अपना नेता माना इस परिप्रेक्ष्य में लगता है उनका यह कार्यकाल सहजता से चलेगा। बीच-बीच में कुछ हल्के फुल्के टकराव पैदा होते रहेगे पर मोदी का लम्बा अनुभव व उनकी कार्यकुशलता और ऊंचा कद सबको सहज बना लेगा। हां गति कुछ धीमी हो सकती है। गति इसलिए धीमी हो सकती है कि इस बार भाजपा अपने बलबूते पर बहुमत बनाने में 32 सीट पीछे है। पर उनमें बड़े फैसेले लेने का साहस है और उनकी छवि मजबूत नेता की है।

मोदी की निर्भरता एनडीए का बहुमत बनाये रखने के लिये जेडीयू और टीडीपी पर ज्यादा होगी। हालांकि दोनों के नेताओं में पक्के साथ का इजहार किया है। टीडीपी को भारी भरकम सहायता की जरूरत है और जेडीयू बिहार का विशेष दर्जा चाहता है और रेलवे मंत्रालय भी दोनों वाजपेयी सरकार में सहयोगी थे पर बाद में अलग हो गये थे। चन्द्रबाबू नायडू ने अमित शाह और नरेंद्र मोदी को लम्बे असें के बाद राजनीति में वापसी के लिये बहुत भावुक आभार प्रकट किया है। नीतीश मोदी का पांव छूने की कोशिश करते दिखे। अर्जुन जीत यादव को लेकर लोगों में खासकर नाजवानों में भारी रोष है। भाजपा को कम सीट मिलने में यह कारक रहा है। सहयोगी दल इसकी समीक्षा चाहते हैं। साथ कार्ट सेन्सस जो काग्रेस के लिये टूट्टम कार्ड साबित हुआ उसे अपनाते के लिये जोर दे रहे हैं। भाजपा को ऐसी राह निकालनी होगी जिससे जनता और घटक दल दोनों सन्तुष्ट रहे।

इस कार्यकाल में मोदी ने भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिये 2047 की डेड लाइन दी है। आर्थिक सुधार की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर उन्मुख है। मंहगाई और बेरोजगारी जनता के लिये प्रमुख मुद्दा रहा है जिसकी वजह से भारतीय जनता पार्टी को ज्यादा चोट पहुंची है। इसे सुधारने के लिये गतिशील जमीनी योजनाये लागू करनी होगी। बड़े और कड़े फैसले लेने होंगे, गतिशीलता बनाये रखनी होगी। कई घटक दलों के बीच सहमति के लिये विशेष प्रयास करना पड़ेगा। क्योंकि सबके अपने अपने मत होंगे अपने अपने नम्ब नुकसान का भीजान होगा। घटक दलों को भी श्रेय मिले सिर्फ प्रधानमंत्री और भाजपा दल को ही सारी प्रशंसा न जाये। सुधारों का एजेन्डा अब तक इसलिये सन्तोखजनक रहा कि इस पर राजनीतिक सहमति बनी रही है। अब प्रयासों को वाञ्छित स्तर पर मिलती रहे जिससे निर्धारित लक्ष्य तक निर्धारित समय पर पूरा किया जा सके। भाजपा को यह मान कर चलना होगा कि पूरा घटक अपना है उसे अपनी सीट कम होने के काम्प्लेक्स को भंगना होगा। महाराष्ट्र और यूपी में जनता को सन्तुष्ट करने के लिये विशेष प्रयास करने होंगे। पश्चिम बंगाल पर भी ध्यान देना होगा। महाराष्ट्र में भारी संकट दिख रहा है। मोदी की असल परीक्षा अब है काफ़ी लोगों को उनकी क्षमता पर यकीन है। एकमत से एनडीए के नेता चुने गये हैं। सरकार में सरकार बनाने का दावा पेश कर दिया है। 9 जून को शपथ ग्रहण हो गया। निष्पक्ष झूठे ही खुश हो रहा है। मोदी की टिप्पणी बच्चों से पूछे पहले किसकी सरकार थी कहेंगे भाजपा की पूछे अब किसकी है कहेंगे भाजपा की। मोदी और घटक दल को बचाई।

वैश्विक स्तर पर यह सर्वविदित है कि हम वर्तमान प्रौद्योगिकी वह कंपटीशन के युग में अति तेजी से उन्नति कर रहे हैं, तो स्वाभाविक रूप से हमारी इस सफलता से दो पक्ष खड़े होते हैं, पहला हमारी सफलता पर खुशियों से झूमते हुए हमें और आगे बढ़ाने का प्रोत्साहन देने वाला और दूसरा जलकुकड़ा, टारनें हमारी सफलता से त्रुण्णित होकर हमारी टांग खींचना और टारंटाएँ गिराने की कोशिश करने वाला। यह बात हम इसलिए कर रहे हैं क्योंकि आज दिनांक 13 जून 2024 को इसीपर आधारित एक बात हुई और मैंने इस पर आर्टिकल लिखने के लिए मुद्दा लपक लिया।

जी-7 शिखर सम्मेलन इटली 13-15 जून में भारत का आगाज



किशन भावगानी

हुआ यूं कि चीन पाकिस्तान ने 7 जून 2024 को एक संयुक्त वक्तव्य में हमारे जम्मू कश्मीर व लद्दाख क्षेत्र संबंधी भूमि को अपनी योजना में बताया था, जिसपर आज 13 जून 2024 को विदेश मंत्रालय ने जवाब देकर इसे खारिज किया व अपनी संप्रभुता की बात कही और आज ही के दिन माननीय पीएम जी-7 सम्मेलन जो 13-15 जून 2024को इटली के अपुलिया क्षेत्र में आयोजित है, आज देर शाम खाना हुआ। स्वाभाविक ही है बड़े-बड़े विकसित देश हमसे नजदीकीयां बढ़ रहे हैं। एफटीए करने को आतुर हो रहे तो कुछ वर्ग हमसे जलन खोरी कर हमारे क्षेत्र को अपना बताकर हमें उकसा रहे हैं इसलिए आज हम उकसाने वालों की बात छोड़कर हमें प्रोत्साहन देने वालों पर चर्चा करेंगे। असल में इस वर्ष इटली की मेजबानी में अपुलिया क्षेत्र में जी 7 सम्मेलन शुरू हो गया है इसमें भारत को जी 7 आउटरिच शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है जिसमें माननीय पीएम एक दिवसीय इटली यात्रा पर गए हैं। वह शुक्रवार 14 जून 2024 को देर शाम वहां से खाना भी होंगे। पीएम वहां सम्मेलन को संबोधन भी करेंगे और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऊर्जा, अफ्रीका



और भूमध्य सागर क्षेत्र पर फोकस हो सकता है, यूक्रेन विध्वंस के नेता जस्टिस भू राजनीतिक चुनौतियों से निपटने, समाधान तरीकों को तलाशने एआई एजेडा प्रमुख विषयों में शामिल है। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, विध्वंस के नेताओं के साथ भारत व ग्लोबल साउथ के लिए अहम मुद्दों पर बातचीत के सटीक अवसर को कुशलता से भुनाने में भारत माहिर है। साथियों बात अगर हम दिनांक 13 जून 2024 को देर शाम माननीय पीएम के इटली यात्रा की करें तो, इटली की अध्यक्षता में होने वाली 50 वें जी 7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए इटली के अपुलिया की यात्रा पर खाना हो गा। तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ लेने के बाद पीएम की यह पहली विदेश यात्रा है। यहां बहुपक्षीय और द्विपक्षीय प्रारूप में जी 7 के सदस्यों और अन्य आमंत्रित देशों एवं

के परिणामों के बीच अधिक तालमेल लाने और उन मुद्दों पर विचार-विमर्श करने का अवसर होगा, जो वैश्विक दक्षिण के लिए महत्वपूर्ण हैं। मैं शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले अन्य नेताओं से मिलने के लिए भी उत्सुक हूँ। साथियों बात अगर हम इटली के अपुलिया क्षेत्र में जी-7 शिखर सम्मेलन 13-15 जून 2024 की करें तो, इटली में तीन दिवसीय जी-7 शिखर सम्मेलन का आगाज हो रहा है। 13 से 15 जून तक पुर्ालिया में लोगों एनर्नालिया में कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है। जी-7 शिखर सम्मेलन कीमेजबानी इटली की अध्यक्षता के तहत हो रही है। तीन दिनों के सत्र के दौरान वैश्विक नेता मुख्य वैश्विक मुद्दों पर बात करेंगे। इस कार्यक्रम में सात सदस्य देशों (इटली, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, जापान, यूके और अमेरिका) के नेताओं के साथ-साथ यूरोपीय संघ का प्रतिनिधित्व करने वाले यूरोपीय परिद्वय में कहा, वे इटली के पीएम के के निमंत्रण पर 14 जून को जी-7 आउटरीच शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए इटली के अपुलिया क्षेत्र का दौरा करने जा रहे हैं। मुझे खुशी है कि लगातार तीसरे कार्यकाल में मेरी पहली यात्रा जी-7 शिखर सम्मेलन के लिए इटली की है। आउटरीच सत्र में चर्चा के दौरान आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, ऊर्जा, अफ्रीका और भूमध्य सागर पर फोकस किया जाएगा। यह भारत की मेजबानी में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन और जी-7 शिखर सम्मेलन

गजौनी (अफ्रीकी संघ के अध्यक्ष), ट्यूनीशियाई राष्ट्रपति कैस सईद, संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद और तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोआन शाहिल हैं। इसके अलावा कई राष्ट्रों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि सत्रों में भाग लेंगे, जिन्हें इटली द्वारा आमंत्रित किया गया है। साथियों बात अगर हम माननीय पीएम की वैश्विक नेताओं से चर्चा की करें तो, पीएम 14 जून को आउटरीच सत्र में भाग लेंगे, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ऊर्जा, अफ्रीका और भूमध्य सागर पर केंद्रित होगा। बता दें कि पीएम ने 25 अप्रैल को मुक्ति दिवस की 79वीं वषगांठ के अवसर पर इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से टेलीफोन पर बातचीत की थी। इस दौरान मोदी ने जी-7 शिखर सम्मेलन आउटरीच सत्र में आमंत्रित करने के लिए प्रधानमंत्री मेलोनी को धन्यवाद दिया था। पीएम इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी के साथ द्विपक्षीय बैठक भी करेंगे। मार्च 2023 में मेलोनी की भारत यात्रा के बाद पीएम की दूसरी बैठक होगी। पीएम एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ गुरुवार को इटली गए हैं। यह यात्रा पीएम को शिखर सम्मेलन में मौजूद अन्य वैश्विक नेताओं के साथ भारत और ग्लोबल साउथ के लिए अहम मुद्दों पर बातचीत करने का अवसर प्रदान करेगी। जानकारी के अनुसार, शिखर सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात हो सकती है।

कुमाऊनी बोली और भाषा से कैसे जुड़ेगी नई पीढ़ी?

‘बेड़ू पाको बारे मासा, नासगण। काफल पाको चैता मेरी छैला’ (बेड़ू तो बारह माह पकते हैं, लेकिन काफल तो केवल चैत माह में ही पकता है) उत्तराखंड के इस प्रसिद्ध कुमाऊनी लोकगीत को गाते हुए 95 वर्षीय बछ्छुी देवी के चेहरे पर एक अलग ही मुस्कान तैरने लगी है। वह उत्साह के ज्वालित बतती हैं कि ऐसे बहुत से कुमाऊनी लोकगीत हैं जिसे गाँव में रहने वाली कई बुजुर्ग महिलाएं और पुरुष



श्रुति

अक्सर गुनगुनाते रहते हैं। लेकिन नई पीढ़ी अब कुमाऊनी बोलना तो दूर, समझ भी नहीं पाती हैं। बछ्छुी देवी उत्तराखंड के बागेश्वर जिला स्थित कपकोट ब्लॉक के कन्यालीकोट गांव की रहने वाली हैं। जहां बुजुर्गों द्वारा कुमाऊनी बोली जाती है जबकि यहां की नई पीढ़ी हिंदी में बात करती है। दरअसल एक भाषा के रूप में कुमाऊनी साहित्य या अन्य दस्तावेज के प्रमाण बहुत कम मिलते हैं। जिससे यह केवल एक बोली के रूप में सीमित होकर रह गई है। हालांकि गढ़वाली की तरह कुमाऊनी भी उत्तराखंड की पुरानी भाषा और बोली मानी जाती है। इन्होंने दोनों भाषाओं के आधार पर 24 वर्ष पूर्व इस राय का गठन किया गया था। राज्य में कुल 13 जिले हैं। जिन्हें बोली के आधार पर गढ़वाली और कुमाऊनी मंडल में बांटा गया है। गढ़वाली बोलने वाले क्षेत्रों में जहां 7 जिले उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, टिहरी गढ़वाल, पौड़ी गढ़वाल, हरिद्वार और देहरादून आते हैं वहीं



कुमाऊं मण्डल में 6 जिले पिथौरागढ़, बागेश्वर, अल्मोड़ा, चंपावत, नैनीताल और उधम सिंह नगर शामिल हैं। कन्यालीकोट की 87 वर्षीय खनौती देवी कहती हैं कि जीवन के लगभग नौ दशकों में मैंने स्थानीय स्तर पर जितना विकास होते देखा उनका ही कुमाऊनी बोली और संस्कृति का ह्रास होते भी देखा है। एक जमाना था जब शादियों और तीज-त्योहारों में कुमाऊनी लोकगीत गाए जाते थे। लेकिन आज यह सब कम कहाँ देखने को मिलता है? आज जमाना बदल गया है। स्वयं मेरे पोता पोती कुमाऊनी बोलते हुए शर्माते हैं। वो लोग गीत को कहाँ से गाएंगे? जिन्हें बोली के आधार पर गढ़वाली और कुमाऊनी मंडल में बांटा गया है। गढ़वाली बोलने वाले क्षेत्रों में जहां 7 जिले उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, टिहरी गढ़वाल, पौड़ी गढ़वाल, हरिद्वार और देहरादून आते हैं वहीं वहीं दूसरी ओर कुमाऊनी बोलने के संबंध में नई पीढ़ी बहुत अधिक गंभीर नजर नहीं आती

हैं। स्थानीय बोली को छोड़ नई भाषा को अपनाती किशोरियां इस बारे में खुलकर बात करती हैं। 12वीं में पढ़ने वाली बैसानी की कुमारी पूजा का कहना है कि -मुझे कुमाऊनी बोलनी आती है। लेकिन यह बात सच है कि इसमें बात करना हमें ओल्ड फेशन लगता है और कई बार शर्म भी महसूस होती है। जब हम कहीं शहर जाते हैं और कुमाऊनी में बात करते है तो लोग हमें अजीब नजरों से देखते हैं उन्हें पता चल जाता है कि हम गाँव से आए हैं और फिर हमें ऐसा लगता है कि वो हमें गंवार समझ रहे हैं। वो हमें ऐसा समझे इसलिए हम हिंदी में ही बोलना ज्यादा पसंद करने लगे हैं। गाँव की एक अन्य किशोरी 17 वर्षीय ज्योति का कहना है कि -जैसे जैसे हम बड़े हो रहे हैं हमारी मानसिकता ऐसी बन गई है कि हमारे लिए हिंदी और अंग्रेजी ही दैनिक दिनचर्या के लिए जरूरी हो गया है। हम नई पीढ़ी यह मानती है कि जब हम नौकरा करने जायेंगे तो हमसे तो दूर, समझने में भी कठिनाई आएगी। मेरे दो पोता पोती हैं और दोनों प्रारंभिक स्कूल में पढ़ने जाते हैं। पढ़ना अच्छे बात है, लेकिन अपनी बोली को नहीं पहचानना गलत बात है। जब मैं उनसे कुमाऊनी में बात करती हूँ तो वे हंसेते हैं और बोलते हैं कि दादी क्या बोलती हो? हमें कुछ समझ में नहीं आता, हिंदी में बोलो हम से। मैं 70 साल की उम्र में हिंदी कहाँ से सीखूँ? जब मैं उनसे कुछ मांगती हूँ तो वह अपनी माँ को आवाज लगाते हैं कि दादी कुछ माँग रही है। नई पीढ़ी में कुमाऊनी बोली और संस्कृति के प्रति उदासीनता देखकर मुझे चिंता होती है। वहीं दूसरी ओर कुमाऊनी बोलने के संबंध में नई पीढ़ी बहुत अधिक गंभीर नजर नहीं आती

वर्षीय केदार सिंह कहते हैं कि एक समय था जब गाँव में केवल कुमाऊनी बोली जाती थी। स्कूलों में भी शिक्षक इसी में बच्चों को पढ़ाया करते थे। लेकिन आज नई पीढ़ी को कुमाऊनी बोलने में हिचक होती है। कहीं ना कहीं इसमें दोषी हम भी हैं। हम उनके साथ घर में कुमाऊनी में बात नहीं करते हैं। जबकि यह हमारी संस्कृति और हमारी पहचान है। मैं हमेशा से यही चाहता हूँ कि चाहे दुनिया के किसी भी कोने में हमारे बच्चे चले जाएँ, लेकिन वह अपनी भाषा को हमेशा इस्तेमाल करें और बोलें ताकि जहाँ भी जाएँ वहाँ हमारी पहचान कायम रहे। वहीं समाजसेवी ज्योति का विचार है कि कुमाऊनी बोली लाभप्रद सीमित हो चुकी है। नई पीढ़ी द्वारा इसे नाममात्र बोली जाती है। इसके लिए दो कारण विशेष रूप से जिम्मेदार हैं एक कुमाऊनी का लिपिबद्ध नहीं होना और दूसरा बड़ी संख्या में पलायन। ज्योति के अनुसार भाषा के रूप में कुमाऊनी साहित्य नाममात्र पढ़ने को मिलती है। जिसकी वजह से नई पीढ़ी तक इसे पहचाना नहीं जा सका है। वहीं गाँव से जो लोग शहरों की ओर पलायन कर चुके हैं अब उनके बच्चे कुमाऊनी बोलने से पूरी तरह वंचित हो चुके हैं। हालांकि मनोरंजन के रूप में ही सही, फिल्म इंडस्ट्री द्वारा कुमाऊनी में तैयार किये जाने वाले गाँवों ने नई पीढ़ी को इससे जोड़ने का काम जरूर किया है। लेकिन जब तक इसे भाषा और साहित्य के रूप में दर्जा नहीं मिलता है, किताने और किताने की भाषा को नई पीढ़ी तक पहुँचाना और इसे जिंदा रखना कठिन होगा। इसके लिए सामाजिक स्तर पर भी प्रयास करने की जरूरत है।

कश्मीर में दोबारा सिर उठाते आतंकवाद पर हो कड़ा प्रहार

जम्मू में सियासी, कठुआ और डोडा में चार दिनों में चार आतंकी हमले हुए हैं। रिवंवार को रियासी में श्रद्धालुओं से भरी बस के चालक पर हुए हमले के बाद बस अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई थी। जिसमें नौ श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। फिर कठुआ व डोडा में हुए आतंकी हमलों में एक जवान और दो आतंकवादी मारे गए हैं। इन घटनाओं में छह जवानों समेत पचास के करीब लोग घायल हुए हैं। कुल गिरफ्तारियों भी हुई और हथियार भी बरामद हुए हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए गुरवार को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक आनंद जैन के मुताबिक, पाकिस्तान जम्मू के माहौल को बिगाड़ कर धार्मिक यात्राओं में बाधा डालना चाहता है। आगले महीनों में जम्मू-कश्मीर विधायकसभा के चुनाव होने हैं, लिहाजा आतंकी घुसपैठ कर



रहे हैं। पाकिस्तान की ओर जाने वाला कोई अनधिकृत रास्ता है, जिसका इस्तेमाल आतंकी कर रहे हैं और हमारे सैन्य बल की गिरफ्त से बचे हुए हैं। अब भी 3-4 आतंकी डोडा के पास, एक समूह में, घूम रहे हैं। उन्हें जल्द ही ढेर कर दिया जाएगा। अचानक आतंकी हमले बढ़ने के मद्देनजर कुछ सवाल सटीक और गंभीर हैं। क्या पाक परस्त आतंकवाद कश्मीर घाटी से जम्मू के राजौरी, पुंछ, डोडा आदि क्षेत्रों में शिफ्ट हो गया है? क्या वहां के घने जंगल आतंकीयों की पनाहगाह हैं और वहां की पर्याप्त खुफिया सूचनाएं नहीं मिल पा रही हैं? क्या भारत में तीसरी बार मोदी सरकार बनने से पाकिस्तान, खुफिया एजेंसी आईएसआई और आतंकवादी गुट बौल्लाहट में हैं? पाकिस्तान को भारत की ओर से किसी मारक, प्रहारक हमले का डर, खौफ है? क्या मोदी सरकार आतंकी अड्डों को नेस्तनाबूद करने के लिए भी

हालांकि जम्मू में कोई 'स्थानीय आतंकवादी' नहीं है। यहां पाकिस्तान से आए आतंकी ही हमले कर रहे हैं। कठुआ का उदाहरण है कि आतंकीयों को स्थानीय लोगों ने पीने को पानी नहीं दिया और पुलिस को सूचना दे दी। नतीजतन आतंकी पकड़े और ढेर कर दिए गए। दरअसल अब आतंकी हमले उन इलाकों में हुए हैं, जहां कुछ साल पहले तक मान लिया गया था कि आतंकवाद का लगभग सफाया हो चुका है। यहां बीते 15-20 सालों के दौरान कोई बड़ा आतंकी हमला नहीं किया गया था, लेकिन बीते कुछ अंतराल में आतंकवादी दिखने लगे थे। वे ही हमले कर रहे हैं। बेशक 2019 में जम्मू-कश्मीर को लेकर सविधान में सुधार किए गए थे, उनसे स्थिति बेहतर हुई, आतंकवाद से जुड़ी आर्थिक गतिविधियों पर लगाम लगाई गई, लेकिन समस्याएं आज भी मौजूद हैं। कश्मीर में अलगाववाद और विभाजनकारी सोच आज भी बरकरार है। यह मानसिकता इसलिए खत्म नहीं हो सकी है, क्योंकि अनिर्णाय राजनीतिक विकल्प देने में हमारी व्यवस्था नाकाम रही है। बहरहाल जम्मू-राजौरी-पुंछ क्षेत्र में करीब एक दर्जन मुठभेड़ें हुई हैं, जिनमें 25 से अधिक आतंकी मारे गए, लेकिन सुरक्षा बलों के 20 से ज्यादा जवान भी 'शहीद' हुए हैं। शहादत का यह सिलसिला अभी जारी रहेगा, क्योंकि आतंकी गतिविधियों को आवाज देने वाला मजबूत खुफिया नेटवर्क अभी तैयार किया जा रहा है। राजौरी-पुंछ में घुसपैठिया आतंकीयों को 'स्थानीय मदद' है, जिसे चिह्नित कर लिया गया है।

आतंकी संगठन और उनके आका बौखलाए हुए हैं। इसलिए आतंकी सोची-समझी साजिश के तहत वारदातों को अजाम दे रहे हैं। इन घटनाओं में सीमा पार की शह तो जनाजिह्र है कि नही दिया और पुलिस को सूचना दे दी। नतीजतन आतंकी पकड़े और ढेर कर दिए गए। दरअसल अब आतंकी हमले उन इलाकों में हुए हैं, जहां कुछ साल पहले तक मान लिया गया था कि आतंकवाद का लगभग सफाया हो चुका है। यहां बीते 15-20 सालों के दौरान कोई बड़ा आतंकी हमला नहीं किया गया था, लेकिन बीते कुछ अंतराल में आतंकवादी दिखने लगे थे। वे ही हमले कर रहे हैं। बेशक 2019 में जम्मू-कश्मीर को लेकर सविधान में सुधार किए गए थे, उनसे स्थिति बेहतर हुई, आतंकवाद से जुड़ी आर्थिक गतिविधियों पर लगाम लगाई गई, लेकिन समस्याएं आज भी मौजूद हैं। कश्मीर में अलगाववाद और विभाजनकारी सोच आज भी बरकरार है। यह मानसिकता इसलिए खत्म नहीं हो सकी है, क्योंकि अनिर्णाय राजनीतिक विकल्प देने में हमारी व्यवस्था नाकाम रही है। बहरहाल जम्मू-राजौरी-पुंछ क्षेत्र में करीब एक दर्जन मुठभेड़ें हुई हैं, जिनमें 25 से अधिक आतंकी मारे गए, लेकिन सुरक्षा बलों के 20 से ज्यादा जवान भी 'शहीद' हुए हैं। शहादत का यह सिलसिला अभी जारी रहेगा, क्योंकि आतंकी गतिविधियों को आवाज देने वाला मजबूत खुफिया नेटवर्क अभी तैयार किया जा रहा है। राजौरी-पुंछ में घुसपैठिया आतंकीयों को 'स्थानीय मदद' है, जिसे चिह्नित कर लिया गया है।

पसमांदा तहरीक हिन्दुस्तानी मुसलमानों में जात पात की इम्तियाज के दरमियान मुताबिकृत

इंशा वारसी मुस्लिम मुआशरे के अंदर जात-पात के तअस्सुबात के मोहलिक नताइज को वाजेह करता है। इम्तियाजी सुलूक की दीगर मिसालों में मसाजिद में अलाहदगी, बाज मजबूती रसूमात की गह में रुकावट और आला जात के मुसलमानों की तरफ से तीहीन आमेज सुलूक शामिल हैं। ये वसीअ तअस्सुबात पसमांदा मुसलमानों की पसमांदगी को बरकरार रखते हैं और पसमांदा तहरीक की जरूरत पर रोशनी डालते हैं। पसमांदा मुसलमान अक्सर अपने आपको सबसे निचले समाजी-ओ-इंकिस्सादी तबके में पाए जाते हैं, जो मामूली, कम तनख्वाह वाली मुलाजमत्तों में मसरूफ हैं। उन्हें मेयारी तालीम, रोजगार के सन्वाके और सेहत की देख-भाल तक साहस है। पसमांदा मुसलमानों के लिए सियासी पसमांदगी एक और अहम चोलेज है। तारीखी तौर पर, सियासी मुाम्दगी ने अशरफ मुसलमानों की इम्तियादी की है, पसमांदा मुसलमानों को पालिसी साजी में कम से कम अशर-ओ-रसूख के साथ छोड़ दिया है। पसमांदा तहरीक का मकसद तालीमी इदारों और सरकारी मुसलमानों में ज्यादा सियासी नुमाइंदगी और रिजर्वेशन का मुतालिबा करके इस अदम वजाजुन को दूर करना है। पसमांदा तहरीक मुआसिर हिन्दुस्तान में एक नाजुक मोड़ पर कायम है, जो लाखों पसमांदा मुसलमानों के लिए वकार, मसावात और इन्साफ की जंग की अलामत है। चूँकि जात-पात की बुनियाद पर इम्तियाजी सुलूक के वाकैयात सामने आते रहते हैं, तहरीक की मुताबिकृत और उजलत नाकाबिल तरदीद है। वसीअ-तर हिन्दुस्तानी समाज बशमूल पालिसी साजो, मुआशरे के कायदीन और सरगर्म कारकुनों के लिए जरूरी है कि वो पसमांदा मुसलमानों को दरपेश नाइंसाफियों को पहचानें और उनका इजाला करें। सिर्फ इज्जतमाईं कोशिशों और हकीकी समाजी इस्ताहक के अन्म के जरिये ही हम नसली तअस्सुबात को खत्म करने और सब के लिए एक ज्यादा जामा और मसावी मुस्तकबिल की तामीर की उम्मीद कर सकते हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक तकदीस प्रतिया रिज्वी ने गुप-5 प्रकाशन, 55-बी, वजीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित करवाकर प्रथम तल, मस्जिद नूर मल्ल, साकेत पल्लवी, नरही, लखनऊ से प्रकाशित किया। किसी भी लेख में कोई विवाद के लिए 'अवधानामा' जिम्मेदार नहीं होगा, इसकी जिम्मेदारी लेखक की है। किसी भी समाचार के विवाद के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ ही होगा।

पोलिटिकल एडिटर : ए.एम. मोहसिन
स्थानीय संपादक
मोहम्मद आलम रिज्वी
RNI No UPHIN/2010/31173
टेली फैक्स नं. : 2288091, 4065716
avadhanamahindi@gmail.com,

विश्व रक्तदाता दिवस पर केएम हॉस्पिटल में 135 यूनिट ब्लड संग्रह

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। केएम सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में 14 जून (शुक्रवार) रक्तदाता दिवस को लेकर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन जिला पंचायत अध्यक्ष एवं केएम विवि के कुलाधिपति किशन चौधरी ने किया। इस मौके पर विवि एवं हॉस्पिटल के अधिकारी कर्मचारियों ने रक्तदान किया। शिविर में कुल 135 यूनिट ब्लड संग्रह हुआ। इस मौके पर श्री चौधरी ने कहा कि रक्तदान महदान है, लोगों को अपने जीवन में रक्तदान जरूर करना चाहिए। इससे आप किसी के जीवन को बचा सकते हैं, कहा कि पिछले साल भी केएम में रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ था और इस बार भी पूरे स्टाफ ने बढ़ चढ़कर इसमें भाग लिया है, ब्लड

केएम में हर साल की भांति इस बार भी हुआ रक्तदान, बढ़वृद्ध कर स्टाफ ने लिया हिस्सा

डोनेट करने वालों को फ्री हैलमेट दिया गया है।

केएम सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में रक्तदाता दिवस को लेकर आज रक्तदान शिविर लगाया गया। जिसका शुभारंभ सुबह 9 बजे से शुरू हुआ जो 5 बजे तक चला। शिविर का उद्घाटन जिला पंचायत अध्यक्ष एवं केएम विश्वविद्यालय के कुलाधिपति सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के चेयरमैन किशन चौधरी ने किया। सबसे पहला रक्तदान फरह कस्बे के झुण्डावई के ग्राम प्रधान प्रताप सिंह ने करते हुए दूसरों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। इस दौरान रक्तदान करने वाले डोनेरों को केएम विवि के



कुलाधिपति श्रीचौधरी ने नि:शुल्क हैलमेट तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। केएम मेडिकल कालेज एंड हॉस्पिटल के एडिशनल मेडिकल सुपरिटेण्डेंट डा. आरपी गुप्ता ने कहा कि साल में कम से कम तीन से चार बार रक्तदान कर सकता है। अगर स्वीच्छक रूप से लोग रक्तदान के लिए आगे आए तो ब्लड बैंक में खून की कमी नहीं होगी। कोई भी

स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान कर सकता है। रक्तदान शिविर में रक्तदान करने वाले हॉस्पिटल के समस्त स्टाफ और विवि के समस्त स्टाफ शामिल रहा। ब्लड डोनेट करने वालों में प्रमुख रूप से नरेश, दीपक कंसल, जसवंत बलद बैंक सुपरवाइजर, सतेन्द्र चौधरी, गिरीश सहित सैकड़ों अधिकारी और कर्मचारियों आदि शामिल रहे। 14 जून को विश्व में

रक्तदाता दिवस के रूप पूरे देश में मनाया जाता है। इसी क्रम में मथुरा जिले में रक्त के लिए काम कर रही संस्था रक्तदाता फाउंडेशन द्वारा एक रक्तदान शिविर वृंदावन रामकृष्ण मिशन हॉस्पिटल वृंदावन में आयोजित किया गया। जिसके लोगों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। प्रेम मंदिर व्यापार मंडल का इसमें विशेष सहयोग रहा। आज मुख्य अतिथि के रूप में एसपी ट्रैफिक देवेश कुमार शर्मा ने बताया कि ये एक बहुत ही नेक और जरूरी काम है, जब कोई एक्सिडेंट या बड़ी दुर्घटना होती है तब रक्त की अत्यंत आवश्यकता होती है तब रक्तदान शिविरों से एकत्रित रक्त से ही लोगों को रक्त उपलब्ध होता है गोपाल खंडेलवाल ने बताया कि आज के शिविर में कुल 55 यूनिट रक्तदान हुआ साथ ही संस्था द्वारा एक रक्तदान शिविर मथुरा स्थित

सद्भावना ब्लड बैंक में भी आयोजित किया जा रहा है जिसमें कुल 42 यूनिट रक्तदान हुआ। रक्तदाता फाउंडेशन के कॉर्डिनेटर गोविंद खंडेलवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि संस्था द्वारा समय समय पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है। आज रक्तदाताओं का दिन है, इस दिन रक्तदान कर हम इस दिन को यादगार बनाना चाहते हैं, ताकि लोग रक्तदान के प्रति जागरूक हो और किसी भी जरूरतमंद के लिए रक्तदान करे। प्रिंस खंडेलवाल, राहुल खंडेलवाल, धनेन्द्र अग्रवाल, बाबी भैया एवं धीरेन्द्र कुमार द्वारा सभी रक्तदानियों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। मुख्य रूप से सीतीश, श्रवण कुमार, बलराम सिंह, अमन, सुमित गौतम, विकास अग्रवाल, जितेंद्र ठाकुर, आदि लोगों ने रक्तदान किया।

एस एस पी ने पुलिस लाइन में परेड की सलामी ली

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। शुक्रवार की परेड के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन स्थित परेड ग्राउंड पर परेड की सलामी ली गई सलामी ग्रहण करने के उपरांत उन्होंने पुलिस बल को वीइ कराई एवं टोली बार परेड ड्रिल का निरीक्षण करते हुए आरक्षियों को परेड ड्रिल के संबंध में जानकारी देते हुए शस्त्र को खोलने व जोड़ने का अभ्यास कराया गया, तत्पश्चात, यूपी 112 पीआरवी बाहनों तथा परेड में सम्मिलित समस्त थाना प्रभारियों, थानाध्यक्षों की गाड़ियों का निरीक्षण कर उनमें एंटी राइट इन्क्विपमेंट, मेडिकल किट एवं बांडी प्रोटेक्टर आदि की उपलब्धता के बारे में जानकारी करते हुए संबंधित को पीआरवी के मानक के अनुसार समस्त



आवश्यक उपकरणों को अपने पास रखने व उनके सुव्यवस्थित रखरखाव के लिए निर्देशित किया गया। इसके उपरांत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने रिजर्व पुलिस लाइन जौड़ी कार्यालय, डायल 112 कार्यालय, पुलिस कंट्रोल रूम, शस्त्रगार, डीसीआर कार्यालय, बैक, आटा चक्की व तेल कोल्ड एवं पुलिस भोजनालय का निरीक्षण कर संबंधित को साफ सफाई के लिए सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिया।

अपना ही घर बनवाने के लिए दर-दर की ठोकर खा रहा है पींडित, जनता दर्शन में लगाई न्याय की गुहार

सुल्तानपुर। पूरा मामला कादीपुर तहसील के अंतर्गत नूरपुर बानकेगांव का है, गांव के रहने वाले राजकुमार पुत्र लालजी विश्वकर्मा ने जनता दर्शन में शिकायत की, कि उनके ही गांव के रहने वाले बाबुराम वर्मा पुत्र नारायण वर्मा ने राजकुमार के घर जा कर निर्माण कर रहे राजकुमार को निर्माण से रोक दिया। उसने उन लोगों से मारपीट भी किया जिसकी शिकायत कादीपुर थाने में एनसीआर दर्ज किया गया है। राजकुमार ने जनता दर्शन में शिकायत किया कि उनके रहने के लिए कोई जगह नहीं है। पूरे परिवार खुले आसमान के नीचे रहे को मजबूर है। कादीपुर से न्याय न मिलता देख राजकुमार आज जनता दर्शन पहुंच कर सुल्तानपुर डीएम से शिकायत की अब देखेंगे लालक बंद होगा कि सुल्तानपुर की डीएम राजकुमार को किना इसाफ दिलवाने में कामयाब होती है।

प्रशासन की छत्र छाया में मठ मंदिरों की जमीन पर भू माफियाओं कर रहें कब्जे

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। थाना जैत इलाके में मंदिर की वेश कीमती जमीन पर विवाद जारी था जिसे एसडीएम छत्ता की कोर्ट में मामला भी विचारधीन है, कई बार भूमाफियाओं द्वारा जमीन पर कब्जे की कोशिश की गई जिसमें पूर्व में खड़े हरे पेड़ों में आग तक लगा दी मंदिर के महंत द्वारा कई बार एसडीएम छत्ता को मामले में निष्पक्ष कार्यवाही करने की मांग की पर एसडीएम छत्ता द्वारा भूमाफियाओं की कार गुजारी पर आखों पर पट्टी बाध कर गांधारी की भूमिका अदा की जा रही है।

मामला मथुरा के जैत इलाके के आझाई चौकी का रहा है। कल आझाई चौकी से कुछ बर्दांधारी कर्मी प्राइवेट गाड़ियों में सवार हो विवादित जमीन में दाखिल हुए उसके पश्चात कानूनगो और पटवारी भी मौके पर पहुंचे। मंदिर पक्ष को जब सूचना मिली तो मंदिर

तु तेरे पते भी नही पड़ेंगे कि कहा गया मथुरा जिला प्रशासन से लेकर इलाके के मंत्री तक हमारे लोह है सबको इस जमीन का प्रसाद पहुंच गया है कोई तेरे काम नही आयेगा। वहा से निकलने के बाद एसडीएम छत्ता को कई बार कॉल कर अवगत कराने की कोशिश की पर एसडीएम छत्ता द्वारा कोई रिस्पांस नही दिया गया। इस प्रकार की घटनाएं ही भूमाफिया के लोग सक्रिय हो कर हथियारों को लहराते हुए मंदिर महंत की ओर लपकने लगे बढ्ती मुश्किल से महंत ने हथ से निकल कर अपनी जान बचाई भू माफियाओं के लोगो द्वारा मंदिर महंत को इस कदर धमकाया की अगर कही शिकायत की

तो तेरे पते भी नही पड़ेंगे कि कहा गया मथुरा जिला प्रशासन से लेकर इलाके के मंत्री तक हमारे लोह है सबको इस जमीन का प्रसाद पहुंच गया है कोई तेरे काम नही आयेगा। वहा से निकलने के बाद एसडीएम छत्ता को कई बार कॉल कर अवगत कराने की कोशिश की पर एसडीएम छत्ता द्वारा कोई रिस्पांस नही दिया गया। इस प्रकार की घटनाएं ही भूमाफिया के लोग सक्रिय हो कर हथियारों को लहराते हुए मंदिर महंत की ओर लपकने लगे बढ्ती मुश्किल से महंत ने हथ से निकल कर अपनी जान बचाई भू माफियाओं के लोगो द्वारा मंदिर महंत को इस कदर धमकाया की अगर कही शिकायत की

मनरेगा: मूत भाई की जगह नौकरी करने का आरोप

मथुरा। बलदेव विकास खंड में तैनात ग्राम रोजगार सेवक पर ग्रामीणों ने फर्जीबाड़े का आरोप लगाया है। मुख्य विकास अधिकारी व बीडीओ के पास शिकायत लेकर पहुंचे ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम रोजगार सेवक अपने मूत भाई की जगह नौकरी कर रहा है। मामला राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना से जुड़ा है।

मामले की शिकायत लेकर पहुंचे नगला मथुरिया गांव निवासी रामबाबू, अंगद सिंह, अजीत कुमार, राम खिलौना का आरोप है कि विकास खंड में ग्राम रोजगार सेवक के पद पर तैनात व्यक्ति फर्जीबाड़ा कर रहा है। 2007 में एकसीटेंड में उसके भाई वीरेंद्र सिंह की मृत्यु हो चुकी है। जबकि उक्त व्यक्ति फर्जी तौर से वीरेंद्र सिंह बनकर ग्राम रोजगार सेवक की नौकरी कर रहा है।

वीरेंद्र सिंह के नाम से सरकार से वेतन प्राप्त कर रहा है। शिकायत करने वाले ग्रामीणों ने अधिकारियों से वीरेंद्र सिंह की पोस्टमार्टम रिपोर्ट की कॉपी भी दिखाई है।

इमाम मो. बाकिर को इल्म में महारथ हासिल थी: मौलाना जैदी

नौचंदी जुमेरात पर हुआ मजलिसों का आयोजन

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। नौचंदी जुमेरात के अवसर पर दरगाह मौला अब्बास अलमदार महेरे और घंटिया अज्मत अली स्थित इमामबाड़े और पांचवें इमाम की शहाहत पर मस्जिद पंजतनी में मजलिसों का आयोजन किया गया। मजलिसों में तकरोर करते हुए मौलाना अनवारुल हसन जैदी इमामे जुमा इटावा ने कहा मुसलमानों को हर काम छोड़कर जुमे की नमाज अदा करनी चाहिए जुमे की नमाज की बहुत बड़ी एहमियत है साथ ही रोजाना की नमाजें भी पढ़ें। जिह्लिज्जा के इस महीने में मौला अली और शहजादी फतिमा जहरा की शादी हुई, इसी महीने में इंदुल अजहा(बकरीद)भी है जिसमें



मुसलमान अल्लाह की राह में कुबनियों पेश करते हैं। एहलेबैत चाहते हैं मेरे गम मनाओ लेकिन परदे का ख्याल रखें। इमाम हुसैन के भाई और मौला अब्बास के बहनोई मुस्लिम इब्ने अकील इमाम हुसैन के सफीर के रूप में कूफे गए तो उन्हें कूफे में उन्हें धोखा देकर शहीद कर दिया गया। कर्बला में 5 इमाम हुसैन की 4 साल की बेटे की यतीम कर दिया गया और 6 माह के बेटे अली असगर को प्यासा शहीद कर दिया गया। पांचवें इमाम मोहम्मद

बाकिर अ.स.को इल्म में महारथ हासिल थी उन्होंने फरमाया है मेरे चाहने वालो इल्म हासिल करना चाहिए और बच्चों को भी इल्म हासिल कराओ। पांचवें इमाम कर्बला में 5 वर्ष के थे इमामो ने तमाम मुसीबतों को कर्बला में देखा। इमाम को कर्बला में कैदी भी बनाया गया इमाम ने कर्बला से शाम तक मुसीबतें बदरस्त कीं। इमाम मोहम्मद बाकिर को 57 साल की उम्र में मदीने में बादशाह ने साजिश के तहत जहर से शहीद करा दिया गया।

आयुष्मान के अधिक से अधिक कार्ड बनाने पर जोर

मथुरा। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग बैठक संपन्न हुई। जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह ने मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. अजय कुमार वर्मा को निर्देश दिये कि मरीजों को उल्कट स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराएं। जिले के समस्त स्वास्थ्य केंद्रों पर पर्याप्त साफ सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करें। अस्पतालों में आने वाले मरीजों एवं उनके साथ आने वाले तीमारदारों के बैठने, पंखे, पेयजल एवं प्रसाधन के बेहतर से बेहतर प्रबंध किए जाए। सीएमओ को निर्देशित किया गया की कन्या सुमंगला योजना के अंतर्गत अधिकाधिक परिवारों को लाभान्वित करे, कन्या के जन्म होते ही उनका रजिस्ट्रेशन कराएं। समस्त पीचर्सी एवं उम्र सेन्द्र स्तर पर स्थापित हेल्थ एण्ड वेलनेस मंडी को किन्डरशिल कर अधिक से अधिक लोगों को ई सजीवनी ओपीडी से आच्छादित किया जाए।

रक्तदान का जश्न मनाने के हुए 20 साल धन्यवाद रक्तदाता

- धीम पर मनाया गया विश्व रक्तदाता दिवस
- रक्तदान सामाजिक जिम्मेदारी है: कुलपति
- यूपीएमएस में 23 यूनिट हुआ रक्तदान

वहाज अली निहाल

इटावा, सैफई। उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय के ब्लड ट्रान्सफ्यूजन विभाग में शुक्रवार को कुलपति प्रो. डॉ. प्रभात कुमार ने रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया और इस अवसर पर कहा कि रक्तदान करना हम सबकी एक सामाजिक जिम्मेदारी है जिससे लाखों लोगों की जान बचाई जा सकती है इसीलिए इस दिन में सभी सहयोगी संस्थाओं को धन्यवाद कहना चाहता हूँ जिन्होंने



बढ़-चढ़कर रक्तदान किया। आयोजित रक्तदान शिविर में 23 लोगों ने रक्तदान किया। ट्रान्सफ्यूजन मेडिंस विभागाध्यक्ष डॉ. आदित्य शिवहरे ने बताया कि विश्व रक्तदाता दिवस की 20 वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है इस वर्ष इस दिवस की थीम है 20 इयर आफ सेलेब्रेंटिंग गिविंग थैक यू ब्लड डोनेर्स इस दिवस को मनाने

का प्रमुख उद्देश्य है युवा लोगों और आम जनता के बीच नियमित रक्तदान की संस्कृति को बढ़ावा दिया जाए जिससे स्वीच्छक रक्तदान के लिए लोग आगे आएं उन्होंने बताया कि ब्लड बैंक द्वारा मार्च 2023 से अप्रैल 2024 तक लगभग एक हजार यूनिट रक्त(विदाउट एक्सचेंज) जरूरतमंदों को दिया गया। विश्व रक्तदाता दिवस

योग सप्ताह 15 जून से 21 जून तक मनाया जाएगा: डीएम

शारदा फॉर्म भरथना। रक्तदान कर रक्तदाताओं ने खुशी जताई 18 बार रक्तदान करने वाले यूपीएमएस देविनकल ऑफिसर सलमान ने कहा कि रक्तदान करने के बाद जो खुशी मिलती है उसको शब्दों में बयान नहीं कर सकता इसीलिए मैं बार-बार रक्तदान करता हूँ। फर्मिस्ट यशपाल ने पांचवीं बार रक्तदान करने के बाद कहा मुझे रक्तदान के बाद बहुत ही स्मृति महसूस होती है और मुझे अच्छे महसूस होता है इसीलिए जब भी मौका मिलता है रक्तदान करता हूँ। कार्यक्रम के अंत में डॉक्टर अरविंद ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया व कार्यक्रम का सफल संचालन सीएमएस डॉ. श्रेता चौधरी ने किया कार्यक्रम में गरिमायुष उपस्थित प्रति कुलपति डॉ. रमाकांत चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एसपी सिंह, डॉ. पुष्पेंद्र उपस्थित रहे।

योग सप्ताह 15 जून से 21 जून तक मनाया जाएगा: डीएम

शारदा फॉर्म भरथना। रक्तदान कर रक्तदाताओं ने खुशी जताई 18 बार रक्तदान करने वाले यूपीएमएस देविनकल ऑफिसर सलमान ने कहा कि रक्तदान करने के बाद जो खुशी मिलती है उसको शब्दों में बयान नहीं कर सकता इसीलिए मैं बार-बार रक्तदान करता हूँ। फर्मिस्ट यशपाल ने पांचवीं बार रक्तदान करने के बाद कहा मुझे रक्तदान के बाद बहुत ही स्मृति महसूस होती है और मुझे अच्छे महसूस होता है इसीलिए जब भी मौका मिलता है रक्तदान करता हूँ। कार्यक्रम के अंत में डॉक्टर अरविंद ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया व कार्यक्रम का सफल संचालन सीएमएस डॉ. श्रेता चौधरी ने किया कार्यक्रम में गरिमायुष उपस्थित प्रति कुलपति डॉ. रमाकांत चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एसपी सिंह, डॉ. पुष्पेंद्र उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के गांव का जल्द बनेगा रास्ता: ब्लाक प्रमुख बृजेश

जौनपुर (खुटहन) स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय बामदेव शास्त्री के गांव में बरसात से पहले जल्द बनेगा सीसी रोड उक्त बातें ब्लाक प्रमुख बृजेश यादव ने ग्रामीणों से मुलाकात कर कहा लवायन गांव निवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के पैतृक गांव का रास्ता सात दशक से नहीं बन सका। गांव में नाली नाला न बनने से बरसात में कच्ची सड़क डूब जाती है चौरसिया बस्ती में लोगों के घरों में पानी पहोंच जाता है जिसके कारण ग्रामीणों को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ता है यह हाल जिला मुख्यालय से लगभग पच्चीस किमी पश्चिम व ब्लाक से सात किमी उत्तर दिशा में स्थित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के जन्म स्थली लवायन गांव का है यहां लवायन गांव के विद्यालय तक सड़क तो पहुंची है लेकिन महज पांच सौ मीटर दूर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के पैतृक आवास को छोड़ दिया गया अनाल बगल दो दर्जन रिहायशी घर बनें हुए हैं रास्ता न होने से सभी लोग परेशान रहते हैं इसकी शिकायत उच्चाधिकारियों व ग्राम प्रधान से लोगों ने कयी बार किया लेकिन किसी के कान पर जूँ तक नहीं रेंगी। ब्लाक प्रमुख बृजेश यादव ने कहा अगले सप्ताह में रास्ता का काम सुरु करा दिया जाएगा।



योग सप्ताह 15 जून से 21 जून तक मनाया जाएगा: डीएम

सभी तैयारियां समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। जिलाधिकारी अरविश राय की अध्यक्षता में योग दिवस की तैयारियों के संबंध में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने अवगत कराया कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को मनाया जाएगा तथा योग सप्ताह 15 जून से 21 जून तक मनाया जाएगा। उन्होंने सभी तैयारियां समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि इस वर्ष दसम अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा तथा इसकी थीम 'हर घर-आंगन योग' है। उन्होंने कहा कि आमजन को योग अपनाने के लिए प्रेरित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री की प्रतिपा तथा मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के मार्गदर्शन में भारत की परंपरागत विरासत योग को



जन्म-जन्म के आरोग्य का माध्यम बनाए जाने के उद्देश्य से 21 जून को प्रत्येक वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि योग सप्ताह 15 जून से प्रारंभ होकर 21 जून तक मनाया जाएगा। इसके अंतर्गत ग्राम पंचायत स्तर, ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने इस आयोजन के सफल संचालन के लिए साफ सफाई, पेयजल, पाकिंग आदि सहित विभिन्न व्यवस्थाओं पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि योग सप्ताह और अंतरराष्ट्रीय योग दिवस में भाग लेने वाले प्रतिभागियों

की फोटो एवं प्रतिभागियों की संख्या का विवरण आयुष्म क्वच ऐप पर व वेबसाइट यूपी आयुष्म सोसायटी डॉट कॉम पर अपलोड किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर 21 जून को योग दिवस नुमाइश पंडाल में मनाया जाएगा साथी साथ उन्होंने यह भी अवगत कराया की योग दिवस का कार्यक्रम प्रत्येक दिन अलग-अलग जगहों पर कराया जाएगा वहां पर योगा टेपर की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी अजय कुमार गौतम, एसपी ग्रामीण सत्यपाल सिंह, एसपी सिटी अभय नाथ त्रिपाठी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी गीता राम, जिला विद्यालय निरीक्षक मनोज कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. राजेश कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी बनवारी सिंह, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद विनय मणि त्रिपाठी, आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारिण उपस्थित रहे।

जमीन कारोबारी पर हथियारों से जानलेवा हमला

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। गुरुवार देर शाम वर्णी कॉलेज के पास स्कूटी सवार जमीन कारोबारी पर बाइक सवार तीन अज्ञात बदमाशों ने भारी हथियारों से जानलेवा हमला कर दिया। घनी आबादी के बीच घटित इस घटना से आसपास के लोग स्तब्ध रह गये। आनन-फानन में घायल जमीन कारोबारी को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। सूचना मिलने पर अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार व क्षेत्राधिकारी सदर अभय नारायण राय ने अस्पताल पहुंच कर घायल से जानकारी ली। जमीन कारोबारी व

उसके परिजनों ने पूर्व राज्यमंत्री व उनके पुत्र समेत बाइक सवार तीन अज्ञात लोगों पर षडयंत्र पूर्वक हत्या करने के प्रयास का पूर्ण आरोप लगाया है। वहीं देर रात भारी पुलिस बल ने पूर्व राज्यमंत्री के सिविल लाइन स्थित घर पहुंच कर पूछताछ के लिए कोलावली ले आये, जहां पूछताछ के बाद उन्हें देर रात ही छोड़ दिया गया। हालांकि पुलिस ने पूर्व राज्यमंत्री विरेंद्र सिंह बुन्देला, उनके पुत्र पवन सिंह बुन्देला व दो बाइक पर सवार तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। गौरतलब है कि विगत 9 जून को

घाटलावस्था में अस्पताल भेजा गया, एएसपी व सीओ ने की पूछताछ

पूर्व राज्यमंत्री व उनके पुत्र समेत तीन बाइक सवारों पर एफआईआर दर्ज

मारे की धमकी दी थी। एसपी के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने विरेंद्र सिंह बुन्देला, पवन सिंह बुन्देला के खिलाफ धारा 323, 504, 506 के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी थी। इस घटना के चार दिन गुजने के पश्चात गुरुवार देर रात वर्णी कॉलेज के मुख्य घर मोड पर दो बाइकों पर सवार तीन लोगों ने भारी-भरकम हथियारों से लैस होकर अतुल जैन पर जानलेवा हमला कर दिया। जान से मारने की नीयत से किये गये इस हमले में अतुल जैन के सिर में गंभीर चोट आयी हो वहीं उसका एक हाथ भी टूट गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बताया जा रहा है कि

हमलावर अतुल जैन को जान से मारने की नीयत से ही प्रहार कर रहे थे, लेकिन लोगों की भीड़ एकत्र होने और चीख-पुकार मचने के बाद हमलावर भाग खड़े हुये। आनन-फानन में अतुल जैन को उपचार के लिए जिला अस्पताल में दाखिल कराया गया, जहां जमीन कारोबारी अतुल जैन से घटना की जानकारी लेने के लिए एसपी अनिल कुमार व क्षेत्राधिकारी सदर अभय नारायण राय भी पहुंचे। अस्पताल में मीडिया से बात करते हुये जमीन कारोबारी ने पूर्व राज्यमंत्री विरेंद्र सिंह बुन्देला, उनके पुत्र पवन सिंह बुन्देला पर षडयंत्र कर दो बाइक पर सवार तीन लोगों को

भेजकर जान से मारने की नीयत से हमला कराने का आरोप लगाया। जानकारी के बाद पुलिस ने दलबल के साथ सिविल लाइन स्थित पूर्व राज्यमंत्री विरेंद्र सिंह बुन्देला के आवास पहुंच कर उन्हें पूछताछ के लिए कोलावली ले आये, जहां से देर रात उन्हें छोड़ दिया गया। पुलिस ने जमीन कारोबारी अतुल जैन के भाई मनोज जैन की तहरीर पर विरेंद्र सिंह बुन्देला पुत्र उदल सिंह बुन्देला, पवन सिंह बुन्देला पुत्र विरेंद्र सिंह बुन्देला व दो बाइक पर सवार तीन बाइक सवारों के खिलाफ धारा 323, 307, 506 व 120बी के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

काम करता है। विश्व रक्तदान दिवस के मौके पर डॉक्टर राघवेंद्र सोनकर ने रक्तदान करने के आमजनमानस में संदेश दिया है कि डॉक्टरों रेगियों का इलाज करके उनके अनमोल जीवन को बचाने का प्रयास तो करते ही है, साथ ही रक्तदान करके भी किसी भी रोग असह्य और जरूरतमंद के जीवन को बचाने की एक और कोशिश में अपना योगदान करते हैं। डॉक्टर राघवेंद्र सोनकर स्वशासी राजकीय मेडिकल कालेज व जिला चिकित्सालय में तैनात होमियोपैथी चिकित्साधिकारी की रूप में तैनात हैं। डॉक्टर राघवेंद्र सोनकर ने पहली दूसरी तीसरी बार नहीं है। जानकारी 15वीं बार रक्तदान किया है। रक्तदान करने के बाद मीडिया से बात करते हुए डॉक्टर राघवेंद्र सोनकर ने कहा कि पहिलत सर्पिस धर्म नहीं भाई, पर पीड़ा सम नहीं अधमाई यानी दूसरे के भलाई के समान कोई धर्म नहीं, और दूसरे को दुःख पहुंचाने के समान कोई अधर्म यानी पाप नहीं है। जानकारी के मुताबिक डॉक्टर राघवेंद्र सोनकर मानवता की मिशाल पेश करते हुए जरूरत मन्दो को डोनेर न उपलब्ध होने की स्थिति में स्वयं से रक्तदान करके उन्हें जीवन जैसा महदान करने का काम किया है। हैवही डॉक्टर राघवेंद्र सोनकर के 15वें रक्तदान पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर एमके गोपाल वरिष्ठ समाजसेवी अशोक सिंह सहित अन्य आमजनमानस के साथ साथ मेडिकल स्टाफ मौजूद रहे।

जिद्दी से जिद्दी पेट की चर्बी होगी दूर, इस तरह से पिएं लहसुन का पानी

आज के समय में फिट और हेल्थी रहना जरूरी है। भागदौड़ भारी लाइफस्टाइल के चलते गलत खानपान की वजह से पेट की चर्बी बढ़ने लगती है। पेट की चर्बी की वजह से कई बार आत्मविश्वास कम हो जाता है, वहीं खूबसूरती में भी रुकावट बनती है। एक बार पेट की चर्बी बढ़ जाए तो आसानी से नहीं खत्म होती। जिस वजह से कई बार हम सभी स्ट्रेस में आ जाते हैं, तो चिंता छोड़िए आज से ही लहसुन का पानी पीना शुरू कर दें, सेहत के साथ-साथ पेट की चर्बी भी होगी दूर।

लहसुन के पानी के फायदे
आयुर्वेद में लहसुन को सबसे बेहतरीन औषधि मानी जाती है। सेहत के लिए लहसुन का पानी पीना



काम्य फायदेमंद होता है। इससे मोटापे की समस्या भी दूर होती है। लहसुन में एंटीबैक्टीरियल, एंटीसेप्टिक, मैंगनीज, विटामिन

बी6, विटामिन सी, सेलेनियम, फाइबर, कैल्शियम, कॉपर, पोटेशियम, आयर्न आदि होता है, जो वजन घटाने में मदद करता है।

सेहत को मिलते हैं लाभ
हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक, लहसुन का पानी सुबह के समय पीने से कई चमत्कारिक फायदे

मिलते हैं। इसके ने सेवन मात्र से ही कई कमाल दिखने लगते हैं। अगर आपको अपना वजन कम करना है तो लहसुन का पानी बहुत ही फायदेमंद साबित हो सकता है। खाली पेट लहसुन का पानी पीने से पेट की चर्बी को भी कम करने में मदद मिलती है।

इस तरह से पिएं लहसुन का पानी दरअसल, लहसुन के फायदे ज्यादातर सभी जानते हैं, हालांकि कई लोग इसके सेवन का सही तरीका नहीं जानते हैं। पेट की चर्बी कम करने के लिए लहसुन को गर्म पानी में डालकर पीना चाहिए।

ओवरड्रिंटिंग से बचाव
अगर आप लहसुन का पानी पीते हैं, तो आपका पेट लंबे समय तक भरा रहेगा और आप खुद को

ओवरड्रिंटिंग से बचा पाएंगे। जब आप अनहेल्दी चीजों को कम खाएंगे तो वजन अपने आप आसानी से कम हो जाएगा। वहीं, बॉडी को डिटॉक्स करने के लिए लहसुन की ड्रिंक का सेवन करना सबसे बढ़िया है। लहसुन का पानी पीने से शरीर की सारी गंदगी बाहर निकल जाती है।

इसका ज्यादा सेवन न करें। गर्मी के दौरान याद रखें कि लहसुन का ज्यादा सेवन करने से बचना चाहिए। अगर आप ऐसा करेंगे तो स्वास्थ्य संबंधी कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। अगर आपको पेट में गैस बनती है, तो उन्हें लहसुन कम खाना चाहिए। वरना पेट से संबंधित रोगों का सामना करने पड़ सकता है।

गर्मियों में ऐसे रखें अपनी सेहत का ख्याल, वरना बढ़ सकती है बीपी और ब्लड सुगर की समस्या



मई-जून के महीने में गर्मी अपने पूरे चरम पर है, हर रोज गर्मी का सितम बढ़ता जा रहा है। चिलचिलाती धूप और लू ने लोगों का हाल बेहाल कर दिया है। इतनी भीषण गर्मी में लोगों का घर से निकलना तक मुश्किल हो गया है। मौसम विभाग की मानें, तो गर्मी के तेवर अभी तीखे ही रहने वाले हैं। इसलिए इस मौसम में अपनी सेहत का खास ख्याल रखने की जरूरत है। खासकर गर्मी में हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज के मरीजों को अपनी सेहत के प्रति अधिक सावधान रहने की जरूरत है।

क्योंकि जरा सी लापरवाही से गर्मी के मौसम में ब्लड शुगर तेजी से बढ़ सकता है। वहीं शरीर में पानी की कमी होने पर ब्लड शुगर पर तेजी से असर पड़ सकता है। गर्मी के मौसम में ब्लड प्रेशर और बढ़ने खतरा बना रहता है। ऐसे में जरूरी है कि आप शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन बिगाड़ने दें। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताते जा रहे हैं कि गर्मियों में हाई बीपी और शुगर के मरीजों को किन बातों का खास ख्याल रखना चाहिए।

इन बातों का रखें खास ध्यान
हर रोज अपने ब्लड शुगर लेवल की जांच कराएं, जिससे कि शुगर लेवल को कंट्रोल किया जा सके।

गर्मी से बचने के लिए रोजाना नींबू पानी का सेवन करना चाहिए। इससे बीपी और ब्लड शुगर लेवल दोनों कंट्रोल में रहते हैं। आप चाहें तो नींबू पानी में चीनी और नमक मिला सकते हैं। सिर्फ गर्मी ही नहीं बल्कि किसी भी मौसम में हेल्दी रहने के लिए मौसमी फल और सब्जियों का सेवन करते रहें। इससे हमें नेचुरल रूप से पानी मिलता रहता है और शरीर हाइड्रेट रहता है।

गर्मियों में टमाटर का सेवन फायदेमंद होता है। लेकिन किडनी की बीमारी वाले व्यक्तियों को टमाटर का सेवन नहीं करना चाहिए।

कई बार अधिक गर्मी की वजह से कमजोरी महसूस होने लगती है। तो ऐसे में आप सत्तू का सेवन कर सकते हैं। आप चाहें तो इसको बिना नमक या चीनी के पी सकते हैं।

गर्मियों में खुद को लू से बचना बहुत जरूरी होता है। इसलिए लू से बचने के लिए जरूरी काम होने पर ही घर से निकले, लगातार पानी पीते रहें और खुद को ढककर बाहर निकलें।

अगर आपको या आपके किसी जानने वाले को लू लग गई है, तो बिना देर किए डॉक्टर की सलाह लें। क्योंकि जरा सी लापरवाही से समस्या बढ़ सकती है।

पेट की जलन को शांत करने में कारगर हैं ये 5 मसाले, ऐसे करें डाइट में शामिल



दिन पर दिन बढ़ती गर्मी की वजह से सभी लोगों का हाल-बेहाल है। खुद को गर्मी से बचाने के लिए हम खुद को ठंडा रखने की कोशिश करते हैं। खुद को ठंडा रखने के लिए तरह-तरह के ड्रिंक्स, ठंडी चीजों और न जाने क्या-क्या खाते हैं। इसके साथ ही गर्मी में ज्यादा मसाले खाने से परहेज करते हैं। जिससे कि पाचन बेहतर रह सके और हमारे शरीर का तापमान भी न बढ़ सके। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ मसाले ऐसे भी होते हैं, जो हमारे शरीर को ठंडा रखने में सहायक होते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उन मसालों के बारे में बताते जा रहे हैं, जिनकी सहायता से आप अपने शरीर को ठंडा रख सकते हैं।

इसकी कूलिंग प्रॉपर्टीज आपको ठंडा रखता है। गर्मी के मौसम में कच्चा चबाकर, दूध में मिलाकर या मीठी डिश में डालकर इसको खाना चाहिए।

सौंफ
सौंफ का अधिकतर सेवन माउथ फ्रेशनर की तरह किया जाता है। यह पाचन में भी फायदेमंद होती है। गर्मियों में अक्सर लोगों को पाचन संबंधी समस्या होती है। यह इस समस्या को कम करने में सहायक होता है। साथ ही सौंफ ब्लोटिंग और गैस की समस्या को भी कम करता है। आप सौंफ का सेवन पानी में उबालकर इसका सेवन कर सकते हैं या फिर इसको साबुत भी खा सकते हैं।

धनिया
अक्सर हम सभी खाने को गर्मिश करने के साथ चटनी बनाकर खाते हैं। धनिया खाने का स्वाद बढ़ाती है और यह सभी को पसंद आती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह स्वाद को बढ़ाने के साथ पाचन के लिए भी फायदेमंद है। इसके सेवन से शरीर को ठंडक मिलती है और आप इसको चटनी बनाकर या खाने में मसाले के तौर पर खा सकते हैं।

मेथीदाना
मेथीदाना खाने में एक अलग स्वाद को जोड़ने का काम करती है। यह आपके शरीर को ठंडक देता है और इसको अपनी डाइट में शामिल करने से गर्मी से राहत मिलती है। आप चाहें तो मेथीदाने को पानी में उबालकर इस पानी को पी सकते हैं या इसको अपने खाने में शामिल कर सकते हैं।

जैरा
खाने में इस्तेमाल होने वाले मसालों में जैरा का नाम सबसे ऊपर आता है। जैरा न सिर्फ खाने का स्वाद बढ़ाता है, बल्कि यह हमारे पाचन को भी दुरुस्त रखता है और पेट को ठंडा रखता है। गर्मियों में इस मसाले का सेवन करना फायदेमंद होता है। इसको आप पानी में उबालकर भी पी सकते हैं और बॉडी डिटॉक्स में भी सहायक होता है।

इलायची
हम कई डेजर्ट्स में और माउथ फ्रेशनर की तरह इलायची का इस्तेमाल करते हैं। यह खाने की खुशबू और फ्लेवर को बढ़ाती है और गर्मियों में इसका सेवन करने से शरीर ठंडा रहता है। यह पाचन के लिए भी फायदेमंद होता है और



आजकल की भागदौड़ वाली लाइफस्टाइल में खुद के लिए देखभाल करने का समय नहीं होता है। कई बार तो हम अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज कर देते हैं, जिस वजह से कई समस्याएं पैदा हो जाती हैं। अगर खुद की देखभाल नहीं करेंगे तो झुर्रियां दिखने लगेंगी। ऐसी कंडीशन में जरूरी है कि आप डाइट को अच्छा बनाएं। सहजन की पत्तियां, जिन्हें मोरिंगा भी कहा जाता है, आपके स्वास्थ्य के लिए अमृत समान होता है।

बालों और त्वचा के लिए बेहतरीन
सहजन जिसे मोरिंगा के नाम से भी जाना जाता है। सहजन सबसे बेहतरीन सुपरफूड है, जिसमें 18 तरह के अमीनो एसिड होते हैं। मोरिंगा बालों और त्वचा के सुधार के लिए बेहद फायदेमंद है, क्योंकि इसमें एंटीऑक्सिडेंट गुणों के लिए जाना जाता है। दरअसल, सहजन की पत्तियों में फ्लेवोनॉइड्स, पॉलीफेनॉल्स और बीटा- कैरोटीन सहित हाई एंटीऑक्सिडेंट होते हैं जो

गर्मियों में हीट स्ट्रोक से ऐसे करें खुद का बचाव, पहचानिए इसके लक्षण

गर्मी के मौसम में चिलचिलाती गर्मी और लू के कारण हर कोई परेशान रहता है। वहीं लू लगने से शरीर से जुड़ी समस्याएं बढ़ जाती हैं। जिसके कारण सिर घूमना, चक्कर आना और डिहाइड्रेशन आदि का खतरा बढ़ जाता है। तेज धूप और गर्म हवा के कारण शरीर में गर्मी अधिक बढ़ जाती है। यदि इसका समय रहते इलाज न किया जाए, तो यह शारीरिक समस्या के साथ-साथ मानसिक समस्या भी बन सकती है। ऐसे में जरूरी है कि समय रहते लू लगने के लक्षणों को पहचानें और इसके रोकथाम का उपाय शुरू कर दें। तो आइए जानते हैं हीट स्ट्रोक के लक्षण और बचाव के उपायों के बारे में...

लक्षण
हीट स्ट्रोक के कारण सिरदर्द होने लगता है।

इस दौरान शरीर का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर हो जाता है। लू के कारण व्यक्ति की प्लस रेट तेज हो सकती है। क्योंकि शरीर खुद को जैसे-जैसे ठंडा रखने का प्रयास



करता है, दिल की धड़कनें तेज होने लगती हैं।

लू लगने की वजह से दौरा पड़ना, चक्कर आना, ऐंठन और न्यूरोलॉजिकल लक्षण नजर आने लगते हैं।

अधिक गर्मी लगने की वजह से मतली और उल्टी की समस्या हो सकती है।

पसीना न आने की वजह से त्वचा ठंडी लगना भी लू लगने का लक्षण है। गर्म मौसम या धूप में रहने के कारण डिहाइड्रेशन की समस्या होना। सूजी और सूखी हुई जीभ, तरल

पदार्थों की शरीर में कमी होने से भी डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है।

ऐसे करें बचाव
गर्मियों के मौसम में कम से कम 3-4 लीटर पानी का सेवन करें। 3 लीटर पानी में 10 ग्राम सेंडविच की जड़ें डालें और इसको अच्छे से उबालें। फिर इस पानी को पूरा दिन में पिएं।

लू की समस्या से बचने के लिए शराब, गर्म अचार और किण्वित एसिडिक खाद्य पदार्थों के सेवन से बचना चाहिए।

लू से बचाव के लिए अपनी डाइट

में नींबू का रस, तरबूज, खरबूजा और नारियल पानी जैसे मौसमी फलों को शामिल करें।

गर्मियों में टाइड और पॉलिएस्टर से बने कपड़ों को पहनने से बचना चाहिए। इनकी जगह पर कॉटन के ढीले कपड़े पहनें।

घर से बाहर निकलने के दौरान छते या टोपी का इस्तेमाल करना न भूलें।

सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक कड़ी धूप होती है। इसलिए इस समय घर से बाहर जाने से बचना चाहिए। क्योंकि यह हीट स्ट्रोक का कारण बन सकती है।

गर्मियों में दिन में 2 बार ठंडे पानी से नहाना चाहिए। स्किन को ठंडा रखने के लिए ठंडा दही या एलोवेरा का फेस पैक अप्लाई करें।

अगर आप तेज धूप से आने के फौरन बाद ठंडा पानी पीते हैं या नहोते हैं, तो यह शरीर के थर्मोस्टेट को परेशान कर सकता है।

खतरनाक हो सकता है इलेक्ट्रोलाइट का असंतुलन, शरीर में कमी को पूरा करने के लिए अपनाएं ये तरीके

पदार्थों के साथ हाइड्रेट रहना जरूरी है।

गर्मियों में इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन को दूर करने के 6 तरीके

नियमित रूप से हाइड्रेट रहें-
दिन भर में खूब सारे तरल पदार्थ पिएं, खास तौर पर पानी। लंबे समय तक बाहरी गतिविधियों या भारी व्यायाम के लिए, खोए हुए खनिजों की पूर्ति के लिए इलेक्ट्रोलाइट्स युक्त स्पोर्ट्स ड्रिंक पर विचार करें।

संतुलित आहार लें-
अपने आहार में इलेक्ट्रोलाइट्स से भरपूर खाद्य पदार्थ शामिल करें। केले, संतरे, पालक, एवोकाडो और दही पोटेशियम, मैग्नीशियम और कैल्शियम के अच्छे स्रोत हैं।

इलेक्ट्रोलाइट सप्लीमेंट्स का उपयोग करें-
यदि आप अत्यधिक

पसीना बहाते हैं या उच्च तीव्रता वाले व्यायाम में संलग्न हैं, तो इलेक्ट्रोलाइट सप्लीमेंट्स असंतुलन बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। ये विभिन्न रूपों में उपलब्ध हैं, जिनमें टैबलेट, पाउडर और पेय शामिल हैं।

सोडियम का सेवन मॉनिटर करें-
अगर आप अधिक पसीना बहाते हैं तो सुनिश्चित करें कि आप पर्याप्त मात्रा में सोडियम का सेवन कर रहे हैं। जबकि अत्यधिक सोडियम हानिकारक हो सकता है, एक मध्यम मात्रा आवश्यक है जो पसीने के माध्यम से खो जाता है।

अत्यधिक शराब और कैफीन के सेवन से बचें-
शराब और कैफीन दोनों निरजलीकरण और इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन का कारण बन सकते हैं। इनके सेवन को

सीमित करें और हाइड्रेट रहने के लिए इन पेय पदार्थों के साथ पानी पिएं।

लक्षणों को जल्दी पहचानें-

इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन के संकेतों से अवगत रहें, जैसे मांसपेशियों में ऐंठन, चक्कर आना या अनियमित दिल की धड़कन। जल्दी पहचान



एजिंग को दूर करता है मोरिंगा, स्किन होगी एकदम टाइट



शरीर में मुक कणों को बेअसर करने ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस और सूजन को कम करने में मदद करती है। इसके साथ ही यह चेहरे की झुर्रियों को जड़ से खत्म कर देता है।

हड्डियों को मजबूत करता है
सहजन की पत्तियां हृदय रोग, कैंसर और मुधमेह जैसी बीमारियों को बचाने में मदद करता है। गौरतलब है कि मोरिंगा पोटेशियम और मैग्नीशियम का एक समृद्ध स्रोत होता है जो हड्डियों को मजबूती के लिए जरूरी है।

खुद को रखें हाइड्रेट
गर्मियों में प्रेग्नेट महिलाएं खुद को हाइड्रेट रखें। क्योंकि शरीर में पानी की कमी से तमाम समस्याएं पैदा हो सकती हैं। इसलिए खुद को हाइड्रेट रखने के लिए दिनभर में 8-10 गिलास पानी पिएं। आप अपनी डाइट में लिक्विड चीजों को शामिल करें। इसके

गर्मियों में प्रेग्नेट महिलाएं कुछ इस तरह रखें अपना ख्याल, मां और बच्चा दोनों रहेंगे हेल्दी

समस्या हो सकती है। वहीं गर्मियों में इस समस्या को टिगर कर सकती है। इससे बचने के लिए आप ठंडे स्थान पर अधिक समय बिताएं। अगर घर में एसी लगी है, तो उस कमरे में समय बिताएं। लेकिन कमरे का तापमान सामान्य होना चाहिए। क्योंकि कमरे का टेंपरेचर अधिक ठंडा होगा, तो बाहर के गर्म तापमान में आपकी तबियत खराब हो सकती है।



आराम जरूर करें
कई महिलाओं को प्रेग्नेंसी के दौरान बहुत नींद आती है। हालांकि गर्मियों में आराम करने का मन नहीं करता है। गर्मी के मौसम में अधिकतर समय एसी में रहने का मन करता है। लेकिन इस दौरान आराम जरूर करें। क्योंकि आराम करना बच्चे की ग्रोथ के लिए बेहद जरूरी माना जाता है।

एक्सरसाइज करें
गर्भावस्था के दौरान एक्सरसाइज करना बहुत फायदेमंद होता है। हालांकि गर्मियों में आउटडोर एक्सरसाइज करने से बचना चाहिए। वहीं शरम के समय धूप ढलने के बाद एक्सरसाइज करना चाहिए। अगर प्रेग्नेंसी में एक्सरसाइज करने में समस्या हो तो आप हल्की-फुल्की वॉक भी कर सकती हैं। इससे मां और बच्चा दोनों के स्वास्थ्य पर अच्छा असर पड़ता है।

आराम जरूर करें
कई महिलाओं को प्रेग्नेंसी के दौरान बहुत नींद आती है। हालांकि गर्मियों में आराम करने का मन नहीं करता है। गर्मी के मौसम में अधिकतर समय एसी में रहने का मन करता है। लेकिन इस दौरान आराम जरूर करें। क्योंकि आराम करना बच्चे की ग्रोथ के लिए बेहद जरूरी माना जाता है।

एक्सरसाइज करें
गर्भावस्था के दौरान एक्सरसाइज करना बहुत फायदेमंद होता है। हालांकि गर्मियों में आउटडोर एक्सरसाइज करने से बचना चाहिए। वहीं शरम के समय धूप ढलने के बाद एक्सरसाइज करना चाहिए। अगर प्रेग्नेंसी में एक्सरसाइज करने में समस्या हो तो आप हल्की-फुल्की वॉक भी कर सकती हैं। इससे मां और बच्चा दोनों के स्वास्थ्य पर अच्छा असर पड़ता है।

प्रेम प्रसंग में युवक की हत्या का पुलिस ने किया खुलासा, पांच गिरफ्तार

अवधनामा ब्यूरो



कुशीनगर। कप्तानगंज कस्बे में पांच दिन पूर्व एक युवक के घर में घुसकर गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने मुख्य हत्यारोपी समेत पांच लोगों को इन्द्रपुर चौगहा से दबोचा लिया। हत्या में प्रयुक्त चार पहिया वाहन व अला कल्ल बरामद करते हुए इन अभियुक्तों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई कर जेल भेज दिया।

शुक्रवार को पुलिस लाइन में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान घटना का खुलासा करते हुए एडिशनल एसपी अभिनव त्यागी ने बताया कि पांच दिन पूर्व कप्तानगंज कस्बे में रेलवे लाइन के पास रहने वाले इस्माफिल नामक युवक के घर में आधी रात को पांच युवकों द्वारा घुसकर गोली मारकर हत्या कर दिया गया था। हत्या करने के बाद युवक

व अंकित यादव पुत्र लालबहादुर यादव निवासी वार्ड नं. पांच बदेलीगंज कप्तानगंज थाना कप्तानगंज जनपद कुशीनगर को इन्द्रपुर चौगहा से दबोच लिया। अभियुक्तों के पास से आला कल्ल एक पिस्टल (कन्ट्रोमेट) 32 बोर व घटना में प्रयुक्त चार पहिया वाहन स्वीफ्ट डिजायर एवं स्कूटी को बरामद किया गया। बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। एडिशनल एसपी अभिनव त्यागी ने बताया कि

बीते नौ जून की रात युवक के घर में घुसकर गोली मारकर हत्या का मामला

अभियुक्त शनि शर्मा उपरोक्त के बहन तथा मृतक इस्माफिल में प्रेम-प्रसंग था। अभियुक्त शनि द्वारा दोनों को समझाया गया लेकिन दोनों मानने को तैयार नहीं हुए आवेश में आकर अभियुक्त शनि द्वारा अपने साथियों के साथ मिलकर दिनांक 09 जून 2024 की रात्रि में गोली मारकर इस्माफिल की हत्या कर दिया था। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम प्र.नि. मनोज कुमार पन्त प्रभारी साइबर, थानाध्यक्ष राजकुमार बरवार थाना कप्तानगंज, शरद कुमार भारती प्रभारी सर्विलांस सेल, सुयभान यादव, प्रदीप कुमार, पंकज कुमार सिंह, रामनगीना यादव, इतेश कुमार कुमार, हरिश्चंद्र यादव, सत्येन्द्र चौबे व रमेश पाल शामिल रहे।

संदिग्ध अवस्था में गन्ने के खेत में मिला व्यक्ति का शव

अवधनामा संवाददाता

कि जहां शव की कुछ देर बाद पहचान नगनपत मुसहर के रूप में हुई है। मृतक के पुत्र मोती मुसहर ने फोटो देखकर शव की पहचान की है। मोती मुसहर ने बताया कि शव उसके पिता का है।



कसया, कुशीनगर। शुक्रवार की शाम कसया थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत में नगनपत मुसहर के टोला बोधापट्टी के पश्चिम गन्ने के खेत में एक व्यक्ति का शव संदिग्ध अवस्था में पाया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही में जुट गई। मिली जानकारी के मुताबिक उक्त गांव के पश्चिम एक ईंट भट्टे के पास गन्ने के खेत में एक 55 वर्षीय व्यक्ति का शव मिला। इसकी जानकारी मिलते ही घटनास्थल के आसपास लोगों की भीड़ लग गई। मौजूद लोगों ने पुलिस को जानकारी दी। मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष कसया गिरिजेरा उपाध्याय मय टीम व फॉरेंसिक टीम ने घटना स्थल का निरीक्षण किया व पुलिस ने शव को लेकर घंटों पहचान करने की कोशिश

की गई। शव को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल की मोर्चों में रखवाया है और अग्रिम कार्यवाही में जुट गई है। इस दौरान हल्का दरोगा सभाजीत सिंह, एस आई संदीप यादव, रूपेंद्र पाल सिंह, हेड कांस्टेबल रणजीत सिंह, कांस्टेबल अभिषेक मौर्य, महेंद्र, कृष्णा, शेर बहादुर मौजूद रहे।

प्रतिबन्धित पॉलिथिन, प्लास्टिक की बिक्री किसी दशा में न हो: जिलाधिकारी

अवधनामा संवाददाता



मैनपुरी। जिलाधिकारी अविनाश कृष्ण सिंह ने जिला गंगा समिति, जिला वृक्षारोपण समिति, जिला पर्यावरण समिति की समीक्षा के दौरान कहा कि कुछ समय पूर्व धरती पर ही स्वर्गिक माहौल होता था, कोई भी व्यक्ति सांस, फेफड़े की बीमारी से ग्रसित नहीं था लेकिन आज हर दूसरा व्यक्ति इन बीमारियों से जूझ रहा है, इसका मुख्य कारण वृक्षों की अंधाधुंध कटान है, वन क्षेत्र का निरंतर घटना, वृक्षों की संख्या में कमी होने के कारण पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है, वायुमंडल में ऑक्सीजन की मात्रा खतरनाक रूप से घट रही है।

उन्होंने कहा कि हम सबको इस ओर सोचना होगा, पीपल, बरगद, पाकड़, नीम, बेलपत्र, गुल्म आदि छायादार पौधे रोपित कर कम से कम 02 वर्ष उनकी देखभाल करनी होगी ताकि इन वृक्षों का लाभ मानवता, पृथ्वी को मिल सके, आगे आने वाली पीढ़ी को बेहतर पर्यावरण के साथ शुद्ध ऑक्सीजन मिले। उन्होंने कहा कि पूर्वजों द्वारा रोपित किये गये पुराने, विशालकाय वृक्षों की बेहतर ढंग से देखभाल की जाये, वन विभाग के अधिकारी पुराने वृक्षों का चिन्हकन कर उनकी उचित देखभाल करें। उन्होंने क्रिश्चियन कॉलेज के मैदान में लगे विशालकाय वट वृक्ष को

छेड़छाड़ के विवाद में दबंगों ने चाचा-भतीजे को मारी गोली, दोनों घायल जिला अस्पताल में भर्ती

अवधनामा संवाददाता

फर्रुखाबाद अवधनामा संवाददाता। युवती से छेड़छाड़ के विवाद में चाचा भतीजे के गोली मारकर घायल कर दिया गया। गोली लगने से घायल हुए चाचा भतीजे को जिला अस्पताल लोहिया में भर्ती कराया गया है। घर में नामकरण संस्कार के बाद चल रही थी दबंगों ने छोड़े बंद कर की गोली लगी। पीड़ितों ने रात में ही कोतवाली पहुंचकर की शिकायत और गोली मारने की जताई थी आशंका। इसके बाद डायल 112 पुलिस घायलों को घर छोड़कर आई थी। पीड़ित के अनुसार ट्यूबवेल पर चारपाई पर बैठे समय दबंगों ने चाचा भतीजे की गोली मार दी। कोतवाली कायमगंज के ग्राम न्याजू नाला निवासी 40 वर्षीय वीकेश शक्य पुत्र नेकम व उसके भतीजे 23 वर्षीय सुखवीर पुत्र कन्हू शक्य को बीती देर रात गोली मारकर घायल कर दिया। सुखवीर के पेट में जबकि वीकेश के की जाँच में गोली लगी। घटना के पीछे आरोपियों के द्वारा घायल पक्ष के परिवार की एक युवती से छेड़छाड़ का मामला बताया जा रहा है। दोनों घायलों को सुबह 3:35 बजे लोहिया अस्पताल में भर्ती किया गया। पुलिस से शिकायत के बाद भी नहीं हुई कार्यवाही। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि पूर्व में भी आरोपी युवती से छेड़छाड़ कर चुके हैं। शिकायत के बाद भी पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं की। घटना के समय भी आरोपियों ने गोली मारने की धमकी दी। डायल 112 को सूचना दी लेकिन उसने भी कोई कार्यवाही नहीं की और आरोपियों ने गोली मार दी। घायल वीकेश ने बताया कि गुरुवार को घर में भतीजे के नामकरण संस्कार के कार्यक्रम की दावत चल रही थी और दरवाजे पर डीजे बज रहा था। उसी समय दबंग बाइक से पहुंचे और डीजे बंद कर गली गलीं करे। जिसकी शिकायत रात में ही कायमगंज कोतवाली पहुंचकर की और पुलिस को बताया था कि दबंगों ने गोली मारने की धमकी दी है। लेकिन पुलिस ने कोई सुनवाई नहीं की और वापस घर भेज दिया। इसके बाद हम लोग ट्यूबवेल पर चारपाई पर बैठे हुए थे तभी दबंगों ने गोली मार दी जिससे हम दोनों लोग गोली लगने से घायल हो गए हैं। घायल वीकेश ने बताया कि पूर्व में युवक अमन ने मेरी भतीजी को पकड़ था।

अंगीकृत करते हुये कहा कि इस वृक्ष की उनके द्वारा देखभाल की जायेगी। श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि आगामी वित्तीय वर्ष 2024-25 के वृक्षारोपण का लक्ष्य शासन स्तर से निर्धारित किया जा चुका है, जनपद में आगामी वित्तीय वर्ष में 35 लाख 63 हजार 100 पौधे रोपित किये जायेंगे, जिसमें सर्वाधिक 14 लाख 02 हजार ग्राम्य विकास विभाग द्वारा, 10 लाख वन विभाग द्वारा, 02 लाख 81 हजार

रक्तदाताओं का सम्मान व विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन

अवधनामा संवाददाता



गोरखपुर। विश्व रक्तदाता दिवस के शुभ अवसर पर एक वृहद कार्यक्रम का आयोजन गुरु श्री गोरखनाथ ब्लड बैंक में आयोजित किया गया इस कार्यक्रम में रक्तदाताओं का सम्मान तथा विशाल रक्तदान शिविर आयोजित की गई। सर्वप्रथम अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ द्वारा ब्लड बैंक के टेक्नीशियन एवं कर्मचारियों द्वारा पुष्प-गुच्छ तथा प्रतिकार्यक भेंट स्वरूप मग तथा चाभी का छल्ल से किया गया इसके पश्चात् चिकित्सालय के निदेशक जिग्मेडिब्र डॉ. डी.सी. ठाकुर द्वारा स्वागत भाषण दिया गया जिग्मेडिब्र डॉ. ठाकुर ने रक्तदान के महत्व तथा इससे होने वाले लाभ एवं इसके महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. अवधेश अग्रवाल, प्रभारी ब्लड बैंक ने रक्तदाता दिवस के महत्व को बताया कि यह महान वैज्ञानिक ब्लड बैंक के पितामह तथा रक्त समूह के अन्वेषक कार्ल लैंड स्टायनर जिनका जन्म 14 जून 1868 में हुआ था, उसके उपलक्ष्य में मनाया जाता है। सर्वप्रथम

इसके समारोह का रूप वर्ष 2024 में कुछ विश्व स्वास्थ्य संगठनों जैसे - विश्व प्रतिकार्यक भेंट स्वरूप मग तथा चाभी के सामूहिक प्रयास से प्रारम्भ किया गया। इसी क्रम में इस वर्ष इस विश्व रक्तदाता दिवस का थीम है 20 वर्ष का देय गोरखपुर परिक्षेत्र के औषधि निरीक्षक जयसिंह जी ने रक्तदान से सम्बन्धित विभिन्न ध्रांतियों को दूर करके रक्तदाताओं को अधिक से अधिक संख्या में बढ़कर रक्तदान करने का आह्वान किया। श्री जसपाल सिंह अध्यक्ष, गुरु द्वारा प्रबंधक कमेटी जयशंकर जो कि स्वयं गोरखपुर में रक्तदान का एक कीर्तिमान स्थापित कर चुके लगभग 80 बार रक्तदान करके मानवता का पाठ पढ़ाया है। उन्होंने भी

खाना बनाते समय झोपड़ी में लगी आग

अमृतपुर फर्रुखाबाद। अमृतपुर थाना क्षेत्र के पुरानी चौकी के पास खाना बनाते समय चूल्हे की चिंगारी से आग लग गई। आग इतनी भयानक थी कि देखते ही देखते आग ने दो झोपड़ियों को जलाकर राख कर दिया। अमृतपुर निवासी सोनी पत्नी मुगद अली शाम 6 बजे अपनी झोपड़ी में खाना बना रही थी। उसी समय चूल्हे की चिंगारी से छप्पर में आग लग गई देखते ही देखते आग में विकराल रूप धारण कर लिया और ऊंची ऊंची लपटें उठने लगी। आग के प्रकोप से छप्पर और कमरे के दो दरवाजे, 4 कुंतल गेहूं, 2 राजई, 4 कम्बल, 2 चारपाई, 10 किलो चावल जलकर राख हो गए। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने कड़ी मशकत के बाद आग पर काबू पाया। जानकारी मिलने पर चौकी इंचांज जगभान सिंह अपने साथी सियाधियों के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए। उन्होंने आग बुझा रहे ग्रामीणों का सहाय्य किया। आग लगने से गरीब परिवार का काफी नुकसान हो गया। मुराद अली मजदूरी करके अपने परिवार का पालन पोषण करता है। उसने बताया है कि कल ही उन्होंने झोपड़ी रखी थी।

विश्व रक्तदाता दिवस पर 27 लोगों ने किया रक्तदान, हुए सम्मानित

अवधनामा संवाददाता



कसया, कुशीनगर। विश्व रक्तदाता दिवस प्रत्येक वर्ष 14 जून को पूरे विश्व में एक अभियान के रूप में मनाया जाता है। इसके अंतर्गत कुशीनगर ब्लड बैंक में भी रक्तदाता सम्मान समारोह एवं रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। यह दिवस वैज्ञानिक कार्ल लैंड स्टायनर के जन्मदिन के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। इनका जन्म 14 जून 1868 में हुआ था। इन्हें रक्त समूह की खोज के लिए नोबेल पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। यह जानकारी ब्लड बैंक संचालक राजीव तिवारी ने दी। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद कुशीनगर की अध्यक्ष किरन राकेश जसवाल जी इन्होंने रक्तदान को जीवन का सर्वश्रेष्ठ दान बताया। रोटरी के संरक्षक राकेश जायसवाल ने कहा कि कुशीनगर ब्लड बैंक के द्वारा सदैव जरूरतमंद

लोगों की सहायता हेतु तत्पर रहता है। आज इस कार्यक्रम में रोटरी क्लब कुशीनगर, पुलिस मित्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कसया और नियमित रक्तदाताओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। रोटरी क्लब कुशीनगर के अध्यक्ष श्री वाहिद अली जी ने बताया कि रक्तदान से बड़ा पुण्य का काम कोई नहीं है, उन्होंने जनमानस से निवेदन किया कि रक्तदान में बढ़चढ़ कर हिस्सा ले और बहुमूल्य जीवन का उपहार दें। पुलिस मित्र टीम से श्री अभिमन्यु तिवारी जो नियमित रक्तदाता हैं उन्होंने बताया कि युवाओं को रक्तदान के लिए आगे आना

चाहिए। इस कार्यक्रम का संचालन बिग एफ.एम. गोरखपुर के आर.जे अनुराग एवं दीप्ति अनुराग ने किया। इस अवसर पर आयोजित रक्तदान शिविर में स्व रक्तदाताओं ने बढ़चढ़ कर भाग लिया जिसमें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अध्यक्ष डॉ. मुकेश यादव, सरोज यादव, डॉ. विजय शंकर सिंह, रोटरी क्लब के अध्यक्ष वाहिद अली, सचिव अजय सिंह, कोषाध्यक्ष गुर्गेश चतुर्वेदी सहित सैकड़ों लोगों ने रक्तदान किया। रक्तदाता सम्मान समारोह में रक्तदाताओं को मेडल, प्रशस्ति पत्र, उपहार देकर सम्मानित किया गया।

त्यौहारों में कोई नई परंपरा मान्य नहीं होगी: डीएम

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। आगामी त्यौहार गंगा दशहरा, बकरीद के मद्देनजर जनपद में कानून एवं शान्ति व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से जिलाधिकारी उमेश मिश्रा व पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल ने शुक्रवार कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों, विभिन्न सम्प्रदाय के धर्मगुरुओं एवं जनपद के प्रतिष्ठित नागरिकों के साथ बैठक किया। बैठक में जिलाधिकारी ने समस्त अधिशासी अधिकारी नगर पालिका/नगर पंचायतों को नगरीय क्षेत्रों तथा जिला पंचायतराज अधिकारी समस्त विकास खंड अधिकारियों को घाटों पर, ग्रामीण तथा शहर क्षेत्रों में तथा इंदरगाहों/मस्जिदों के आस पास साफ-सफाई एवं जलापूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पूर्व को लेकर एक विशेष सफाई अभियान संचालित करने के भी निर्देश दिए। सर्वजनिक स्थलों, प्रमुख



चौराहों तथा निर्धारित स्थलों पर कूड़ा टाली, घाटों पर बड़े डस्टबिन रखने, घाटों पर रस्सी लगाने, बांस से घेरने के निर्देश दिए तथा कुर्बानी दिए जाने वाले पशुओं के अवशेष को डिम्पोजल करने के लिए समुचित व्यवस्था करने का निर्देश दिए, उन्होंने कहा कि ऐसे स्थानों को अवश्य चिन्हित कर ले जहाँ पर मन्दिर तथा मस्जिद पास पास में हैं। ऐसे स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिशासी अधिकारियों को विद्युत सप्लाई की व्यवस्था सुचारु रूप से निर्बाध आपूर्ति करने के निर्देश दिए। उपस्थित

लोगों से कहा कि अपने आस-पास के लोगों को जागरूक करें कि सोशल मीडिया पर कुर्बानी से संबंधित अफवाहों संबंधी चलचित्र का प्रेषण न किया जाए। उन्होंने सभी एसडीएम व सीओ को निर्देश देते हुए कहा कि सुस्था व्यवस्था को कड़े इंतजाम किए जाएं। कानून एवं शान्ति व्यवस्था हर हाल में कायम रहनी चाहिए। समस्त उपजिलाधिकारी, समस्त क्षेत्राधिकारी पुलिस व थाना अध्यक्ष सुनिश्चित करें कि उनके क्षेत्र में किसी भी प्रकार की समस्या न हो जिसके लिए पहले से ही तैयारी पूर्ण करें। बकरीद पर विशेष

एहतियात बरतें साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि नमाज के समय कोई व्यवधान उत्पन्न न हो आने-जाने वाले मार्ग किसी भी दशा में बाधित नहीं होने चाहिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक ने कहा कि इंदूल अजहा बकरीद तथा आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत पुलिस और प्रशासन की सभ से समस्त व्यवस्थाओं को स और सुनिश्चित कर लिया जायेगा। सोशल मीडिया पर विशेष रूप से नजर रखी जाए। अनावश्यक एवं भड़काऊ पोस्ट शेयर करने वाले लोगों को चिन्हित कर कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने लोगों से अपील की कि जनपद में

- बकरीद त्यौहार को लेकर डीएम व एसपी ने धर्मगुरुओं के साथ की पीस कमेटी की बैठक
- परंपरागत रूप से त्यौहार को मनाने का अफसरों ने की अपील
- अफवाह फैलाने वालों पर होगी कड़ी कार्यवाही

प्यार और भाईचारा बनाए रखें। उन्होंने प्रशासन को आश्चर्य किया कि जिले में अमन-चैन सदैव बरकरार रहेगा। बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी वैभव मिश्रा, अपर पुलिस अधीक्षक रितेश कुमार सिंह, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अंकिता जैन, उपजिलाधिकारी योगेश सिंह, रक्षक पुंडीर, समस्त पुलिस क्षेत्राधिकारी, समस्त अधिशासी अधिकारी, समस्त खंड विकास अधिकारी गण, जिला पंचायत राज अधिकारी सहित विभिन्न संप्रदाय के धर्मगुरु मौजूद रहे।

हलौर में लगा शाह अब्दुरसूल मीरा बाबा का ऐतिहासिक मेला

अवधनामा संवाददाता



मैनपुरी। जिलाधिकारी अविनाश कृष्ण सिंह ने जिला गंगा समिति, जिला वृक्षारोपण समिति, जिला पर्यावरण समिति की समीक्षा के दौरान कहा कि कुछ समय पूर्व धरती पर ही स्वर्गिक माहौल होता था, कोई भी व्यक्ति सांस, फेफड़े की बीमारी से ग्रसित नहीं था लेकिन आज हर दूसरा व्यक्ति इन बीमारियों से जूझ रहा है, इसका मुख्य कारण वृक्षों की अंधाधुंध कटान है, वन क्षेत्र का निरंतर घटना, वृक्षों की संख्या में कमी होने के कारण पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है, वायुमंडल में ऑक्सीजन की मात्रा खतरनाक रूप से घट रही है।

उन्होंने कहा कि हम सबको इस ओर सोचना होगा, पीपल, बरगद, पाकड़, नीम, बेलपत्र, गुल्म आदि छायादार पौधे रोपित कर कम से कम 02 वर्ष उनकी देखभाल करनी होगी ताकि इन वृक्षों का लाभ मानवता, पृथ्वी को मिल सके, आगे आने वाली पीढ़ी को बेहतर पर्यावरण के साथ शुद्ध ऑक्सीजन मिले। उन्होंने कहा कि पूर्वजों द्वारा रोपित किये गये पुराने, विशालकाय वृक्षों की बेहतर ढंग से देखभाल की जाये, वन विभाग के अधिकारी पुराने वृक्षों का चिन्हकन कर उनकी उचित देखभाल करें। उन्होंने क्रिश्चियन कॉलेज के मैदान में लगे विशालकाय वट वृक्ष को

अंगीकृत करते हुये कहा कि इस वृक्ष की उनके द्वारा देखभाल की जायेगी। श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि आगामी वित्तीय वर्ष 2024-25 के वृक्षारोपण का लक्ष्य शासन स्तर से निर्धारित किया जा चुका है, जनपद में आगामी वित्तीय वर्ष में 35 लाख 63 हजार 100 पौधे रोपित किये जायेंगे, जिसमें सर्वाधिक 14 लाख 02 हजार ग्राम्य विकास विभाग द्वारा, 10 लाख वन विभाग द्वारा, 02 लाख 81 हजार

कृषि विभाग द्वारा, 01 लाख 74 हजार उद्यान विभाग द्वारा, 01 लाख 56 हजार पंचायती राज विभाग द्वारा, 01 लाख 18 हजार राजस्व विभाग द्वारा, 01 लाख 86 हजार पर्यावरण विभाग द्वारा पौधे रोपित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिन विभागों को वृक्षारोपण का लक्ष्य मिला है वह दि. 15 जून को अपराह्न तक निर्धारित प्रारूप पर भूमि की उपलब्धता, गड्डा खुदान की सूचना प्रत्येक दशा में वन विभाग को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों से कहा कि रोपित किये जाने वाले पौधों की पर्याप्त सुरक्षा की जाये, पौधों की नियमित सिंचाई की व्यवस्था रहे, पर्याप्त नराई, गुलाई की जाये, रोपित किये गये पौधों के रख-रखाव हेतु विभाग में आयोजनागत मद में उपलब्ध बजट में से दशमलव 5 प्रतिशत धनराशि व्यय की जाये।



मजार हिन्दू-मुस्लिम एकता की मिसाल मानी जाती है। यहां सभी धर्म के लोग श्रद्धा से माथा टेकते हैं और अपनी-अपनी मन्त्रते मांगते हैं। उस के दिन बहुत सारे लोग अपने-अपने बच्चों का मुंडन कार्यक्रम भी संपन्न कराते हैं। हर साल की तरह इस साल भी सालाना उस आज प्रारंभ हुआ। जिसमें सबसे पहले मजार पर कलाम पाक की तिलावत हुई। इसके बाद अकीदतमदों के आने का जो सिनारिसला शुरू हुआ वह सायं तक जारी रहा। मजार पर पातिला पहुँचे हुए मन्त्रते उतारी गई तथा मन्त्रों की तराश गया। मजार के बाहर मुंडन भी कराया गया। मजार के बाहर मुंडन के प्रांगण पर मेले का भी

आयोजन हुआ जहां बड़ी संख्या में लोग खरीदारी करते नजर आए। बच्चों का उत्साह पूरे चरम पर रहा अपने-अपने अंदाज में बच्चे मेले का लुप्त उतार देखे गए। मेले में खिलौने की दुकानें मुख्य आकर्षक का केंद्र रहीं। उस दूसरे दिन यानी शनिवार तक चलेगा। पहले दिन कस्बे के अलावा भटगवां, वासा, तिलगडिया, बेवा, जमीत्या आदि दर्जनों गांवों के सैकड़ों की तादाद में अकीदत मदों ने शिरकत की। इस दौरान वक्फ शाह आलमगीर सानी के मोतवल्ली नौशाद हैदर, ग्राम प्रधान ताकीब रिज्जी, नफासत रिज्जी, काजिम रजा, अस्मर जमील, गुलाम अली ईदु, कामियाब बबलू, मोहरम,

गुडू बाबा, शमशाद अली मास्टर, वजीर हैदर विलियम, दहन, लकी, नासिर, राशिद ताकीब, इतेजार शबाब, तसकीन हैदर आदि उपस्थित रहे। मजार के बाहर नप लिपिक की जानिब से रहा शीलजल की व्यवस्था: शाह अब्दुरसूल मीरा बाबा की मजार पर दूर दराज से आने वालों के साथ मुकामी लोगों के लिए नगर पंचायत डुमरियागंज के वरिष्ठ लिपिक हसन ताकीब रिज्जी की जानिब से गमीं को देखते हुए करबला वालों की प्यास के सदेक में शीलजल की व्यवस्था की गयी जहाँ लोगों ने इस धीमण गमीं में अपनी अपनी प्यास बुझाते नजर आये।

रक्तदान से लोगों की जान बचाई जा सकती, सभी को रक्तदान करना चाहिए

अवधनामा संवाददाता

फर्रुखाबाद अवधनामा संवाददाता। विश्व रक्तदान दिवस पर जिलाधिकारी डॉ वीके सिंह द्वारा जिला अस्पताल में 30प्र0 पावर ट्रान्सफुजन कापेरेशन एवं जिला अस्पताल के द्वारा सामूहिक रूप से आयोजित रक्तदान शिविर का रफाता काटकर उद्घाटन किया। 43 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। जिलाधिकारी ने रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाते हुए उन्हें प्रमाण पत्र व प्रतीक चिन्ह दिए जिलाधिकारी ने कहा कि रक्तदान महदान है। रक्तदान से कोई कमजोरी नहीं आती। ब्लड बैंक में रक्त होने से इमरजेंसी में बहुत काम आता है। इस मुहिम को आप लोग आगे बढ़ाएं। सभी लोग मिलकर हर जगह रक्तदान करने के लिए सबको प्रेरित करें तभी इसकी सफलता है। रक्तदान से लोगों की जान बचाई जा सकती है। इस दौरान जिला अधिकारी ने रक्तदान के लिए सभी को प्रेरित किया। इस के बाद जिलाधिकारी द्वारा जिला अस्पताल के बाईं का निरीक्षण किया जिलाधिकारी द्वारा मरीजों से उनके इलाज व मिल रहे भोजन व दवाइयों के बारे में जानकारी प्राप्त की, जिलाधिकारी द्वारा अस्पताल में मिल रहे भोजन की गुडवत्ता पर नाराजगी जताई एवं सुधार के लिए निर्देशित किया। इस मौके पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, नगर मजिस्ट्रेट व जिला अस्पताल के रक्त बैंक की पूरी टीम मौजूद रही।

चुके हैं सभी 48 रक्तदाताओं ने रक्तदान शिविर में भाग लिया। तत्पश्चात् चिकित्सालय के अपर निदेशक डॉ. कामेश्वर सिंह ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। डॉ. कामेश्वर ने रक्तदाताओं को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनसे अपेक्षा की वे भविष्य में भी इसी प्रकार रक्तदान करके मानवता तथा समाज की सेवा करने में कोई कमी नहीं करेंगे। कार्यक्रम का संचालन उत्तर प्रदेश संजाबी एकेडमी के सदस्य श्री जगनेन सिंह निटू ने किया। आज के कार्यक्रम में अब तक एक से अधिक बार रक्तदान कर चुके सतीश वरथानी 60 बार, रजनीश 42 बार, अमित पटेल 40 बार, विक्रम कृष्णानंद शर्मा 39 बार, विक्रम जायसवाल 40 बार, रजत सिंघानिया 31 बार, हाजी जलालुद्दीन कादरी 15 बार, मोहम्मद आकिब अंसारी 11 बार, अभिमन्यु 9 बार, राजेंद्र सिंह 4 बार, अशोक मल्होत्रा 4 बार को निदेशक डॉक्टर डीसी ठाकुर, अपर निदेशक डॉ कामेश्वर सिंह तथा ब्लड बैंक प्रभारी डॉ अवधेश अग्रवाल जी ने क्रमशः सम्मानित किया।

रक्तदाताओं से रक्तदान करने की अपील की। रक्तदान में बढ़ चढ़कर हिस्सा ले तथा रोगियों के प्राणों की रक्षा करें। औषधि निरीक्षक आभासी रूप से इस कार्यक्रम से जुड़े थे। उन्होंने सभी रक्तदाताओं से यह अपील कि जब तक ब्लड बैंक रक्त से परिपूर्ण नहीं होगा तब तक किसी भी रोगी को रक्त आपूर्ति करने में बहुत कठिनाई होगी। श्री जयसिंह ने गोरखनाथ ब्लड बैंक की सरहना करते हुए कहा कि यह ब्लड बैंक पूर्वांचल ही नहीं अपितु पूरे प्रदेश में सुस्थित रक्त आपूर्ति कर रहा है तथा सीमावर्ति देश नेपाल एवं बिहार के लोग भी इससे लाभान्वित हो रहे हैं। आज के कार्यक्रम में स्वस्थ एवं 3 मास पुर्व जो रक्तदान कर

रक्तदान से लोगों की जान बचाई जा सकती, सभी को रक्तदान करना चाहिए

रक्तदान से लोगों की जान बचाई जा सकती, सभी को रक्तदान करना चाहिए

रक्तदान से लोगों की जान बचाई जा सकती, सभी को रक्तदान करना चाहिए

पांचों विधान सभाओं में धन्यवाद यात्रा जल्द: कृपाशंकर

अवधानामा संवाददाता



जौनपुर। महाराष्ट्र के पूर्व गृहसचिव मंत्री और जौनपुर लोक सभा के प्रत्यायी रहे कृपा शंकर सिंह ने कहा है कि चुनाव में हार जीत तो ही है लेकिन अपने कर्तव्य पथ पर डटे रहेंगे। चुनाव में हार की जिम्मेदारी मैं अपने ऊपर लेता हूँ। कुछ कमी रह गयी जो ऐसा हुआ। वे गुरुवार को एक होटल में पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चुनाव में केन्द्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं और समाज हित के लिए किये गये कार्यों को आम लोगों तक सही तरीके से पहुंचा नहीं पाया।

उन्होंने मतदाताओं के प्रति आभार जताते हुए कहा कि जल्द ही वे पांचों विधान सभाओं में धन्यवाद यात्रा शुरू करेंगे और सभी से मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा कि वे जौनपुर में अधिक समय देयें और लोगों से सम्पर्क बराबर करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि वे अभी मुख्य मंत्री योगी

आदित्य नाथ से मुलाकात किये और कहा कि जौनपुर में उद्योग धन्ये स्थापित करने सहित कई अन्य कार्यों को गति देने की दिशा में काम करना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने पूरा सहयोग करने का आश्वासन दिया। हार के सवाल पर उन्होंने कहा कि चुनाव में जाति वाद का जहर डाला

गया जिसका मतदान पर असर पड़ा। पार्टी इस पर धीमे गंभीरतापूर्वक चर्चा करेगी। उत्तर प्रदेश में जातिवाद का जहर चुनाव में खुले आम उगला गया जिससे विकास और अनेक प्रकार की जनकल्याण कारी योजना दब गयी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार तीसरी बार बनी। सबका साथ सबका विकास और कल्याण कारी योजनायें पहले की तरह जारी रहेगी। इस अवसर पर राज्य सभा सांसद सीमा द्विवेदी, भाजपा के जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह, भाजपा के प्रदेश मीडिया पैनालिसट ओम प्रकाश सिंह, सर्वेश सिंह, रत्नाकर सिंह, धनंजय सिंह मौजूद रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत छभावाँ, वि.ख. सोधी शाहगंज, जौनपुर

अल्पकालीन निविदा/टेंडर

वित्तीय वर्ष 2024-25 मन्रेगा/पंचम राज्य वित्त आयोग 15वां व केन्द्रीय वित्त आयोग अन्तेष्ठी स्थल/राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान/मन्रेगा योजना अन्तर्गत ग्राम पंचायत द्वारा योजना के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय/पंचायत भवन/मन्रेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुक्षण-सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के हेतु निर्माणाधीन निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 15-06-2024 से 21-06-2024 तक कार्यालय दिवस में अपराह्न दो बजे तक ग्राम प्रधान पंचायत कार्यालय पर सील बंद निविदा जमा कर सकते हैं। दिनांक 22-06-2024 को निविदा हेतु गतिज कमिटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष दोपहर 12:00 बजे तक खोली जाएगी। निविदा फॉर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्रकलन) के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (मिन्मतमदर पर)
1	ईट, 150 एम.एम. प्रथम श्रेणी/एस.ओ.बी. ईट	प्रति हजार	
2	सीमेंट, शौचालय में कार्य करने वाले समूह का मानदेय	प्रति बैग	
3	मोरंग बालू, महीन बालू, गंगा बालू	प्रति घन मी.	
4	स्टोन बलास्ट, डाला गिट्टी, पत्थर गिट्टी 20 एम.एम. से 53 एम.एम. तक ईट गिट्टी 20 एम.एम./42 एम.एम.। अन्तेष्ठीय स्थल खडंडा, गौशाला केन्द्र	प्रति घन मी.	
5	सरिया विभिन्न साइज	प्रति कुन्तल	
6	करकर/एसबेस्टर सीट, पैन्ट आयरन, समरसेबुल, बोरिंग प्लेटफार्म सहित	प्रति नग	
7	पैवर्स ब्लक ईट/इण्टरलाकिंग ईट/जागजेडा इण्टरलाकिंग ईट	प्रति हजार	
8	सोलर लाईट/विद्युत सामग्री/स्ट्रीट लाईट/ हाईमास्क सोलर लाईट	प्रति नग	
9	शौचालय निर्माण सामग्री/पंचायत भवन निर्माण सामग्री		
10	ह्रूम पाइप 150 एम.एम. 300 एम.एम. 350 एम.एम. 600 एम.एम. 800 एम.एम. NP3	प्रति मी.	
11	टाइल्स विभिन्न साइज	प्रति वर्ग मी.	
12	गिट्टी की भरई, समतलीकरण का कार्य	प्रति घन मी.	
13	सफाईकर्मी स्वच्छता कीट/सेनेटाइजर, इस्टबीन सहित अन्य संबंधित सामग्री प्रिकास्ट कंकरीट बेच	प्रति नग	
14	कटीला तार एवं ईंगल/प्रिकास्ट कंकरीट बेच	प्रति नग	
15	जिम के संबंधित सामग्री/इण्डिया मार्क-2 हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री/रिबोर	प्रति नग	
16	मैदान के सुन्दरीकरण हेतु घास	प्रति घन मी.	
17	चूना, पेन्ट इत्यादि स्वच्छता हेतु कूड़ादान व्यवस्था	प्रति नग	
18	बालू पेंटिंग व प्रचार-प्रसार इत्यादि	प्रति वर्ग मी.	
19	विडियो कैमरा, दिशासूचक बोर्ड/पब्लिक अड्रेस सिस्टम	प्रति नग	
20	गौशाला में चूना-चोकर, भूसा, मन्रेगा पार्क में खेलकूद, जिम, झूला व अन्य सामग्री		
21	हैण्डपम्प की निष्प्रयोज्य सामग्री की खुली नीलामी		
22	S.L.W.M. अन्तर्गत कार्य करने वाले कर्मियों का मानदेय		

प्रतिबंध एवं शर्तें: सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। सामग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात् तय की जाएगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जाएगी अथवा नहीं। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर्ता द्वारा 50 रुपये के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा सामग्री आपूर्ति के पश्चात् ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्य कर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात् ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

सुधा सिंह
ग्राम प्रधान- छभावाँ
वि.ख. सोधी शाहगंज, जौनपुर

संतोष यादव
ग्राम पं./वा.वि.अधि.- छभावाँ
वि.ख. सोधी शाहगंज, जौनपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत पारा कमाल, वि.ख. सोधी शाहगंज, जौनपुर

अल्पकालीन निविदा/टेंडर

वित्तीय वर्ष 2024-25 मन्रेगा/पंचम राज्य वित्त आयोग 15वां व केन्द्रीय वित्त आयोग अन्तेष्ठी स्थल/राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान/मन्रेगा योजना अन्तर्गत ग्राम पंचायत द्वारा योजना के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय/पंचायत भवन/मन्रेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुक्षण-सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के हेतु निर्माणाधीन निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 15-06-2024 से 22-06-2024 तक कार्यालय दिवस में अपराह्न दो बजे तक ग्राम प्रधान पंचायत कार्यालय पर सील बंद निविदा जमा कर सकते हैं। दिनांक 24-06-2024 को निविदा हेतु गतिज कमिटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष दोपहर 12:00 बजे तक खोली जाएगी। निविदा फॉर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्रकलन) के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (मिन्मतमदर पर)
1	ईट, 150 एम.एम. प्रथम श्रेणी/एस.ओ.बी. ईट	प्रति हजार	
2	सीमेंट, शौचालय में कार्य करने वाले समूह का मानदेय	प्रति बैग	
3	मोरंग बालू, महीन बालू, गंगा बालू	प्रति घन मी.	
4	स्टोन बलास्ट, डाला गिट्टी, पत्थर गिट्टी 20 एम.एम. से 53 एम.एम. तक ईट गिट्टी 20 एम.एम./42 एम.एम.। अन्तेष्ठीय स्थल खडंडा, गौशाला केन्द्र	प्रति घन मी.	
5	सरिया विभिन्न साइज	प्रति कुन्तल	
6	करकर/एसबेस्टर सीट, पैन्ट आयरन, समरसेबुल, बोरिंग प्लेटफार्म सहित	प्रति नग	
7	पैवर्स ब्लक ईट/इण्टरलाकिंग ईट/जागजेडा इण्टरलाकिंग ईट	प्रति हजार	
8	सोलर लाईट/विद्युत सामग्री/स्ट्रीट लाईट/ हाईमास्क सोलर लाईट	प्रति नग	
9	शौचालय निर्माण सामग्री/पंचायत भवन निर्माण सामग्री		
10	ह्रूम पाइप 150 एम.एम. 300 एम.एम. 350 एम.एम. 600 एम.एम. 800 एम.एम. NP3	प्रति मी.	
11	टाइल्स विभिन्न साइज	प्रति वर्ग मी.	
12	गिट्टी की भरई, समतलीकरण का कार्य	प्रति घन मी.	
13	सफाईकर्मी स्वच्छता कीट/सेनेटाइजर, इस्टबीन सहित अन्य संबंधित सामग्री प्रिकास्ट कंकरीट बेच	प्रति नग	
14	कटीला तार एवं ईंगल/प्रिकास्ट कंकरीट बेच	प्रति नग	
15	जिम के संबंधित सामग्री/इण्डिया मार्क-2 हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री/रिबोर	प्रति नग	
16	मैदान के सुन्दरीकरण हेतु घास	प्रति घन मी.	
17	चूना, पेन्ट इत्यादि स्वच्छता हेतु कूड़ादान व्यवस्था	प्रति नग	
18	बालू पेंटिंग व प्रचार-प्रसार इत्यादि	प्रति वर्ग मी.	
19	विडियो कैमरा, दिशासूचक बोर्ड/पब्लिक अड्रेस सिस्टम	प्रति नग	
20	गौशाला में चूना-चोकर, भूसा, मन्रेगा पार्क में खेलकूद, जिम, झूला व अन्य सामग्री		
21	हैण्डपम्प की निष्प्रयोज्य सामग्री की खुली नीलामी		
22	S.L.W.M. अन्तर्गत कार्य करने वाले कर्मियों का मानदेय		

प्रतिबंध एवं शर्तें: सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। सामग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात् तय की जाएगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जाएगी अथवा नहीं। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर्ता द्वारा 50 रुपये के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा सामग्री आपूर्ति के पश्चात् ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्य कर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात् ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

मो. आदिल
ग्राम प्रधान- पारा कमाल
वि.ख. सोधी शाहगंज, जौनपुर

उमेश यादव
ग्राम पं./वा.वि.अधि.- पारा कमाल
वि.ख. सोधी शाहगंज, जौनपुर

दुर्गा वहिनी शौर्य प्रशिक्षण वर्ग प्रारंभ सत्र का उद्घाटन

जौनपुर। विश्व हिंदू परिषद काशी प्रांत दुर्गा वहिनी के साप्ताहिक प्रशिक्षण वर्ग सत्र का उद्घाटन माननीय नितिन भारत जी संगठन मंत्री काशी प्रांत ने किया, उन्होंने कहा कि हिंदुत्व ही राष्ट्रीय और हिंदुत्व की रक्षा हम सभी का राष्ट्र धर्म है। गुलाबी देवी इंटर कॉलेज कंधंघुर जौनपुर में आयोजित कार्यक्रम का प्रारंभ मां दुर्गा जी के चित्र पर माल्यार्पण एवम दीप प्रज्वलन के साथ प्रारंभ हुआ। 13 जून से 20 जून तक चलने वाले प्रशिक्षण वर्ग में उस्थिति लगभग डेढ़ सी वीर बालाओं को प्राथना, समता, निर्युद्ध, कबड्डी, येटी, योग सहित अन्य शारीरिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। सत्र का प्रारंभ में बहन पूरम देवी मातृशक्ति प्रमुख काशी प्रांत, बहन दिव्या जी प्रांत संयोजिका, तथा विमल जी जिला अध्यक्ष एम सुनील शर्मा जी जिला मंत्री, सर्वेश सिंह, रत्नाकर सिंह, धनंजय सिंह मौजूद रहे।

समर शिविर में छात्राओं को सिखाएं आत्मरक्षा के गुर

प्रबंधक ने छात्रों को आत्मनिर्भर बनने का दिलाया संकल्प

अवधानामा संवाददाता



जौनपुर (मुंगराबादाशाहपुर)। सिटी पब्लिक स्कूल एंड कॉलेज में शुक्रवार को निष्कृत समर शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूल की छात्राओं को स्वावलंबन बनने के लिए आत्मरक्षा के गुर सिखाए गए। विद्यालय प्रबंधक आलोक कुमार गुप्ता पिंठू ने छात्रों को आत्मनिर्भर बनने का संकल्प दिलाया। कहा कि इससे बेटीयों और महिलाएं संकट के वक्त में अपनी व अपने लोगों की सुरक्षा खुद कर सकती हैं। पहले छात्राएं अपने घरों से बाहर

निकल नहीं पाती थीं। जिसके कारण वह शिक्षा से वंचित रहती थीं। अब इसमें बदलाव आया है। मुख्य शिक्षक ग्रेड मास्टर सी एल बिंदु व उनके सहयोगी शिवा सिंह पटेल, विनय पटेल, किवन बिंदू, नीरज सरोज व खुशबू सरोज ने आत्मरक्षा के लिए छात्रों को जुड़ो कराटे के कई प्रकार के गुर सिखाए। उन्होंने बताया कि छात्राएं इस कला से विषम परिस्थितियों में अपनी आत्मरक्षा कर सकती हैं। पहले संकट के समय अपनी रक्षा कर सकें। छात्रों के साथ आए दिन स्कूल में या फिर सड़क पर कोई ना कोई घटना की बात सामने आती है। ऐसे में इस तरह के प्रशिक्षण से उनको फायदा मिलेगा। इस अवसर पर प्रबंधक आलोक कुमार गुप्ता पिंठू, आदित्य गुप्ता, प्रधानाचार्य शिव चंद तिवारी, सीएल बिंदू, रंजीत गुप्ता, सुभाष मिश्रा, ज्ञान कुमार व संदीप परिस्थितियों में अपनी आत्मरक्षा कर सकें। छात्रों के साथ आए दिन स्कूल में या फिर सड़क पर कोई ना कोई घटना की बात सामने आती है। ऐसे में इस तरह के प्रशिक्षण से उनको फायदा मिलेगा। इस अवसर पर प्रबंधक आलोक कुमार गुप्ता पिंठू, आदित्य गुप्ता, प्रधानाचार्य शिव चंद तिवारी, सीएल बिंदू, रंजीत गुप्ता, सुभाष मिश्रा, ज्ञान कुमार व संदीप परिस्थितियों में अपनी आत्मरक्षा कर सकें। छात्रों के साथ आए दिन स्कूल में या फिर सड़क पर कोई ना कोई घटना की बात सामने आती है। ऐसे में इस तरह के प्रशिक्षण से उनको फायदा मिलेगा। इस अवसर पर प्रबंधक आलोक कुमार गुप्ता पिंठू, आदित्य गुप्ता, प्रधानाचार्य शिव चंद तिवारी, सीएल बिंदू, रंजीत गुप्ता, सुभाष मिश्रा, ज्ञान कुमार व संदीप परिस्थितियों में अपनी आत्मरक्षा कर सकें।

कार्यालय ग्राम पंचायत- लटिया वि.ख. डुमरियागंज, जनापद-सिद्धार्थनगर

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत लटिया विकास खण्ड डुमरियागंज द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना/राज्य वित्त/केन्द्रीय वित्त/पिछड़ा क्षेत्र अनुदान/स्वच्छ भारत अभियान योजना-अन्तर्गत वर्ष 2024-25 में स्वीकृत तथा कराए जाने वाले कार्यों व आरआरसी, वर्मी कंपोस्ट, नेडक एवं एम.एल.डब्ल्यू. एम के अंतर्गत अन्य कार्यों हेतु प्रथम श्रेणी ईट बालू सीमेंट सरिया, मोरंग, इंटरलाकिंग, ईट ह्रूम पाइप स्ट्रीट लाइट सोलर लाइट, टाइल्स से संबंधित सामग्री, जेस अपशिष्ट प्रबंधन इत्यादि की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित किया जाता है इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा दिनांक 19.06.2024 को 12:00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर बाइंड प्रपत्र बंद लिफाफे में ग्राम पंचायत लटिया के कार्यालय के निविदा बॉक्स में डाली जाएगी निविदा उसी दिन 01:00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जाएगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेंगी धरोहर की धनराशि रु. 5000 (पाँच हजार) रुपये होगी।

- नियम एवं शर्तें -**
- जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराया जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जाएगा।
 - आपूर्तिकर्ता का सेल टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
 - ग्राम पंचायत सचिव ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी कर्मचारी आपूर्तिकर्ताओं की मौजूदगी में टेंडर खोला जाएगा।
 - सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित स्थल पर ही करनी होगी।
 - जो दरें प्रस्तुत की जाय वह जीएसटी/ एसजीएसटी तथा कटौत चार्ज तथा अन्य जोड़कर प्रस्तुत किया जाय।
 - सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत ग्राम प्रधान के आदेश पर ही की जाएगी।
 - सामग्री की मात्रा घटई बढ़ाई जा सकती है।
 - प्रस्तुत दर पीडब्ल्यू द्वारा स्वीकृत से अधिक मान्य नहीं होगा।
 - आपूर्तिकर्ता को निश्चित दर पर जीएसटी देना होगा।
 - ग्राम पंचायत ग्राम प्रधान सचिव सदस्य बीडीसी जिला पंचायत सदस्य तकनीकी सहायक ग्राम रोजगार सेवक आदि कर्मचारियों के सगे संबंधी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेंगी।
 - निविदा को बिना कारण बताए निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव व ग्राम प्रधान के पास होगा।
 - स्वीकृत आपूर्तिकर्ता का भुगतान तकनीकी सहायक/अपर अभियंता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता होने तथा मापन के उपरान्त किया जाएगा गुणवत्ता खराब होने पर भुगतान नहीं किया जाएगा।
 - धरोहर की धनराशि नागद राष्ट्रीयकृत बैंक के एफडी/डकघर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत लटिया के नाम बंधक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
 - आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के 7 दिन के अंदर सामग्री आपूर्ति करने की दशा में धरोहर राशि जम्ब कर ली जाएगी।
 - निविदा फॉर्म ग्राम पंचायत लटिया कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 100 (एक सौ) रूपया है पर स्वीकृत किया जाएगा।
 - सामग्री आपूर्ति के संबंध में शर्तें व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस पर ग्राम पंचायत लटिया के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
 - स्ट्रीट लाइट, अंत्योष्ठि स्थल, पंचायत भवन बारातघर, इंटरलाकिंग, सीमेंट सीट, टीन शेड आदि।

ग्राम प्रधान- जमीला खातून
गा.पं. लटिया
वि.ख. डुमरियागंज

सचिव- विनीत सिंह
गा.पं. लटिया
वि.ख. डुमरियागंज

कार्यालय ग्राम पंचायत- शाहा वि.ख. नौगढ़, जनापद-सिद्धार्थनगर

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत शाहा विकास खण्ड नौगढ़ द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना/राज्य वित्त/केन्द्रीय वित्त/पिछड़ा क्षेत्र अनुदान निधि एवं जेस अपशिष्ट प्रबंधन/स्वच्छ भारत अभियान योजना-अन्तर्गत वर्ष 2024-25 में स्वीकृत तथा कराए जाने वाले कार्यों व आरआरसी, वर्मी कंपोस्ट, नेडक एवं एम.एल.डब्ल्यू. एम के अंतर्गत अन्य कार्यों हेतु प्रथम श्रेणी ईट बालू सीमेंट सरिया, मोरंग, इंटरलाकिंग, ईट ह्रूम पाइप स्ट्रीट लाइट सोलर लाइट, टाइल्स से संबंधित सामग्री इत्यादि की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित किया जाता है इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा दिनांक 19.06.2024 को 12:00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर बाइंड प्रपत्र बंद लिफाफे में ग्राम पंचायत शाहा के कार्यालय के निविदा बॉक्स में डाली जाएगी निविदा उसी दिन 01:00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जाएगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेंगी धरोहर की धनराशि रु. 5000 (पाँच हजार) रुपये होगी।

- नियम एवं शर्तें -**
- जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराया जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जाएगा।
 - आपूर्तिकर्ता का सेल टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
 - ग्राम पंचायत सचिव ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी कर्मचारी आपूर्तिकर्ताओं की मौजूदगी में टेंडर खोला जाएगा।
 - सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित स्थल पर ही करनी होगी।
 - जो दरें प्रस्तुत की जाय वह जीएसटी/ एसजीएसटी तथा कटौत चार्ज तथा अन्य जोड़कर प्रस्तुत किया जाय।
 - सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत ग्राम प्रधान के आदेश पर ही की जाएगी।
 - सामग्री की मात्रा घटई बढ़ाई जा सकती है।
 - प्रस्तुत दर पीडब्ल्यू द्वारा स्वीकृत से अधिक मान्य नहीं होगा।
 - आपूर्तिकर्ता को निश्चित दर पर जीएसटी देना होगा।
 - ग्राम पंचायत ग्राम प्रधान सचिव सदस्य बीडीसी जिला पंचायत सदस्य तकनीकी सहायक ग्राम रोजगार सेवक आदि कर्मचारियों के सगे संबंधी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेंगी।
 - निविदा को बिना कारण बताए निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव व ग्राम प्रधान के पास होगा।
 - स्वीकृत आपूर्तिकर्ता का भुगतान तकनीकी सहायक/अपर अभियंता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता होने तथा मापन के उपरान्त किया जाएगा गुणवत्ता खराब होने पर भुगतान नहीं किया जाएगा।
 - धरोहर की धनराशि नागद राष्ट्रीयकृत बैंक के एफडी/डकघर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत शाहा के नाम बंधक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
 - आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के 7 दिन के अंदर सामग्री आपूर्ति करने की दशा में धरोहर राशि जम्ब कर ली जाएगी।
 - निविदा फॉर्म ग्राम पंचायत शाहा कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 100 (एक सौ) रूपया है पर स्वीकृत किया जाएगा।
 - सामग्री आपूर्ति के संबंध में शर्तें व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस पर ग्राम पंचायत शाहा के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
 - स्ट्रीट लाइट, अंत्योष्ठि स्थल, पंचायत भवन बारातघर, इंटरलाकिंग, सीमेंट सीट, टीन शेड आदि।

ग्राम प्रधान- अर्जुन शुक्ला
गा.पं. शाहा
वि.ख. नौगढ़

सचिव- अम्बुजा जायसवाल
गा.पं. शाहा
वि.ख. नौगढ़

कार्यालय ग्राम पंचायत नहोरा, वि.ख. जलालपुर, जौनपुर

अल्पकालीन निविदा/टेंडर

वित्तीय वर्ष 2024-25 मन्रेगा/पंचम राज्य वित्त आयोग 15वां व केन्द्रीय वित्त आयोग अन्तेष्ठी स्थल/राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान/मन्रेगा योजना अन्तर्गत ग्राम पंचायत द्वारा योजना के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय/पंचायत भवन/मन्रेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुक्षण-सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के हेतु निर्माणाधीन निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 15-06-2024 से 22-06-2024 तक कार्यालय दिवस में अपराह्न दो बजे तक ग्राम प्रधान पंचायत कार्यालय पर सील बंद निविदा जमा कर सकते हैं। दिनांक 24-06-2024 को निविदा हेतु गतिज कमिटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष दोपहर 12:00 बजे तक खोली जाएगी। निविदा फॉर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्रकलन) के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (मिन्मतमदर पर)
1	ईट, 150 एम.एम. प्रथम श्रेणी/एस.ओ.बी. ईट	प्रति हजार	
2	सीमेंट, शौचालय में कार्य करने वाले समूह का मानदेय	प्रति बैग	
3	मोरंग बालू, महीन बालू, गंगा बालू	प्रति घन मी.	
4	स्टोन बलास्ट, डाला गिट्टी, पत्थर गिट्टी 20 एम.एम. से 53 एम.एम. तक ईट गिट्टी 20 एम.एम./42 एम.एम.। अन्तेष्ठीय स्थल खडंडा, गौशाला केन्द्र	प्रति घन मी.	
5	सरिया विभिन्न साइज	प्रति कुन्तल	
6	करकर/एसबेस्टर सीट, पैन्ट आयरन, समरसेबुल, बोरिंग प्लेटफार्म सहित	प्रति नग	
7	पैवर्स ब्लक ईट/इण्टरलाकिंग ईट/जागजेडा इण्टरलाकिंग ईट	प्रति हजार	
8	सोलर लाईट/विद्युत सामग्री/स्ट्रीट लाईट/ हाईमास्क सोलर लाईट	प्रति नग	
9	शौचालय निर्माण सामग्री/पंचायत भवन निर्माण सामग्री		
10	ह्रूम पाइप 150 एम.एम. 300 एम.एम. 350 एम.एम. 600 एम.एम. 800 एम.एम. NP3	प्रति मी.	
11	टाइल्स विभिन्न साइज	प्रति वर्ग मी.	
12	गिट्टी की भरई, समतलीकरण का कार्य	प्रति घन मी.	
13	सफाईकर्मी स्वच्छता कीट/सेनेटाइजर, इस्टबीन सहित अन्य संबंधित सामग्री प्रिकास्ट कंकरीट बेच	प्रति नग	
14	कटीला तार एवं ईंगल/प्रिकास्ट कंकरीट बेच	प्रति नग	
15	जिम के संबंधित सामग्री/इण्डिया मार्क-2 हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री/रिबोर	प्रति नग	
16	मैदान के सुन्दरीकरण हेतु घास	प्रति घन मी.	
17	चूना, पेन्ट इत्यादि स्वच्छता हेतु कूड़ादान व्यवस्था	प्रति नग	
18	बालू पेंटिंग व प्रचार-प्रसार इत्यादि	प्रति वर्ग मी.	
19	विडियो कैमरा, दिशासूचक बोर्ड/पब्लिक अड्रेस सिस्टम	प्रति नग	
20	गौशाला में चूना-चोकर, भूसा, मन्रेगा पार्क में खेलकूद, जिम, झूला व अन्य सामग्री		
21	हैण्डपम्प की निष्प्रयोज्य सामग्री की खुली नीलामी		
22	S.L.W.M. अन्तर्गत कार्य करने वाले कर्मियों का मानदेय		

प्रतिबंध एवं शर्तें: सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। सामग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात् तय की जाएगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जाएगी अथवा नहीं। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर्ता द्वारा 50 रुपये के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा सामग्री आपूर्ति के पश्चा

एडब्ल्यूएस ने अरली-स्टेज स्टार्टअप के लिए ग्लोबल जनरेटिव एआई एक्सचेंज में 230 मिलियन डॉलर की प्रतिबद्धता की घोषणा की

नई दिल्ली। एडब्ल्यूएस ने एशिया पैसिफिक और जापान (एपीजे) में 120 अरली-स्टेज जनरेटिव एआई स्टार्टअप को सपोर्ट करने के लिए कॉम्प्लैमेंट्री एडब्ल्यूएस जनरेटिव एआई स्पॉन्सर्ड प्रोग्राम भी लॉन्च किया, जिसमें 40 स्पॉन्सर्ड भारतीय स्टार्टअप के लिए हैं। 13 जून को अमेज़न वेब सर्विसेज़ इंक. (एडब्ल्यूएस) ने जनरेटिव एआई स्टार्टअप और ग्लोबल जनरेटिव एआई एक्सचेंज के विस्तार के लिए 230 मिलियन अमेरिकी डॉलर की प्रतिबद्धता की घोषणा की, जिसका उद्देश्य 80 फाउंडर्स एवं इनोवेटर्स (जिसमें 20 एशिया-पैसिफिक और जापान (एपीजे) से हैं) को इस क्षेत्र में स्टार्टअप के लिए अनुकूलित टेक्निकल एवं बिजनेस प्रोग्रामिंग द्वारा अपनी वृद्धि में तेजी लाने में मदद करना है।

एडब्ल्यूएस जनरेटिव एआई एक्सचेंज के लिए आवेदन आज से शुरू हो गए हैं और 19 जुलाई तक स्वीकार किए जाएंगे। 1 अक्टूबर से

शुरू होने वाले 10 सप्ताह के ग्लोबल प्रोग्राम के दौरान चयनित जनरेटिव एआई स्टार्टअप के संस्थापकों को निम्नलिखित की उपलब्धता होगी। मशीन लर्निंग, स्ट्रैक ऑप्टिमाइज़ेशन, और गो-टू-मार्केट स्ट्रेटजी से संबंधित कौशल के विकास पर केंद्रित सत्र। एडब्ल्यूएस के क्यूएट, स्टोरेज और डेटाबेस तथा सर्वश्रेष्ठ ग्राइंस-परफॉर्मंस एमएल एक्सचेंज एडब्ल्यूएस ट्यूनिंग और एडब्ल्यूएस इन्फेरेण्डिया 2 जैसी एडब्ल्यूएस सेवाओं का लाभ उठाने के लिए 1 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक के एडब्ल्यूएस क्रेडिट प्राप्त करने का अवसर। फाउंडर के उद्योगों में बिजनेस एवं टेक्निकल मेंटरशिप। औद्योगिक विशेषज्ञों के साथ नेटवर्किंग के अवसर। आज एडब्ल्यूएस ने एशिया पैसिफिक और जापान (एपीजे) में नए एडब्ल्यूएस जनरेटिव एआई स्पॉन्सर्ड प्रोग्राम के लॉन्च की घोषणा की। इस कार हफ्ते के एक्सचेंज प्रोग्राम का उद्देश्य क्षेत्र में प्रि-सीड और सीड-स्टेज के लिए स्टार्टअप को पोषित करना है, जो जनरेटिव एआई एप्लीकेशन का

निर्माण कर रहे हैं। यह प्रोग्राम चयनित स्टार्टअप को उद्योग के विशेषज्ञों, फाउंडर्स और निवेशकों से बिजनेस एवं टेक्निकल ज्ञान और विशेषज्ञता प्रदान कर उन्हें एडब्ल्यूएस के जनरेटिव एआई टूल्स एवं सेवाओं का अपना ज्ञान और उनके उपयोग का कौशल बढ़ाने में मदद करेगा। साथ ही उन्हें क्षेत्र में साथी समूह के सदस्यों से इनोवेटर्स के समुदाय का सहयोग मिल सकेगा। समूह के प्रतिभागी एडब्ल्यूएस स्टार्टअप प्लैंगिण्ड एडब्ल्यूएस एक्टिवेटेड प्रोग्राम का उपयोग कर सकेंगे और उन्हें 100,000 अमेरिकी डॉलर तक के एडब्ल्यूएस क्रेडिट प्राप्त हो सकेंगे, जिसके लिए एडब्ल्यूएस का विवेक एवं एक्सचेंज के नियम व शर्तें लागू होंगी। एपीजे में एडब्ल्यूएस जनरेटिव एआई स्पॉन्सर्ड प्रोग्राम क्षेत्र के मुख्य शहरों में वेंचर कैपिटल फर्मस और संगठनों के साथ गठबंधन में है। भारत में एडब्ल्यूएस इस प्रोग्राम के लिए वेंचर कैपिटल फर्म एक्सल के साथ सहयोग कर रहा है। पिछले साल एडब्ल्यूएस ने एक्सल के साथ गठबंधन में एक छः

महीने लंबा एक्सचेंज प्रोग्राम, एमएल एक्टिवेटेड 2023 लॉन्च किया था, जिसने भारत में 35 जनरेटिव एआई स्टार्टअप को सपोर्ट किया। एपीजे में एडब्ल्यूएस जनरेटिव एआई स्पॉन्सर्ड प्रोग्राम क्षेत्र में 120 तक प्रि-सीड एवं सीड-स्टेज रेडी स्टार्टअप का चयन करेगा, जिसमें से 40 भारत से होंगे। इच्छुक स्टार्टअप अधिक विवरण और प्रोग्राम में आवेदन करने के लिए यहाँ क्लिक करें। मैट टेलर, हेड ऑफ स्टार्टअप सॉल्यूशंस आर्किटेक्चर, एपीजे, एडब्ल्यूएस ने कहा, 'एडब्ल्यूएस ने 18 सालों से किसी भी अन्य क्लाउड प्रदाता के मुकाबले ज्यादा स्टार्टअप को निर्माण, लॉन्च और विस्तार करने में मदद की है। यह कोई इतना नहीं है कि 96 प्रतिशत एआई/एमएल यूनिकॉर्न एडब्ल्यूएस पर संतुलित होते हैं। एडब्ल्यूएस ग्लोबल जनरेटिव एआई एक्सचेंज, एपीजे में एडब्ल्यूएस स्पॉन्सर्ड प्रोग्राम के साथ क्षेत्र में स्टार्टअप को एआई इनोवेशन में तेजी लाने में मदद करने की एडब्ल्यूएस की निरंतर प्रतिबद्धता का हिस्सा है।'

जिले में पारा 44 के पार, सड़को पर धूप का कपर्पू



अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। जिले के लोगों को जेत की दुपहरी का एहसास होने लगा है। कुशीनगर के लोगों को अभी आने वाले एक सप्ताह तक मौसम के चढ़ते पारे से परेशान होना पड़ेगा। गुरुवार को जिले का अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि आने एक हफ्ते तक पारे में गिरावट के आसार नहीं हैं। अगर पारा और बढ़ा तो गर्मी का पुराना रिकार्ड टूट सकता है। बीते दिनों जिले में हुई छिटफुट बारिश ने लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत तो दी थी, लेकिन अचानक

मौसम का पारा चढ़ने लगा है। गुरुवार को मौसम का तापमान 44 डिग्री सेल्सियस रहा। आने वाले एक सप्ताह तक मौसम का अधिकतम तापमान से 43 से 45 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। पिछले तीन दिनों से तापमान की दूरी पर है। भरे लिए सवेरा एक गीत से बढ़कर है। यह भरे प्रियजनों के साथ भरे सुंदर अनुभवों का व्यक्तित्व प्रतिबिंब है। मुझे उम्मीद है कि यह गीत हर श्रोता को बहुत पसंद आएगा। इंडी संगीत की दुनिया में उभरती हुई, अनुभा बजाज ने कहा, 'सवेरा प्यार से हमारे जीवन में उत्पन्न हुई भावनाओं और सरलता का प्रतिबिंब है। इक्विलस के साथ काम करना बहुत प्रेरणादायक था, हम मिलकर एक ऐसा ट्रैक बनाया चाहते थे, जो एक मधुर आलिंगन की तरह महसूस हो। हमें उम्मीद है कि 'सवेरा' के साथ लोग प्यार के सुंदर, हमारा उद्देश्य एक ऐसा गीत बनाना था, जो हमारे साझा म्यूजिकल स्टायल

आने वाले एक सप्ताह का मौसम तापमान

दिन	अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान
शनिवार	42 डिग्री सेल्सियस	29 डिग्री सेल्सियस
रविवार	43 डिग्री सेल्सियस	29 डिग्री सेल्सियस
सोमवार	42 डिग्री सेल्सियस	29 डिग्री सेल्सियस
मंगलवार	41 डिग्री सेल्सियस	29 डिग्री सेल्सियस
बुधवार	40 डिग्री सेल्सियस	27 डिग्री सेल्सियस
गुरुवार	39 डिग्री सेल्सियस	28 डिग्री सेल्सियस
शुक्रवार	38 डिग्री सेल्सियस	28 डिग्री सेल्सियस

गर्मी बढ़ने से सबसे अधिक परेशानी बच्चों को होती है। ऐसे में जलजनिट बीमारियाँ जैसे दस्त, बुखार, उल्टी, सर्दी, खारसी, वायरल हेपेटाइटिस आदि होने की संभावना रहती है। इससे बचाव के लिए बार-बार कम से कम 20 सेकेंड तक हाथ धुले, इसके बाद ही खाने-पीने का समान उठाएँ। यदि पट्टियाँ में किसी बड़े को सर्दी खासी हुआ तो वे बच्चों से दूर रहें और मास्क का प्रयोग करें। नवजात बच्चों को बहुत गर्म कमरे में न रखें, नही तो बुखार की समस्या बढ़ सकती है।

डॉ. राजेश मद्देशिया, एमओआईसी मोतीचक

चंद्रा हॉस्पिटल ने लखनऊ में सिल्क लेजर आई सर्जरी की पेशकश की



लखनऊ अवधनामा संवाददाता। चंद्रा सुपर स्पेशलिटी आई हॉस्पिटल ने लखनऊ में अपने नेक्स्ट-जनरेशन सिल्क (स्मूथ इंसिजन्स लेंस) के केमोटोमिल्यूमिंस लेजर विजन करेक्शन प्रोसीजर की पेशकश की है। नये सिल्क में प्रोसीजर एडवांस्ड एल्ट्रा लेजर सिस्टम का इस्तेमाल कर एस्टिमेटिज्म के बिना या साथ में मायोपिया के मरीजों को नजर को ठीक किया जाता है। अस्पताल में हुई एक प्रेस वार्ता के दौरान डॉ. राजेश भाटिया ने सिल्क की श्रमताओं पर रोशनी डाली। डॉ. भाटिया एमबीबीएस, एमएस हैं और रिफ्रेक्टिव आई केयर के क्षेत्र में जाने-माने सर्जन हैं। उन्होंने लखनऊ में आंखों की रौशनी को ठीक करने के उन्नत समाधानों की बड़ा रही मांग पर चर्चा भी की। उन्होंने ऐसे लोगों के लिये फायदे पर जोर दिया, जो चर्चम और कॉन्टैक्ट लेंस नहीं चाहते हैं। सिल्क टेक्नोलॉजी के बारे में गहराई से समझते हुए उन्होंने बताया कि रिफ्रेक्टिव सर्जरी से मायोपिया किस तरह ठीक हो सकता है और मरीज चर्चमे या लेंस के बिना दूर की चीजों को साफ तौर पर देख सकते हैं। सिल्क आज की तारीख में उपलब्ध सबसे उन्नत नवाचार है। यह आंखों की रौशनी वापस पाने में मरीजों की मदद कर रहा है और इसमें रिस्क भी ज़्यादा तेजी से हो जाती है। यह प्रोसीजर आसान है और इसमें नेक्स्ट-जनरेशन एल्ट्रा लेजर विजन करेक्शन सिस्टम का इस्तेमाल होता है। यह बड़ी सौम्यता से कॉर्निया में डिस्क के आकार का एक छोटा-सा लेंस डाल देता है।

दिल को स्वस्थ रखने के लिए अपनी डाइट में शामिल करें तीन चीजें

नई दिल्ली। आजकल की भागदौड़ भरी दुनिया में कई लोग बहुत व्यस्त जिंदगी जीते हैं और इसका प्रभाव उनके दिमाग की सेहत पर पड़ सकता है। काम की आधाधापी, डिजिटली लगातार जुड़े रहना और घर-काम के संतुलन का दबाव कई बार क्रांिक तनाव, एंजाइमी और खुद को देखभाल में लापरवाही के रूप में सामने आता है। साथ ही इन सबसे लड़ने के अस्वस्थकर तरीकों की वजह से अक्सर तनाव हो जाता है। ऐसे में जरूरत से अधिक खाना, धूम्रपान या शराब का अत्यधिक सेवन जोखिम को और बढ़ाने का काम करते हैं। साथ ही तनाव व खराब जीवनशैली का आगे बढ़ने से जुड़ी समस्याओं को बढ़ा देती हैं। ऐसे में तनाव का नियंत्रण,



नियमित एक्सरसाइज, हृदय को स्वस्थ बनाए रखने के लिए आधुनिक जीवन जीने का एक संतुलित तरीका अपनाते हैं। आरंभ भोजन में शामिल होने योग्य जो नट हैं वो हैं बादाम। बादाम में उच्च मात्रा में कैल्शियम, विटामिन ई, मैग्नीशियम और फाइबर होता है। इससे कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद मिल सकती है और ये हृदय रोगों के खतरे को कम करने के लिए आपको ड्राइट में सेहतमंद फैट्स को शामिल करता है। बादम के साथ-साथ अन्य नट्स से हृदय संबंधी समस्याओं को बेहतर बनाने में मदद मिलती है। इसका अर्थ है कि इससे राक वालिहार (ब्लड वेसलस) आराम की स्थिति में आ जाती हैं और धमनी का कड़कपन कम हो जाता है। आपको काम पर जान से पहले सुबह की दिनचर्या के रूप में इन नट्स को खाना चाहिए या फिर आप इसे अपने रोजाना के शाम के स्नैक के रूप में भी ले सकते हैं। ये एक चुलनशील फाइबर है, जोकि आपको रक्तचाप में मौजूद कोलेस्ट्रॉल के अवशोषण को कम करके आपके

मोहक इंडी साउंड में प्यार की सरल व शुद्ध खुशियों का अनुभव पाइये

नई दिल्ली। ख्वाब और लम्हे फेम के इक्विलस नोवा और अनुभा बजाज ने मिलकर अपना पहला सिंगल, 'सवेरा' रिलीज किया है। यह मीठा रोमांटिक ट्रैक प्रतिदिन के प्यार का चित्रण कर श्रोताओं को संगीत की मधुर दुनिया में ले जाता है, जो शाम की रिमैजिन बारिश में चाय के गर्मागर्म कप के समान है।

'सवेरा' प्यार को सबसे मामूल और विशुद्ध रूप में पेश करता है, फिर चाहे वह अपने दोस्त व परिवार के लिए हो या साथी के लिए। अपनी मीठी धुन और हृदयस्पर्शी बोलों के साथ 'सवेरा' श्रोताओं को प्यार के दैनिक अहसासों में डूब जाने और साथ में होने की मामूली खुशियों को



महसूस करने के लिए आमंत्रित करता है। 'सवेरा' सूर्य को अस्त होते हुए देखने, खाना बनाने, डांस करने, या अपने प्रियजनों के साथ यादें संजोने के अवसर के लिए उत्तम है। यह गीत आपको संबंधों की मधुरता और सरलता के सफर पर ले जाता है, जिसके हर क्षण में एक जादू है। 'सवेरा' आपको सच्चे संबंधों के जादू का अहसास कराता है। 'सवेरा' के

संगीत में गिटार की नाजुक झंकार के साथ, मधुर और आकर्षक स्वर हैं, जो भावनाओं और यादों को जगा देते हैं। इस ट्रैक में आधुनिक इंडी पॉप और भारतीय शास्त्रीय संगीत के तत्वों का कलात्मक मेल है, जिससे एक समकालीन और कालातीत साउंडस्केप का निर्माण हुआ है। गायक, गीतकार और संगीतकार के रूप में प्रतिभाशाली इक्विलस नोवा और अनुभा बजाज ने इस ट्रैक को पोलर प्रोडक्शन के साथ नई ऊंचाइयों पर पहुँचा दिया है। अपने वायरल गीत, 'ख्वाब' के लिए मशहूर, इक्विलस नोवा ने कहा, 'सवेरा के लिए अनुभा के साथ काम करके बहुत कुछ सीखने को मिला। हमारा उद्देश्य एक ऐसा गीत बनाना था, जो हमारे साझा म्यूजिकल स्टायल

हर्षोल्लास के साथ मना विधायक का जन्मदिन

बढ़नी सिद्धार्थनगर। बढ़नी कस्बे के वाई नंबर 11 स्थित सरस्वती शिशु मंदिर के प्रांगण में शोहरतगढ़ विधानसभा के जनप्रिय विधायक विनय वर्मा का 41 वा जन्मदिन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ नगर के संभावित लोगों व कार्यकर्ताओं ने केक काटकर मनाया और उनके दीर्घायु होने की ईश्वर से प्रार्थना की। बृहस्पतिवार को बढ़नी कस्बे के समाज सेवी प्रदीप कामलापुरी, संजय मिश्रा एवं भाजपा नेता विवेक गुप्ता ने शोहरतगढ़ विधानसभा के जनप्रिय विधायक विनयवर्मा के जन्म दिवस के अवसर पर प्रार्थमिक स्वास्थ्य केंद्र बढ़नी पहुंचकर अस्पताल में मौजूद रोगियों को फल वितरण किया

सीईएटी स्पेशलिटी ने कल्की 2898 ए.डी. के साथ मिलकर ए.आई. वाहन के लिए लांच किए भविष्य के टायर

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। सीईएटी स्पेशलिटी ने बहुप्रतीक्षित फिल्म कल्की 2898 ए.डी. के साथ एक दिलचस्प साझेदारी की है। इस साझेदारी के तहत प्रभास अभिनीत इस फिल्म में दिखाए जाने वाले रोबोटिक वाहन 'बुज्जी' के लिए अत्याधुनिक टायर विकसित एवं लांच किए जाएंगे। इस साझेदारी से सीईएटी की अत्याधुनिक तकनीक एक बार फिर उजागर हो रही है और इससे मोबिलिटी के भविष्य को आकार देने की कंपनी की प्रतिबद्धता पुख्ता होती है। कल्की 2898 ए.डी. को नाग अधिन ने निर्देशित किया है, इसमें भविष्य की दुनिया की कहानी दर्शाई गई है जहां तकनीक बेहद उन्नत है और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस दैनिक जीवन का हिस्सा है। इस फिल्म में काम कर रहे अभिनेताओं की सूची अत्यंत आकर्षक है जिसमें शामिल हैं- प्रभास, दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन और कमल हासन। इस फिल्म एक और खास किरदार है 'बुज्जी' एच.ए.आई. से चलने वाली कार है। यह कार भविष्यवादी डिजाइन एवं नवोन्मेष का शिखर है, जिसके लिए टायर भी उतने ही उन्नत एवं दूरदर्शी चाहिए जैसी की कार है। बुज्जी को हॉलीवुड के हाइड्रो वांग ने डिजाइन किया है जो इससे पहले ब्लैक पैथ के लिए भी वाहन डिजाइन कर चुके हैं। बुज्जी नाम की यह कार ऑटोमोटिव डिजाइन व टेक्नोलॉजी के भविष्य में एक लम्बी छलांग है। फिल्मकार एक ऐसी कार चाहते थे जो वांग के डिजाइन को जीवंत बना दे और सीईएटी स्पेशलिटी ने इस चुनौती को पूरा किया, और ऐसे टायरों की रचना की जो इस अमूर्तपूर्व वाहन को पूर्णता प्रदान करते हैं और सीईएटी स्पेशलिटी के मुख्य कार्यकारी अमित



तोलानी ने इस परिवर्तनकारी प्रोजेक्ट पर अपने विचार साझा करते हुए कहा, 'बुज्जी के लिए कल्की 2898 ए.डी. के साथ जुड़ना हमारे लिए एक अतुलनीय अवसर था। इससे हमें अपनी सीमाओं को विस्तार देने और नई तकनीकों व सामग्री का जायज़ा लेने का मौका मिला। दृष्टिमान चैटर्जी और उनकी आर एंड डी टीम ने अपनी रचनात्मकता एवं इंजीनियरिंग कौशल से इस विज्ञान को जीवंत कर दिया। इस प्रोजेक्ट ने टायर इनोवेशन में हमारे भविष्य का मंच का स्थापित कर दिया है। हमारी टीम और हमारे टायर सही मासों में जिम्मेदारों के लिए तैयार किए गए हैं, वे हमें अनुभव-अनजाने क्षेत्रों में ले जाते हैं और भविष्य की कल्पना करने की क्षमता प्रदान करते हैं। सीईएटी स्पेशलिटी में आर एंड डी के प्रमुख दृष्टिमान चैटर्जी ने कहा, 'बुज्जी के लिए टायर की रचना करना प्रेरक भी था और यह बेहद अपेक्षाओं भरा काम भी था। इस अवसर से हमें एक विशिष्ट प्लैटफॉर्म मिला जहां हम नई तकनीक व सामग्रियों को परख सकें और टायर डिजाइन के क्षेत्र में अब तक जो कुछ मुमकिन था उससे आगे जाने की कोशिश करें। सीईएटी स्पेशलिटी को अपने वॉग में सर्वश्रेष्ठ ओटीआर टायर विकसित करने में अपने इंजीनियरिंग कौशल के लिए जाना जाता है और इस प्रोजेक्ट ने हमें चुनौती दी की हम अपने मापदंडों को कुछ और ऊपर उठाएँ।

कार्यालय ग्राम पंचायत-सिकरी बखरिया, विकास खण्ड-लोटन बाजार, सिद्धार्थनगर

पत्रांक: मेमो/2024-25 दिनांक: 14.06.2024

अल्पकालीन निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत सिकरी बखरिया विकास खण्ड **लोटन बाजार** द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना/ चोदहवा वि/पन्द्रहवा वि/त/वैस अपशिष्ट प्रबंधन/स्वच्छ भारत मिशन योजनाअन्तर्गत वर्ष 2024-25 में स्वीकृत तथा करिये जाने वाले कार्यों हेतु सामग्री पूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा दिनांक **14.06.2024** से दिनांक **29.06.2024** तक अपराह्न 11:00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर तथा वांछित प्रपत्र बंद लिफाफे में ग्राम पंचायत के निविदा बाक्स में डाली जा सकेगी। निविदा दिनांक **29.06.2024** को अपराह्न 12:00 बजे खोली जायेगी। धरोहर की राशि मु. 5000 (पांच हजार) रूपये होगी। **नियम एवं शर्तें:**

1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा करिये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।
2. आपूर्तिकर्ता सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन एवं जीएसटी नंबर अनिवार्य है तथा वह आयकरदल हो। प्रमाणित प्रति सलन करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीरिंस सलन करना होगा।
3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्डर खोला जाएगा।
4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्यस्थल पर ही करनी होगी।
5. जो दरें प्रस्तुत की जाये वह वैद तथा कौटेंज चार्ज तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाये।
6. सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत/ग्राम प्रधान के आदेश पर ही की जायेगी।
7. सामग्री की मात्रा घटायी व बढ़ायी जा सकती है।
8. प्रस्तुत दरें पीडब्ल्यूडी द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगी।
9. आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत आयकर देना होगा।
10. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान, सचिव, सदस्य, बीडीसी तकनीकी सहायक, ग्राम रोजगार सेवक आदि कर्मचारियों के पगो संबंधी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। उक्त आशय का नोटरी, शपथ पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
11. सीमेंट की आपूर्ति हेतु संबंधित के पास डीलरशिप/एजेंसी होना अनिवार्य है अन्यथा की दशा में आपूर्ति हेतु खरीदी गई सीमेंट का पक्का बिल प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
12. निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत/सचिव ग्राम प्रधान के पास होगा।
13. स्वीकृत आपूर्ति को भुगतान तकनीकी सहायक /अवर अभियंता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापने के उपरान्त किया जायेगा। गुणवत्ता खराब होने पर भुगतान नहीं किया जाएगा।
14. धरोहर की धनराशि, राष्ट्रीयकृत बैंक के एफडीआर एवं एनएससी/डिाक घर बचत पत्र के रूप में **ग्राम पंचायत सिकरी बखरिया** के नाम से बंधक हो, सलन करना अनिवार्य है।
15. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के 7 दिवस के अंदर सामग्री की आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर राशि जब्त कर ली जायेगी।
16. निविदा फर्म **ग्राम पंचायत सिकरी बखरिया** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 100 (एक सौ) रूपये है पर ही स्वीकार किया जायेगा।
17. सामग्री की आपूर्ति के संबंध में शर्तें एवं अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को **ग्राम पंचायत सिकरी बखरिया** के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

सफ़ीउल्लाह **गाम प्रधान** **इश्वर देव** **सचिव**
ग्राम पंचायत-सिकरी बखरिया **ग्राम पंचायत-सिकरी बखरिया**
विकास खण्ड-लोटन बाजार, सिद्धार्थनगर **विकास खण्ड-लोटन बाजार, सिद्धार्थनगर**

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। बीएमडब्ल्यू मोटोराड इंडिया ने भारत में नई बीएमडब्ल्यू आर 1300 जीएस लॉन्च किया है। यह एडेक्टिव मोटरसाइकिल कम्पैलीटी बिल्ट-अप यूनिट (सीबीयू) के रूप में मिलेगी और जून 2024 से इसकी डिलिवरी आरंभ होगी। श्री विक्रम पावाह, प्रेसिडेंट, बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने कहा कि, बीएमडब्ल्यू मोटोराड ने चार दशक से भी ज्यादा पहले आर 80 जी/एस के साथ टुअरिंग एंड्युरेज का नया सेगमेंट स्थापित किया था। और तब से लेकर बोक्सर इंजन वाली बीएमडब्ल्यू जी प्रतिस्पर्धी फील्ड का निर्वाह लौड रही है। नई नई बीएमडब्ल्यू आर 1300 जीएस के साथ बीएमडब्ल्यू मोटोराड न जी को और भी तेज बनाने पर फोकस किया है। यह शक्ति, आराम और फ्यूरी का खूबसूरत संयोजन है, जो इसे किसी भी भू-भाग के लिए आदर्श मोटरसाइकिल बनाता है। अपनी विलक्षणता और आकर्षण के साथ ऑल-रून् बीएमडब्ल्यू आर 1300 जीएस सर्वोच्च अपेक्षाओं से भी आगे निकलेगी। आपको कुछ भी रोके नहीं सकता, विशेषकर ऑन-रोड



होने पर नई बीएमडब्ल्यू आर 1300 जीएस की आरंभिक एक्स-शोरूम कीमत इस प्रकार है बीएमडब्ल्यू आर 1300 जीएस प्रो २००,95000 लोगों की अलग-अलग पसंद के अनुरूप स्टायल के तीन विकल्प भी उपलब्ध हैं - स्टायल ट्रिपल ब्लैक, स्टायल जीएस ट्रांफ़ी और 719 ट्रेमुप्टाना। नई बीएमडब्ल्यू आर 1300 जीएस निम्नलिखित रंगों में उपलब्ध है - बेस लाइट वाइट मैटलिक में, वैकल्पिक स्टायलस - ट्रिपल ब्लैक ब्लैकस्टॉर्म मैटलिक पेंटवर्क में उपलब्ध है, जीएस ट्रांफ़ी रेंसिंग ब्लू मैटलिक पेंटवर्क और 719 ट्रेमुप्टाना ऑरिलस ग्रीन मैटलिक पेंटवर्क में उपलब्ध है।

कार्यालय आचार्य क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान अफीम की कोटी प्रतापगढ़

पत्रांक 159/ नीलामी सूचना/भण्डार/2024-2025 दिनांक 13-06-2024

नीलामी सूचना

क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान अफीम की कोटी प्रतापगढ़ के शैक्षिक कृषि प्रखेत्र के निष्प्रेयोज्य सामग्री की नीलामी दिनांक 02.07.2024 को निम्न कार्यक्रमानुसार क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान अफीम की कोटी प्रतापगढ़ स्थित सभागार हाल में गठित समिति के समक्ष की जानी है।

क्रम सं०	अनुभाग	न्यूनतम निर्धारित मूल्य	निर्धारित समय	जमानत धनराशि
1	शैक्षिक कृषि प्रखेत्र	16201.18	अपराह्न 12 बजे	2000.0

नीलामी की शर्तें

1. नीलामी में भाग लेने वाले व्यक्ति को पैन कार्ड एवं आधार कार्ड की छाया प्रति देना अनिवार्य होगा।
2. नीलामी में भाग लेने वाले व्यक्ति को नीलामी के पूर्व जमानत के रूप में जमानत धनराशि संस्थान के कार्यालय में नगद अथवा ड्राफ्ट के रूप में जमा करना होगा। नीलामी समाप्ति बाद सफल बोलीकर्ता की धनराशि समायोजित की जायेगी एवं शेष की वापस कर दी जायेगी।
3. नीलामी की जाने वाली सामग्री/वस्तुओं को कार्यालय कार्य दिवस में देखा जा सकता है।
4. उक्त नीलामी में बिना जमानत धनराशि जमा किये हुए किसी व्यक्ति/फर्म को भाग लेने का अधिकार नहीं होगा।
5. उपरोक्त सामग्री को प्राप्त नीलामीकर्ता को एक सप्ताह के अन्दर ले जाना अनिवार्य होगा।
6. उच्चतम बोली बोलेने वाले व्यक्ति को गठित समिति द्वारा नीलामी स्वीकार करने के पश्चात् उसी दिन एक मुश्त धनराशि जमा करना होगा तथा धनराशि जमा करने में असमर्थ होने पर जमानत धनराशि जब्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा।
7. यदि उक्त नीलामी की शर्तें/टर्म एण्ड कण्डिशन के विरुद्ध किसी भी प्रकार का विवाद उत्पन्न होता है तो अधोहस्ताक्षरी द्वारा गठित समिति को संस्तुति के आधार पर लिया गया निर्णय अन्तिम होगा तथा विवाद न सुलझने की स्थिति में न्यायालय क्षेत्र जनपद-प्रतापगढ़ होगा।
8. नीलामी के सम्बन्ध में अधोहस्ताक्षरी को बिना कारण बताये पूर्ण अधिकार होगा कि वह नीलामी की कार्यवाही को निरस्त करके अन्य तिथि एवं समय निर्धारित कर सकता है।
9. यदि कोई टैक्स/जी0एस0टी0 नियमानुसार देय होगा तो उसे भी सफल बोलीकर्ता को जमा करना होगा।

आचार्य
क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान
अफीम की कोटी प्रतापगढ़

बहराइच/सुल्तानपुर/ललितपुर/फिरोजाबाद

डीएम-एसएसपी ने धर्मगुरुओं व संभ्रान्त नागरिकों के साथ की बैठक

अवधनामा संवाददाता

फिरोजाबाद। आगामी गंगा दशहरा व ईद उल अजहा बकरीद एवं अन्य त्यौहारों को मद्दे नजर रखते हुए जनपद में साम्प्रदायिक सौहार्द एवं शान्ति व्यवस्था बनाये रखने हेतु जिलाधिकारी रमेश रंजन एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में हिन्दु-मुस्लिम धर्म गुरुओं व संभ्रात नारिकों के साथ बैठक कर त्यौहारों को प्रेम सौहार्द व भाई चारों के साथ मनाने की अपील की। जिलाधिकारी ने बैठक में आये सभी धर्मों के संभ्रात नारिकों को धन्यवाद देते हुए कहा कि आप सभी लोग अपने-अपने समाजिक दायित्वां का निर्वहन करने के लिए ईश बैटक में आये है और यहां से जाने के बाद अपने क्षेत्र में अपने लोगों को बताना होगा कि अपने शहर व जिले की खुषहाली के लिए

आईएसडीसी सम्मेलन में श्री चौतन्या स्कूल ने मवायी धूम



टूडला। श्री चैतन्या स्कूल के अकादमिक डॉयरेक्टर सीमा ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका नासा के निर्देशन में एन एसएस के द्वारा चलाए गए आईएसडीसी सम्मेलन में दुनिया के चारों ओर से करीब 30 देशों के सैकड़ों छात्र उपस्थित हुए। उनमें 167 छात्र श्री चैतन्या स्कूल के ही हैं। विशेष बात यह है कि दुनिया के अलावा भारत में या दुनिया भर में ऐसी कीर्ति स्थापित करने वाली संस्था और कोई दूसरी नहीं है। श्रीमती सीमा, डॉयरेक्टर ऑफ श्री चैतन्या ने इस संदर्भ में अमरिका के लॉस एंजिल्स, सीए में मनाए गये फैक्बु सम्मेलन में प्रस्रुत सभी छात्रों को, उनके माता-पिता को, अध्यापकों और सह कर्मचारियों को हार्दिक बधाइयों दी है।

सूचना के अधिकार कानून का मखौल उड़ा रहे मुख्य विकास अधिकारी: वरुण सुल्तानपुर। जन सूचना

अधिकार के तहत कई बार सूचना मांगने पर भी सूचना न मिलने पर कांग्रेस नेता वरुण मिश्र ने मुख्य विकास अधिकारी पर भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने और आरोपी को बचाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि पूरा प्रशासनिक अमला जिला प्रोवेशन अधिकारी को बचाने में लगा है, उन्होंने कहा कि वह भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई जारी रखेंगे, उन्होंने सूचना आयोग में भी अपील की है और सूचना आयोग के स्पष्ट निर्देश के बावजूद भी मुख्य विकास अधिकारी टाल मटोल कर रहे हैं। भ्रष्टाचार की जानकारी होने के बाद भी जिस तरह से आरोपी को बचाने का काम सीडीओ कर रहे हैं, वह इसके खिलाफ अदालत का दरवाजा खट खटाएँगे। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध अंतिम सांस तक लड़ाई जारी रहेगी।

खेल प्रेमियों ने डीएम से मिलकर कौ तरणताल को जल्द शुरू करने की मांग सुल्तानपुर। कराड़ की लागत से पंत स्टेडियम व्यायाम शाला में स्थित तरणताल के बन जाने के बाद भी इस भीषण गर्मी में शुरू न होने को लेकर खेल खेल प्रेमियों निराश हैं।उन्होंने जिलाधिकारी से मिलकर उसे जल्द से जल्द चालू करवाने की मांग की है। जिलाधिकारी ने अस्वस्त करते हुए कहा कि जल्द से जल्द बंद तरण ताल को शुरू कराया जाएगा। मिली जानकारी के अनुसार लगभग एक करोड़ रुपए लगाकर तरण ताल को फिल्टर प्लांट, टाइल्स बाउंड्री का निर्माण कराया गया है। लेकिन इसके बाद भी पिछले 4 सालों से पथ स्टेडियम व्यायामशाला में निर्माण कार्य चल रहा है, अभी तक हैड ओवर नहीं किया जा सका है।

अमन चौन कितना आवश्यक है इसके लिए हम सभी को प्रेम सौहार्द व भाईचारे के साथ एक दूसरों को गले मिलकर त्यौहारों को मनाना है। उन्होंने सभी उपस्थित सम्भ्रान्त नागरिकों का आहवाहन करते हुए अपील की है कि जिस प्रकार विगत वर्षों में सभी धर्मों के लोग आपसी भाई चारे से सभी त्यौहार मिल जुल कर मनाते रहे है, आगे भी उसी तरह से गंगा जमुनी तहजीब को कायम रखेंगे।

उन्होंने कहा कि सभी धर्मों के त्यौहारों का एक ही मकसद होता है कि दूसरों की भावनाओं को आहत किये बिना हर्षोल्लास के साथ त्यौहार मनायें। उन्होंने जनपद वासियों का आहवाहन करते हुए अपील की है कि किसी भी प्रकार की भ्रामक खबरों को प्रसारित करने से बचे और कोई भी इस प्रकार की सूचना यदि उन्हे प्राप्त होती है तो उसकी सूचना तत्काल जिला प्रशासन को दे ताकि उस सूचना

कार्यालय ग्राम पंचायत- नगवा वि.खं. बांसी, जनपद-सिद्धार्थनगर

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत नगवा विकास खण्ड बांसी द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय योजना गारंटी योजना/राज्य वित्त/क्रेन्दीय वित्त/पिछड़ा क्षेत्र अनुदान/स्वच्छ भारत अभियान योजनानर्गत वर्ष 2024-25 में स्वीकृत तथा कराए जाने वाले कार्यों व आरआरसी, वर्मी कपोस्ट, नेडफ एवं एस.एल.डब्लू. एम के अंतर्गत अन्य कार्यों हेतु प्रथम श्रेणी ईट बालू सोमेट सरिया, मोरंग, इंटरलाकिंग, ईट ब्रूम पावड स्ट्रीट लाइट सोलर लाइट, टाइल्स से संबंधित सामग्री इत्यादि की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित किया जाता है इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा दिनांक 15.06.2024 को 02:00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर वॉखित्र प्रपत्र बंद लिफाफे में ग्राम पंचायत नगवा के कार्यालय के निविदा बॉक्स में डाली जाएगी निविदा उसी दिन 04:00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जाएगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी धरोहर की धनराशि रु. 5000 (पाँच हजार) रूपये होगी।

नियम एवं शर्तें -

- जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराया जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जाएगा।
- आपूर्तिकर्ता का सेल टेक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
- ग्राम पंचायत सचिव ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी कर्मचारी आपूर्तिकर्ताओं की मौजूदगी में टेंडर खोला जाएगा।
- सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिध में स्वीकृत दर से निर्धारित स्थल पर ही करनी होगी।
- जो दर प्रस्तुत की जाय वह जीएसटी/ एसजीएसटी तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य जोड़कर प्रस्तुत किया जाय।
- सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत ग्राम प्रधान के आदेश पर ही की जाएगी।
- सामग्री की मात्रा घटाई बढ़ाई जा सकती है।
- प्रस्तुत दर पीडब्ल्यूडी द्वारा स्वीकृत से अधिक मान्य नहीं होगा।
- आपूर्तिकर्ता को निश्चित दर पर जीएसटी देना होगा।
- ग्राम पंचायत ग्राम प्रधान सचिव सदस्य बीडीसी जिला पंचायत सदस्य तकनीकी सहायक ग्राम योजनाग्र सेवक आदि कर्मचारियों के सगे संबंधी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
- निविदा को बिना कारण बताए निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव व ग्राम प्रधान के पास होगा।
- स्वीकृत आपूर्तिकर्ता का भुगतान तकनीकी सहायक/अपर अभियंता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता होने तथा मापन के उपरान्त किया जाएगा गुणवत्ता खराब होने पर भुगतान नहीं किया जाएगा।
- धरोहर की धनराशि नाद राष्ट्रीयकृत बैंक के एएफडी/डककर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत नगवा के नाम बंधक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
- आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के 7 दिन के अंदर सामग्री आपूर्ति करने की दशा में धरोहर राशि जन्त कर ली जाएगी।
- निविदा फार्म ग्राम पंचायत नगवा कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 100 (एक सौ) रूपया है पर स्वीकृत किया जाएगा।
- सामग्री आपूर्ति के संबंध में शर्त व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस पर ग्राम पंचायत नगवा के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
- स्ट्रीट लाइट, अल्योथि स्थल, पंचायत भवन बारातर, इंटरलाकिंग, सोमेट सीट, टीन शेड आदि।

ग्राम प्रधान- क्षमा पाण्डेय	सचिव- महमूद अली
ग्रा.पं. नगवा	ग्रा.पं. नगवा
वि.खं. बांसी	वि.खं. बांसी

कार्यालय ग्राम पंचायत- महुआरा वि.खं. डुमरियागंज, जनपद-सिद्धार्थनगर

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत महुआरा विकास खण्ड डुमरियागंज द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय योजना गारंटी योजना/राज्य वित्त/क्रेन्दीय वित्त/पिछड़ा क्षेत्र अनुदान/स्वच्छ भारत अभियान योजनानर्गत वर्ष 2024-25 में स्वीकृत तथा कराए जाने वाले कार्यों व आरआरसी, वर्मी कपोस्ट, नेडफ एवं एस.एल.डब्लू. एम के अंतर्गत अन्य कार्यों हेतु प्रथम श्रेणी ईट बालू सोमेट सरिया, मोरंग, इंटरलाकिंग, ईट ब्रूम पावड स्ट्रीट लाइट सोलर लाइट, टाइल्स से संबंधित सामग्री इत्यादि की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित किया जाता है इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा दिनांक 19.06.2024 को 12:00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर वॉखित्र प्रपत्र बंद लिफाफे में ग्राम पंचायत महुआरा के कार्यालय के निविदा बॉक्स में डाली जाएगी निविदा उसी दिन 01:00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जाएगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी धरोहर की धनराशि रु. 5000 (पाँच हजार) रूपये होगी।

नियम एवं शर्तें -

- जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराया जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जाएगा।
- आपूर्तिकर्ता का सेल टेक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
- ग्राम पंचायत सचिव ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी कर्मचारी आपूर्तिकर्ताओं की मौजूदगी में टेंडर खोला जाएगा।
- सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिध में स्वीकृत दर से निर्धारित स्थल पर ही करनी होगी।
- जो दर प्रस्तुत की जाय वह जीएसटी/ एसजीएसटी तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य जोड़कर प्रस्तुत किया जाय।
- सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत ग्राम प्रधान के आदेश पर ही की जाएगी।
- सामग्री की मात्रा घटाई बढ़ाई जा सकती है।
- प्रस्तुत दर पीडब्ल्यूडी द्वारा स्वीकृत से अधिक मान्य नहीं होगा।
- आपूर्तिकर्ता को निश्चित दर पर जीएसटी देना होगा।
- ग्राम पंचायत ग्राम प्रधान सचिव सदस्य बीडीसी जिला पंचायत सदस्य तकनीकी सहायक ग्राम योजनाग्र सेवक आदि कर्मचारियों के सगे संबंधी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
- निविदा को बिना कारण बताए निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव व ग्राम प्रधान के पास होगा।
- स्वीकृत आपूर्तिकर्ता का भुगतान तकनीकी सहायक/अपर अभियंता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता होने तथा मापन के उपरान्त किया जाएगा गुणवत्ता खराब होने पर भुगतान नहीं किया जाएगा।
- धरोहर की धनराशि नाद राष्ट्रीयकृत बैंक के एएफडी/डककर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत महुआरा के नाम बंधक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
- आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के 7 दिन के अंदर सामग्री आपूर्ति करने की दशा में धरोहर राशि जन्त कर ली जाएगी।
- निविदा फार्म ग्राम पंचायत महुआरा कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 100 (एक सौ) रूपया है पर स्वीकृत किया जाएगा।
- सामग्री आपूर्ति के संबंध में शर्त व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस पर ग्राम पंचायत महुआरा के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
- स्ट्रीट लाइट, अल्योथि स्थल, पंचायत भवन बारातर, इंटरलाकिंग, सोमेट सीट, टीन शेड आदि।

ग्राम प्रधान- वृजेश कुमार	सचिव- अनീश सिंह
ग्रा.पं. महुआरा	ग्रा.पं. महुआरा
वि.खं. डुमरियागंज	वि.खं. डुमरियागंज

सड़कों पर नमाज न पढ़ी जाए

कुर्बानी के वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर न करें शेयर- डीएम व एसएसपी

की जाँच करते हुए उसका निस्तारण कराया जा सके। उन्होंने बताया कि शासन से स्पष्ट निर्देश दिये गये है कि त्यौहारों को पारम्परिक ढंग से मनाया जाये और किसी भी प्रकार की नई परम्परा का आरम्भ न किया जाये। उन्होंने सभी नगर पालिका एवं नगर पंचायत के अधिशाषी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि खास तौर से त्यौहार के समय अपने-अपने क्षेत्रों में पवना, बिजली और साफसफाई की व्यवस्था मुकम्मल रखें। जिलाधिकारी ने कहा कि कुर्बानी सड़कों पर और खुले में ना करें प्रतिबंधित जगह में ना करें प्रतिबंधित

जानवर की कुर्बानी ना करें जिससे किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचे, उन्होंने यह भी कहा कि कुर्बानी का वीडियो न बनाए और न सोशल मीडिया पर शेयर न करें, अन्याथा सम्बन्धित के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराकर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। इसके अतिरिक्त सोशल मीडिया पर भ्रामक खबरों पर न विज्ञास करें और न आगे फेरवर्ड करें, पुलिस लाइन में स्थापित सोशल मीडिया सेल 24 घण्टे सभी सोशल साइटों पर निगरानी कर रही है भ्रामक व असत्य पोस्ट करने वालों के विरुद्ध तत्काल कार्यवाही की जाएगी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित ने बैठक को सम्बोधित करते हुए बताया कि जनपद में सभी स्थानों में पुलिस की व्यवस्था चाक चौबन्द कर दी गई है और सभी चौराहों पर पिकिंट के माध्यम से निगरानी रखी जा रही है। पुलिस की टीम जनपद में भाई चारा,

साम्प्रदायिक सौहार्द एवं शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होने यह भी अपील की है कि कुर्बानी बन्द जगह पर की जाये और उसके अवशेष को नगर पलिका, नगर पंचायत के सहयोग से यथोचित निस्तारण कराया जाये। बैठक के दौरान हिकमत उल्लाह, मुन्ना लाल शास्त्री, असलम भोला, हनीफ खाकसार आदि ने आगामी त्यौहारों को लेकर अपने सुझाव साझा किए और भरोसा दिलाया कि हम सभी लोग प्रेम सौहार्द के साथ त्यौहारों को मनाएंगे। बैठक के दौरान मुख् चिकित्साधिकारी राम बन्द राम, अपर जिलाधिकारी विशू राजा, नगर आयुक्त घनश्याम मौणा, सचिव मजिस्ट्रेट कृति राज, जमाी उप जिलाधिकारी, सभी पुलिस क्षेत्राधिकारी सहित सभी सम्बन्धित अधिकारी व धर्मगुरु व सम्भ्रांत नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत- सूपा राजा वि.खं. बांसी, जनपद-सिद्धार्थनगर

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत सूपा राजा विकास खण्ड बांसी द्वारा राष्ट्रीय योजना गारंटी योजना/राज्य वित्त/क्रेन्दीय वित्त/पिछड़ा क्षेत्र अनुदान/स्वच्छ भारत अभियान योजनानर्गत वर्ष 2024-25 में स्वीकृत तथा कराए जाने वाले कार्यों व आरआरसी, वर्मी कपोस्ट, नेडफ एवं एस.एल.डब्लू. एम के अंतर्गत अन्य कार्यों हेतु प्रथम श्रेणी ईट बालू सोमेट सरिया, मोरंग, इंटरलाकिंग, ईट ब्रूम पावड स्ट्रीट लाइट सोलर लाइट, टाइल्स से संबंधित सामग्री इत्यादि की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित किया जाता है इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा दिनांक 15.06.2024 को 11:00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर वॉखित्र प्रपत्र बंद लिफाफे में ग्राम पंचायत सूपा राजा के कार्यालय के निविदा बॉक्स में डाली जाएगी निविदा उसी दिन 01:00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जाएगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी धरोहर की धनराशि रु. 5000 (पाँच हजार) रूपये होगी।

नियम एवं शर्तें -

- जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराया जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जाएगा।
- आपूर्तिकर्ता का सेल टेक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
- ग्राम पंचायत सचिव ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी कर्मचारी आपूर्तिकर्ताओं की मौजूदगी में टेंडर खोला जाएगा।
- सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिध में स्वीकृत दर से निर्धारित स्थल पर ही करनी होगी।
- जो दर प्रस्तुत की जाय वह जीएसटी/ एसजीएसटी तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य जोड़कर प्रस्तुत किया जाय।
- सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत ग्राम प्रधान के आदेश पर ही की जाएगी।
- सामग्री की मात्रा घटाई बढ़ाई जा सकती है।
- प्रस्तुत दर पीडब्ल्यूडी द्वारा स्वीकृत से अधिक मान्य नहीं होगा।
- आपूर्तिकर्ता को निश्चित दर पर जीएसटी देना होगा।
- ग्राम पंचायत ग्राम प्रधान सचिव सदस्य बीडीसी जिला पंचायत सदस्य तकनीकी सहायक ग्राम योजनाग्र सेवक आदि कर्मचारियों के सगे संबंधी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
- निविदा को बिना कारण बताए निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव व ग्राम प्रधान के पास होगा।
- स्वीकृत आपूर्तिकर्ता का भुगतान तकनीकी सहायक/अपर अभियंता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता होने तथा मापन के उपरान्त किया जाएगा गुणवत्ता खराब होने पर भुगतान नहीं किया जाएगा।
- धरोहर की धनराशि नाद राष्ट्रीयकृत बैंक के एएफडी/डककर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत सूपा राजा के नाम बंधक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
- आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के 7 दिन के अंदर सामग्री आपूर्ति करने की दशा में धरोहर राशि जन्त कर ली जाएगी।
- निविदा फार्म ग्राम पंचायत सूपा राजा कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 100 (एक सौ) रूपया है पर स्वीकृत किया जाएगा।
- सामग्री आपूर्ति के संबंध में शर्त व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस पर ग्राम पंचायत सूपा राजा के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
- स्ट्रीट लाइट, अल्योथि स्थल, पंचायत भवन बारातर, इंटरलाकिंग, सोमेट सीट, टीन शेड आदि।

ग्राम प्रधान- कुलदीप पासवान	सचिव- महमूद अली
ग्रा.पं. सूपा राजा	ग्रा.पं. सूपा राजा
वि.खं. बांसी	वि.खं. बांसी

कार्यालय ग्राम पंचायत- साड़ी खुर्द वि.खं. मिठवल, जनपद-सिद्धार्थनगर

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत साड़ी खुर्द विकास खण्ड मिठवल द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय योजना गारंटी योजना/राज्य वित्त/क्रेन्दीय वित्त/पिछड़ा क्षेत्र अनुदान/स्वच्छ भारत अभियान योजनानर्गत वर्ष 2024-25 में स्वीकृत तथा कराए जाने वाले कार्यों व आरआरसी, वर्मी कपोस्ट, नेडफ एवं एस.एल.डब्लू. एम के अंतर्गत अन्य कार्यों हेतु प्रथम श्रेणी ईट बालू सोमेट सरिया, मोरंग, इंटरलाकिंग, ईट ब्रूम पावड स्ट्रीट लाइट सोलर लाइट, टाइल्स से संबंधित सामग्री इत्यादि की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित किया जाता है इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा दिनांक 22.06.2024 को 02:00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर वॉखित्र प्रपत्र बंद लिफाफे में ग्राम पंचायत साड़ी खुर्द के कार्यालय के निविदा बॉक्स में डाली जाएगी निविदा उसी दिन 04:00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जाएगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी धरोहर की धनराशि रु. 5000 (पाँच हजार) रूपये होगी।

नियम एवं शर्तें -

- जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराया जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जाएगा।
- आपूर्तिकर्ता का सेल टेक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
- ग्राम पंचायत सचिव ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी कर्मचारी आपूर्तिकर्ताओं की मौजूदगी में टेंडर खोला जाएगा।
- सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिध में स्वीकृत दर से निर्धारित स्थल पर ही करनी होगी।
- जो दर प्रस्तुत की जाय वह जीएसटी/ एसजीएसटी तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य जोड़कर प्रस्तुत किया जाय।
- सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत ग्राम प्रधान के आदेश पर ही की जाएगी।
- सामग्री की मात्रा घटाई बढ़ाई जा सकती है।
- प्रस्तुत दर पीडब्ल्यूडी द्वारा स्वीकृत से अधिक मान्य नहीं होगा।
- आपूर्तिकर्ता को निश्चित दर पर जीएसटी देना होगा।
- ग्राम पंचायत ग्राम प्रधान सचिव सदस्य बीडीसी जिला पंचायत सदस्य तकनीकी सहायक ग्राम योजनाग्र सेवक आदि कर्मचारियों के सगे संबंधी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
- निविदा को बिना कारण बताए निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव व ग्राम प्रधान के पास होगा।
- स्वीकृत आपूर्तिकर्ता का भुगतान तकनीकी सहायक/अपर अभियंता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता होने तथा मापन के उपरान्त किया जाएगा गुणवत्ता खराब होने पर भुगतान नहीं किया जाएगा।
- धरोहर की धनराशि नाद राष्ट्रीयकृत बैंक के एएफडी/डककर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत साड़ी खुर्द के नाम बंधक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
- आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के 7 दिन के अंदर सामग्री आपूर्ति करने की दशा में धरोहर राशि जन्त कर ली जाएगी।
- निविदा फार्म ग्राम पंचायत साड़ी खुर्द कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 100 (एक सौ) रूपया है पर स्वीकृत किया जाएगा।
- सामग्री आपूर्ति के संबंध में शर्त व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस पर ग्राम पंचायत साड़ी खुर्द के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
- स्ट्रीट लाइट, अल्योथि स्थल, पंचायत भवन बारातर, इंटरलाकिंग, सोमेट सीट, टीन शेड आदि।

ग्राम प्रधान- विंदा देवी	सचिव- दीनानाथ पाण्डे
ग्रा.पं. साड़ी खुर्द	ग्रा.पं. साड़ी खुर्द
वि.खं. मिठवल	वि.खं. मिठवल

लखनऊ, शनिवार 15 जून, 2024

14

एक युवक का पड़ा हुआ, पुलिस ने कराया पोस्टमार्टम

टूडला। थाना टूडला क्षेत्र के आनंद नगर एक युवक का पड़ा हुआ शव मिला। आसपास के लोगों ने घटना की जानकारी थाना टूडला पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा है। शुक्रवार प्रातः आनंद नगर टूडला में एक युवक का शव पड़ा हुआ मिला। जब घटना की जानकारी आसपास के लोगों को हुई तो उन्होने थाना पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचे सीओ अनिवेश कुमार व थाना प्रभारी अनुज कुमार राणा ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा है। मृतक की पहचान उसके पहचान दीपक कुमार पुत्र देवी प्रसाद निवासी देवीगंज चक्रेी कानपुर के रूप में हुई है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता 17वाँ. (वि./याँ.) वृत्त लो.नि.वि. 96 महात्मा गाँधी मार्ग, लखनऊ						
प्रकाशनार्थ/ ई-निविदा सूचना दिनांक :- 01/06/2024						
अल्पकालीन ई-निविदा सूचना						
महामहिम राज्यपाल, उप्र0 की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु प्रतियक्ष दर के आधार पर ऑनलाईन निविदा https://etender.up.nic.in के माध्यम से दिनांक 11/06/2024 से दिनांक 25/06/2024 दोपहर 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदाओं की टेकनकल बिड दिनांक 25/06/2024 अपराह्न 12:30 बजे ऑनलाइन खोली जायेगी। कार्यालय बन्द होने की अथवा छुट्टी होने की दशा में टेकनकल बिड अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-						
क्र.सं.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रू. लाख में)	धरोहर धनराशि (रू. लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र मूल्य (रू. में)	निविदा की पात्रता
1	2	3	4	5	6	7
1	जनपद न्यायालय लखनऊ परिसर, परिवार न्यायालय अमेरिकन लाइब्रेरी परिसर व परिवार न्यायालय पेशनद्वडीया परिसर में पूर्व से स्थापित सी0 सी0टी0वी0 कैमरा व अन्य सुरक्षा उपकरणों के 03 वर्ष हेतु सी0एफएम0सी0 का कार्य। (पार्ट-ए एवं पार्ट-बी)	361.59 + GST Extra	20.08	36 Months	2354.00	उप0एल0लो0नि0वि0, में विद्युत कार्यों हेतु 'ए' श्रेणी में पंजीकृत टेकेदार/फर्म जिन्हें राजकीय भवनों में समान कार्य का अनुभव प्राप्त हो तथा सी0सी0टी0वी0 व अन्य सुरक्षा उपकरणों जैसे बैगेज स्कैनर, डी0एफएम0डी0, वी0एम0एस0 के OEM द्वारा अधिकृत हो।
2	जनपद न्यायालय रामकेली में स्थापित सी0सी0टी0वी0 कैमरा व अन्य सुरक्षा उपकरणों के वार्षिक अनुरक्षण का कार्य। (03 वर्ष हेतु)	155.91 + GST Extra	09.80	36 Months	2354.00	उप0एल0लो0नि0वि0, में विद्युत कार्यों हेतु 'ए' श्रेणी में पंजीकृत टेकेदार/फर्म जिन्हें राजकीय भवनों में समान कार्य का अनुभव प्राप्त हो तथा सी0सी0टी0वी0 व अन्य सुरक्षा उपकरणों जैसे बैगेज स्कैनर, डी0एफएम0डी0, वी0एम0एस0 के OEM द्वारा अधिकृत हो।
शासनसंख्या 1/2018/3070/78-2-2018/42आइ0टी0/2017(22) दिनांक 03/01/2018 में निहित व्यवस्थानुसार निविदा को तकनीकी एवं वित्तीय बिड खोले जाने के उपरान्त निविदादाता द्वारा मूल अंतिमलब्ध व्यक्तिगत रूप से विनाग/कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने हैं। निविदादाता द्वारा मूल अंतिमलब्ध प्रस्तुत न किये जाने की दशा में शासनदशा में निहित प्रावधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।						
निविदाओं से सम्बन्धित नियम/शर्तें तथा विवरण वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर उल्लख्य है।						
(पारितोष सिंह) कार्य अधीक्षक अ.वि.नि.ई. (वि./याँ.) लो.नि.वि. लखनऊ				(आर.एम.श्रीवास्तव) अधीक्षण अभियन्ता 17वाँ0 (वि./याँ.) वृत्त लो.नि.वि. लखनऊ		
		UPID-205731	Dated-07-06-2024			
		विकास अंशेक के अनुसार www.upgov.in पर उल्लख्य				

कार्यालय आचार्य क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान अफीम की कोठी प्रतापगढ

पत्रांक : 160/नीलामी सूचना/भण्डार/2024-2025

दिनांक : 13.06.2024

नीलामी सूचना

क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान अफीम की कोठी प्रतापगढ के शैक्षिक कृषि प्रक्षेत्र के निष्प्रायोज्य सामग्री की नीलमी दिनांक 02.07.2024 को निम्न कार्यक्रमानुसार क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान अफीम की कोठी प्रतापगढ स्थित सभागार हाल में गठित समिति के समक्ष की जानी है।

क्रम सं.	अनुभाग	न्यूनतम निर्धारित मूल्य	निर्धारित समय	जमानत धनराशि
1	शैक्षिक कृषि प्रक्षेत्र	16201.18	अपराह्न 12 बजे	2000.0

नीलामी की शर्तें

- नीलामी में भाग लेने वाले व्यक्ति को पै न कार्ड एवं आधार कार्ड की छाया प्रति देना अनिवार्य होगा।
- नीलामी में भाग लेने वाले व्यक्ति को नीलामी के पूर्व जमानत के रूप में जमानत धनराशि संस्थान के कार्यालय में नाद अथवा ड्राफ्ट के रूप में जमा करना होगा। नीलमी समाप्ति बाद सफल बोलीकर्ता की धनराशि समायोजित की जायेगी एवं शेष की वापस कर दी जायेगी।
- नीलामी की जाने वाली सामग्री/वस्तुओं को कार्यालय कार्य दिवस में देखा जा सकता है।
- उक्त नीलामी में बिना जमानत धनराशि जमा किये हुए किसी व्यक्ति/फर्म को भाग लेने का अधिकार नहीं होगा।
- उपरोक्त सामग्री को प्राप्त नीलामीकर्ता को एक सप्ताह के अन्दर ले जाना अनिवार्य होगा।
- उच्चतम बोली बोलने वाले व्यक्ति को गठित समिति द्वारा नीलामी स्वीकार करने के परचात् उसी दिन एक मुश्रत धनराशि जमा करना होगा तथा धनराशि जमा करने में असमर्थ होने पर जमानत धनराशि जब्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा।
- यदि उक्त नीलामी की शर्तें/टर्म एण्ड कण्डिशन के विरूद्ध किसी भी प्रकार का विवाद उत्पन्न होता है तो अधोहस्ताक्षरी द्वारा गठित समिति की संस्रुति के आधार पर लिया गया निर्णय अन्तिम होगा तथा विवाद न सुलझने की स्थिति में न्यायालय क्षेत्र जनपद-प्रतापगढ होगा।
- नीलामी के सम्बन्ध में अधोहस्ताक्षरी को बिना कारण बताये पूर्ण अधिकार होगा कि वह नीलामी की कार्यवाही को निरस्त करके अन्य तिथि एवं समय निर्धारित कर सकता है।
- यदि कोई टेक्स/जी0एसस0टी0 नियमानुसार देय होगा तो उसे भी सफल बोलीकर्ता को जमा करना होगा।

21 जून को मनाया जाएगा दशम् अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

अवधनामा संवाददाता

हमीरपुर। 15 जून से 21 जून तक चलने वाले योग सप्ताह एवं 21 जून को आयोजित होने वाले दशम् अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय की अध्यक्षता , मुख्य विकास अधिकारी चन्द्र शेखर शुक्ला व पुलिस अधीक्षक दीक्षा शर्मा की उपस्थिति में किया गया। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को जनपद में भव्यता के साथ मनाया जाएगा। इसके लिए समयबद्ध ढंग से सभी तैयारियां पूर्ण कर ली जाए। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर जिला जनपद स्तर पर जिला स्टेडियम में वृहद स्तर का कार्यक्रम आयोजित होगा ,इसके अलावा तहसील, ब्लॉक एवं ग्राम पंचायत स्तर पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि योग से लोगों को जोड़ने हेतु प्रभावी ढंग से प्रयास किए जाएं। इसके लिए लोगों को जागरूक किया जाए। कहा कि योग को जन आंदोलन का रूप दिया जाए, इसके लिए अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने का कार्य अभी से प्रारंभ कर दी जाए। कहा कि छोटे-छोटे समूह ध् क्लस्टर बनाकर लोगों को उससे जोड़ा जाए तथा लोगों को योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने हेतु प्रोत्साहित किया जाए, लोगों को योग से जोड़कर इसके स्वास्थ्य लाभ के बारे में अनिवार्य रूप से बताया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि दशम् अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम ' योग स्वयं एवं समाज के लिए निर्धारित किया गया है ' उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम सुबह 06:00 बजे से प्रारंभ होगा तथा कार्यक्रम में मा0 जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति सुनिश्चित कराएँ तथा कार्यक्रम को भव्यता से मनाएँ जाने हेतु इसमें व्यापार मंडल, स्कूलों के छात्र,छात्राओं

आदि को भी जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि योग केवल 01 दिन के लिए नहीं अपितु नियमित रूप से करने हेतु लोगों को प्रोत्साहित करें। कहा कि अलग-अलग बीमारियों से प्रस्त तथा अलग-अलग आयु के लोगों को उनकी सुविधा एवं लाभ के अनुसार योग के विभिन्न आसनो को बताया जाए। योग से जुड़ने वाले नए लोगों को प्रारंभिक स्तर से ही योग प्रारंभ करने को कहा जाए तथा बिना प्रशिक्षक के कटिनाई वाले आसन न किए जाएं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य संवर्धन एवं रोग प्रतिरोध क्षेत्र में योग का बड़ा महत्व है अतः इसके महत्व को घर-घर तक प्रसारित करने हेतु प्रभावी प्रयास किए जाएं। यह प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि के साथ-साथ जनमानस को तनाव से राहत भी दिलाता है। जिलाधिकारी ने कहा कि योग सप्ताह मनाएँ जाने का मुख्य उद्देश्य तथा सार्थक होगा जब आम जनमानस में 'छरें योग,रहें निरोग'का भाव समझते हुए लोग योग को अपनी जीवन शैली में एक निरंतर

क्रिया के रूप में अपनाएँगे। उन्होंने कहा कि इसके प्रति लोगों को उत्साहित एवं प्रेरित किया जाए जिससे लोग योगाभ्यास को अपने दिनचर्या में शामिल करते हुए निरंतर योग्य अभ्यास करें और अपना जीवन स्वस्थ एवं सुखी बनाएँ। उन्होंने कहा कि योग सप्ताह के दौरान आयोजित होने वाले समस्त योगाभ्यास कार्यक्रमों को ध्यायुष कवच एप्प पर अपडेट किया जाए तथा आयुष कवच एप के बारे में लोगों को प्रचार-प्रसार के माध्यम से अवगत कराते हुए इसके उपयोग के प्रति जन सामान्य को जागरूक किया जाए। उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी को निर्देश दिए कि इस संबंध में जिला स्तरीय समिति का भी गठन कर लिया जाए। आयोजित होने वाले योगाभ्यास कार्यक्रमों का फोटोग्राफ अवश्य बनाया जाए। इसके लिए एक नोडल अधिकारी भी नामित कर दिया जाए। आवश्यकता नुसार योग के प्रति लोगों में उत्साह एवं प्रेरणाओं का फीडबैक लेने एवं

समय-समय पर उन्हें योग के फायदे को बताने तथा जागरूक करने के लिए व्हाट्सएप ग्रुप भी बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इसके अंतर्गत जनपद स्तर पर 15 जून को योग दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ जनपद में राजकीय स्पोर्ट्स स्टेडियम से किया जाएगा तथा 16 जून को वन चेतना केंद्र वन विभाग में, 17 जून को यमुना तटबंध में, 18 जून को कल्पवृक्ष परिसर में, 19 अमृत सरोवर गुडेली मुस्करा में, 20 जून को अम्बेडकर पार्क में तथा 21 जून को बड़ा कार्यक्रम स्टेडियम परिसर में संपन्न होगा। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, मुख्य चिकित्साधिकारी, समस्त उप जिलाधिकारी, अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका/नगर पंचायत, जिला विकास अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी,जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी,समस्त खण्ड विकास अधिकारी सहित अन्य संबंधित उपस्थित रहे।

गिनीज बुक में नाम दर्ज कराने के लिए मुक्त विश्वविद्यालय ने लगाया जोर

○ विश्वविद्यालय लगातार दिला रहा है योग की शपथ

○ कुलपति ने संभाली कमान, कुशल एवं अकुशल कर्मचारियों से भी किया संवाद

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। राजभवन, लखनऊ ने विश्व योग दिवस-2024 के अवसर पर विश्व में सर्वाधिक योग संबंधी शपथ का रिकॉर्ड बनाने के निर्देश मिलने के बाद प्रदेश का एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय अपने लक्ष्य के बहुत करीब पहुंच चुका है। नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम की अभिप्रेरणा से विश्वविद्यालय के वर्तमान



छात्र-छात्राओं के साथ ही पुरातन छात्रों में भी इस रिकॉर्ड में भागीदार बनने की ललक रंग दिखा रही है। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय इस दिशा में गंभीर रूप से तैयारी शुरू कर दी है विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने विश्वविद्यालय परिसर क्षेत्र के दो एवं संबद्ध अध्ययन केंद्रों से आग्रह किया है कि वह 17 लाख ऑनलाइन शपथ अभियान में शामिल होकर विश्वविद्यालय के शत प्रतिशत लक्ष्य में अपना योगदान करें, जिसे गिनीज वर्ल्ड

ऑफ रिकॉर्ड में शामिल किया जा सके। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि राज भवन ने लगभग 17 लाख ऑनलाइन शपथ एक सप्ताह के अंतर्गत 12 जून से 18 जून 2024 तक की तिथि निर्धारित करके रिकॉर्ड बनाने हेतु ऑनलाइन शपथ का मार्ग प्रशस्त किया है उन्होंने बताया कि प्रदेश की राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुल अधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के मार्गदर्शन में इस बनने वाले रिकॉर्ड को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी दर्ज करने की कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों अधिकारियों कर्मचारियों पुरातन छात्रों विद्यार्थियों में उनके परिजनो से अनुरोध किया है कि वह <https://rajbhawanयोगpadge.in> पर जाकर योग संबंधी ऑनलाइन शपथ में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का नाम दर्ज कर रिकॉर्ड बनाने में अपना सहयोग करें।

डीएम-एसपी नें विश्व रक्तदान दिवस का फीता काटकर किया आगाज़

अवधनामा संवाददाता

हमीरपुर। जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक दीक्षा शर्मा द्वारा संयुक्त रूप से जिला चिकित्सालय में विश्व रक्तदान दिवस-2024 का फीता काटकर किया गया शुभारम्भ। जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से जिला चिकित्सालय में आयोजित कार्यक्रम विश्व रक्तदान दिवस 2024 का मुख्य चिकित्साधिकारी गीतम सिंह की उपस्थिति में फीता काटकर शुभारम्भ किया गया। रक्तदान शिविर में कई गणमान्य व्यक्तियों एवं नागरिकों द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान किया गया। इस दौरान लोगों को यह संदेश दिया गया कि रक्तदान करना जनकल्याण का काम है, हमारे रक्तदान से किसी का अमूल्य जीवन बच सकता है। 2024 में विश्व



रक्तदान दिवस का विषय है दान का जन्म मनाने के 20 साल धन्यवाद, रक्तदानाओं ("Celebrating 20 years of giving :THANK YOU,BLOOD DONORS !") स्लोगन के साथ ही रक्तदान के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने व स्वैच्छिक रक्तदान के लिए लोगों को समय-समय पर रक्तदान करने एवं रक्तदान के प्रति जागरूक करने की अपील की गई।सुबह 10 दस बजे स

शाम 5 बजे तक 24 महादानियों ने रक्तदान किया। इस दौरान सीएमओ डॉ. गीतम सिंह, प्रभारी सीएमएस डॉ. आरएस प्रजापति, ब्लड बैंक प्रभारी हरेन्द्र सिंह, वीरेंद्र सिंह, अभिषेक तिवारी, प्रियंका पाठक, अरविंद, एआरटीओ अमिताभ राय, अमर उजाला व्यूरो प्रमुख चंद्रशेखर यादव, अभय प्रताप सिंह, कुलदीप सिंह चंदेल, हरीओम धुरिया, नरेंद्र गुप्ता आदि मौजूद रहे।

मार्ग दुर्घटना में युवक की मौत

प्रयागराज। बाइक की तेज रफ्तार जानलेवा बन गई। कोरांव मार्ग पर नगर पंचायत के पास मुड़ते समय बाइक अनियंत्रित होकर डम्पर में घुस गई। हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। डम्पर व क्षतिग्रस्त बाइक पुलिस के कब्जे में है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रीवा सीधी निवासी अश्वनी पटेल के पुत्र सदीप मोटरसाइकिल से काम से प्रयागराज आया था। सदीप प्रयागराज से घर वापस जा रहा था। कोरांव नगर पंचायत के पास मोड़ पर मुड़ते समय बाइक अनियंत्रित होकर विपरीत दिशा से आ रही एक डंपर में घुस गई। हादसे में घायल सन्दीप को सीएससी पहुंचाया गया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जानकारी मिलते ही मृतक के रिश्तेदार व स्वजन भी पहुंच गए। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि हादसे के दौरान मौजूद लोगों के मुताबिक गति तेज होने के चलते मोड़ पर कंट्रोल नहीं हो पाई।

स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण समिति की बैठक हुयी आयोजित

अवधनामा संवाददाता

हमीरपुर। जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय की अध्यक्षता व मुख्य विकास अधिकारी चन्द्र शेखर शुक्ला की उपस्थिति में भारत रत्न डॉ0 ए0पी0 जे0 अब्दुल कलाम सभागार कलेक्ट्रेट, हमीरपुर में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत जिला स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने ग्रामों को ओ0डी0एफ0 प्लस किये जाने हेतु वित्तीय वर्ष 2022-23 में चयनित समस्त 32 ग्राम पंचायतों में शतप्रतिशत पूर्ण कराते हुए धनराशि व्यय शतप्रतिशत करा ली जाय। साथ ही वित्तीय वर्ष 2023-24 में चयनित 146 ग्राम पंचायतों में भी कार्य यथाशीघ्र करा लिये जायें। वित्तीय वर्ष 2024.25 में चयनित अवशेष समस्त 152 ग्राम पंचायतों को कार्ययोजना बनाते हुए शासन से क्रेडिट लिमिट मंगाने जाने हेतु समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया। वित्तीय वर्ष



2022-23, 2023-24 में पूर्ण कराये गये आर0आर0सी0 में संचालन कराया जाय, जिस हेतु समस्त खण्ड विकास अधिकारी, सहायक विकास अधिकारी (पं0) समस्त जिला कन्सल्टेंटों को पर्यवेक्षण एवं संचालन कराये जाने हेतु लक्ष्य निर्धारित किये जाने के निर्देश दिये गये। व्यक्तिगत शौचालयों के सम्बन्ध में निर्देश दिये गये कि समस्त विकास खण्डों में पात्र लाभार्थियों का ही चयन किया जाय। प्राप्त लक्ष्य के संपेक्ष विकास खण्डों में मांग के अनुरूप ही फीडिंग व

इसका पूरवल किया जाय। गोबर्धन परियोजना अन्तर्गत विकास खण्ड गोहाण्ड की ग्राम पंचायत जराखर एवं जखेडी में बन रहे बायोगैस प्लांट की सम्पूर्ण कार्यवाही पूर्ण कराते हुए दोनों प्लांटों को तत्काल संचालित कराया जाय। विकास खण्ड सुमेरपुर की ग्राम पंचायत पौधिया में बन रहे प्लास्टिक संग्रह स्थल की तत्काल सम्पूर्ण कार्यवाही पूर्ण कराते हुए यूनिट का संचालन कराये जाने के निर्देश दिये गये।इस अवसर पर जिला पंचायत राज

अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, उपायुक्त स्वतः राजाराम, परियोजना अधिकारी यू0पी0 नेड, प्रधान ग्राम पंचायत पौधिया सुमेरपुर,प्रधान ग्राम पंचायत उमरी विकास खण्ड,मुस्करा, समस्त सहायक विकास अधिकारी (पं0) व समस्त खण्ड विकास अधिकारी, समस्त जिला समन्वयक, स्व0भा0मि0 (ग्रा0) एवं समस्त खण्ड प्रेरक, सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

महाप्रबंधक ने 7 रेल कर्मचारियों को प्रदान किए संरक्षा पुरस्कार

○ अशोक कुमार को माह मई-2024 के सर्वश्रेष्ठ रेलकर्मों का पुरस्कार

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। मई माह के लिए महाप्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे रविन्द्र गोपाल द्वारा प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी जे.सी.एस. बोरा एवं उत्तर मध्य रेलवे के विभागाध्यक्षों की उपस्थिति में संरक्षा के प्रति किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए झांसी, आगरा एवं प्रयागराज मण्डलों से चयनित 7 रेल कर्मचारियों को संरक्षा पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरस्कृत कर्मचारियों में सुमित कुमार शर्मा, प्वाइंट्स मैन, अमोरीखास प्रयागराज मण्डल, रामबरन बिन्द, प्वाइंट्स मैन, विन्ध्याचल प्रयागराज मण्डल, सतविंदर सिंह, लोको पायलट मेल, झांसी मण्डल, दीपक कुमार साहू सहायक लोको पायलट, झांसी मण्डल, सोनू कुमार ट्रेक मैनेजर शिकोहाबाद प्रयागराज मण्डल,



जगदीश, ट्रेक मैनेजर जाजऊ आगरा मण्डल व अशोक कुमार, ट्रेक मैनेजर, जाजऊ आगरा मण्डल शामिल हैं। अशोक कुमार को मई-2024 के सर्वश्रेष्ठ रेलकर्मों के संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इन्होंने गत 10 मई के ड्यूटी के दौरान रेल संख्या 478-ए से मालगाड़ी को पास होते समय गाड़ी में हैंगिंग पार्ट (आयरन चैन) को देखा, जो रेलवे ट्रेक से रगड़ रही थी, जिसके कारण रेलवे ट्रेक को स्लीपर खुलती जा रही थी। अशोक कुमार द्वारा सूझबूझ दिखाते हुए अपने पर्यवेक्षक व स्टेशन मास्टर, जाजऊ को सूचित किया गया, जिसके बाद गाड़ी को तुरन्त रुकवाया गया। ट्रेक रिपैरिंग होने के पश्चात गाड़ी को चलवाया गया।

भूमि विवाद में फायरिंग, युवक की मौत

प्रयागराज। बारा थानान्तर्गत भेलाव गांव में शुक्रवार की सुबह पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया जिसमें एक ने दूसरे पक्ष पर लाइसेंसि बंदूक से फायर झोंक दिया। आनन-फानन में युवक को इलाज के लिये अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फायरिंग और हत्या की सूचना मिलते ही डीसीपी यमुनानगर समेत अन्य अधिकारी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। मामले में चार लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कराया गया है। पुलिस टीमें आरोपियों की तलाश में जुट गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार भेलाव है कि शुकुवार सुबह मनीष मिश्रा की गांव के ही राजेश पांडे से पुरानी रंजिश चली आ रही है। अक्सर दोनों के बीच कहासुनी होती रहती थी। बताया जाता है कि शुकुवार सुबह मनीष अपने पिता संतोष के साथ घर वापस आ रहा था। आरोपित है कि तभी गांव के ही राजेश पांडे ने कुछ लोगों के साथ उन्हें रोक लिया। कहासुनी होने लगी। बात बढ़ी तो दूसरे पक्ष की ओर से फायर कर दिया गया।

विश्व रक्तदान दिवस पर लोगों ने किया ब्लड डोनेट जताया हर्ष

अवधनामा व्यूरो

सोनभद्र। शुक्रवार को रावटसंगं नगर स्थित साई अस्पताल परिसर में विश्व रक्त दान दिवस के दिन अपने हॉस्पिटल में रक्त दान शिविर आयोजित हुआ वहीं राजन सोनी ड्यूटी इंचार्ज साई हॉस्पिटल के नेतृत्व में दर्जनों डोनेट कर्ताओं ने किया ब्लड डोनेट वही डायरेक्टर डॉक्टर अनुपमा सिंह ने बताया कि को विश्व रक्तदान दिवस साई हॉस्पिटल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें दर्जनों लोगो ने सहभागिता निभाया। डॉ अनुपमा सिंह ने बताया कि लोगों की जिंदगियां को बचाने का एकमात्र साधन गंभीर बीमारियों से जुड़ा रहे लोगों से बचाव वह युवाओं के नई ऊर्जा नई शक्ति के लिए एक आवश्यक जिससे लोग पर चढ़कर इसमें भागीदारी करते हैं और गरीब अस्वास्थ्य लोगों के लिए वरदान साबित होते हैं उनके ब्लड डोनेट से कई लोगों की जिंदगियां बरती हैं या अभिपन्न निरंतर जिला प्रशासन के नेतृत्व में भी



कराया जाता है जिससे आम जनमानस को उसका लाभ मिल सके। हॉस्पिटल की प्रबन्धक डाक्टर अनुपमा सिंह जी के द्वारा यह बताया गया कि रक्तदान करने से कई तरह की बीमारी से फायदा मिलता है। जैसे शरीर में आयरन के स्तर पर रोक बनाए रखने में मदद करता है। शहदिय रोग के जोखिम को भी कम करता है। आप सभी रक्तदान करें और जरूरतमंद मरीजों तक रक्त पहुंचाकर पुण्य के बहुत बड़ी उपलब्धि होती है। कार्यक्रम में साई हॉस्पिटल के ड्यूटी इंचार्ज राजन सोनी जी व बी0पी सिंह तथा अन्य लोगों ने रक्तदान किया तथा लोगों को भी जागरूक किया कि रक्तदान करने के फायदे के बारे में बताएँ।

डॉ. मुनीश को मिला रिसर्च फेलो अवार्ड

○ काशी की न्याय परंपरा पर एडवॉस स्टडी शिमला में करेंगे रिसर्च

○ करीब 500 काशी के आचार्यों की जीवनी पर होगा कार्य

अवधनामा व्यूरो

सोनभद्र। जनपद सोनभद्र के चतरा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम जयमोहरा निवासी डॉ. मुनीश कुमार मिश्र का चयन +भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान+ राष्ट्रपति निवास, शिमला में रिसर्च फेलो के रूप में हुआ है। शिमला में स्थित यह संस्थान देश के उच्चतम अनुसंधान संस्थानों में गिना जाता है। यहां अनुसंधान करना किसी भी व्यक्ति के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि होती है। वैदिक दर्शन विभाग, संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से शास्त्री आचार्य एवं पीएच.डी. करने वाले डॉ. मुनीश कुमार मिश्र सोनभद्र के ऐसे वल्ले व्यक्ति हैं, किंतु व्यवस्थित रूप से अनुसंधान



करने का अवसर प्राप्त हुआ है। डॉ. मिश्र ने कहा कि 'उच्च अध्ययन संस्थान' में अनुसंधान हेतु चयनित होना मेरे लिए अत्यंत गौरव का विषय है और यह उपलब्धि बाबा विश्वनाथ की कृपा एवं माता-पिता तथा गुरुजनों के आशीर्वाद से प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि वह -काशी की न्याय दर्शन की परंपरा+ पर अनुसंधान करते हुए काशी के परिप्रेक्ष्य में आदि से वर्तमान तक के न्याय दर्शन के आचार्यों की जीवनी को अनुसन्धान के द्वारा संग्रहित व लेखन करने का कार्य करेंगे। क्योंकि काशी एक विशिष्ट गरी है और यहां विभिन्न शास्त्रों के साथ न्याय दर्शन को करने वाले विद्वानों को भी इसमें समाहित किया जायेगा।

के कारण आचार्यों की जीवनी अथवा उनका विवरण नहीं मिलता है। इस परियोजना के द्वारा काशी में कौन-कौन से आचार्य न्याय दर्शन अध्ययन करने आये या अध्यापन किया, उन सभी का अनुसन्धान करके एक संग्रह तैयार किया जाएगा, जो भविष्य में आने वाले छात्रों और आने वाली पीढ़ी के लिए काशी की न्याय परंपरा को जानने का एक प्रमाणिक ऐतिहासिक मार्ग प्रशस्त करेगा। इस अनुसन्धान के अंतर्गत काशी के न्यायशास्त्र के आचार्यों के जीवनवृत्त, कृतित्व, वंशपरम्परा, गुरुपरम्परा व शिष्य परम्परा का अन्वेषण तथा संकलन किया जाना है। इसमें न केवल अध्यापन कार्य में सन्तुष्ट अपितु अन्य किसी भी रूप में यदि किसी विद्वान् द्वारा न्यायशास्त्र परम्परा में संवर्धन किया गया है तो उनके जीवनवृत्त को भी इसमें सम्मिलित किया जायेगा। भारत में परम्परागत रूप से न्यायशास्त्र का अध्ययन करने के उपरान्त विदेशों में न्यायदर्शन का अध्यापन/अनुसंधान करने वाले विद्वानों को भी इसमें समाहित किया जायेगा।

जिले में बढ़ते प्रदूषण के खिलाफ डीएम को सौपा पत्र

अवधनामा व्यूरो

सोनभद्र। कलेक्ट्रेट परिसर में शुक्रवार को भारतीय मजदूर संघ के पदाधिकारी द्वारा जिले में बढ़ते प्रदूषण के रोकथाम को लेकर की आवाज बुलाओ अपने विभिन्न मांग पत्रों सहित डीएम को सौप पत्र। वही दशराम यादव जिला मंत्री भारतीय मजदूर संघ सोनभद्र ने बताया कि पर्यावरण प्रदूषण की समस्या भारत ही नहीं पूरे विश्व में एक गंभीर समस्या बनी हुई है। प्रदूषण के कारण मनुष्य को कई प्रकार की समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। वर्तमान में पेड़ों की कटाई काफी बढ़ गई है, पर उसकी तुलना में वृक्षारोपक काम हो रहा है। इस कारण वातावरण का तापमान पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष बढ़ गया, इससे कई प्रकार की समस्या आई। सही प्रकार से जल संरक्षण न हो पाने के कारण भूगर्भीय जल स्तर नीचे जाने लगा है। इससे कई स्थानों पर पानी की समस्या बढ़ने लगी है।वही भारतीय मजदूर संघ इस ज्ञापन के माध्यम से आपसे वह मांग



करता है कि जिले में होने वाली सभी प्रकार के प्रदुषणों पर विशेष ध्यान देते हुए इसके रोकथाम हेतु तत्काल उपाय किये जाय, साथ ही निम्न बिंदुओं पर विशेष ध्यान दिया जाय।
1. वायु प्रदुषण पर विशेष ध्यान दिया जाय, एवं इसे कम करने हेतु उचित उपाय किया जाय, जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर असर न हो, साथ ही सभी प्रमुख शहरों के प्रमुख स्थलों पर प्रदुषण का स्तर दर्शाने वाला इलेक्ट्रॉनिक बोर्ड लगावा जाय।
2. नदी, नालों के पानी को पदुषित होने से बचाने हेतु उचित उपाय किया जाय।

3. अनावश्यक पेड़ों की कटाई पर रोक लगाई जाय, एवं वृक्षारोपण पर विशेष ध्यान दिया जाय।
4. सिंगल यूज प्लास्टिक से बने सामानों की बिक्री पर तुरंत रोक लगाई जाय।
5. जल संरक्षण पर विशेष ध्यान देते हुए सभी सरकारी एवं निजी आवास, सरकारी एवं निजी क्षेत्रों के कार्यालयों में रूफटॉप वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के माध्यम से वर्षा के जल को भू-जल में रिचार्ज करने की नियमानुसार व्यवस्था की जाय।
6. शहरों से निकलने वाले कचड़ों के प्रबंधन की नियमानुसार उचित व्यवस्था की जाये।

रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा लगाया गया रक्तदान शिविर



ललितपुर। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर रेडक्रॉस सोसायटी ललितपुर द्वारा मेडिकल कॉलेज चिकित्सालय में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए सचिव डॉ.एस.पी. पाठक ने कहा कि रक्तदान जीवनदान के बराबर है। हर व्यक्ति को वर्ष में दो बार रक्तदान अवश्य करना चाहिए। इस शिविर में डा.अनूप श्रीवास्तव, डा.देश निधि सिंह, डा.अंकुश सोनी,संदीप शर्मा, आशुतोष, निधि जैन, अजय जैन ने रक्तदान किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा.ईन्द्रियाज अहमद ने बताया कि रक्तदान करने से कर्मजोरी नहीं आती है और दान किया हुआ रक्त शरीर में दोबारा बन जाता है। रक्तदान शिविर में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा.मौनाक्षी सिंह, डी.सी.एम.ओ. डा.आर.एम.सोनी, संरक्षक अजित जैन, सचिव डा.एसपी पाठक, सह संरक्षक राजेश लितोरिया, जिला प्रभारी अजय बरया, डा.राजेश शर्मा, डा.आर.सी.साहू, डा.अनूप श्रीवास्तव, डा.अजय जैन उपस्थित रहे।

बकरीद त्यौहार के दृष्टिगत जिला स्तरीय पीस कमेटी की बैठक संपन्न

अवधनामा संवाददाता

हमीरपुर। आगामी ईद-उल-जुहा (बकरीद) त्यौहार को जनपद में शान्तिपूर्ण एवं भाईचारे के साथ सम्पन्न कराने के दृष्टिगत जिला स्तरीय पीस कमेटी की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय की अध्यक्षता व पुलिस अधीक्षक दीक्षा शर्मा की उपस्थिति में आहूत की गयी। बैठक में धर्मगुरुओं व गणमान्य लोगों के अलावा पुलिस अधिकारी व प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहें बैठक में प्रत्येक थानाध्यक्ष के द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों के बारे में सम्पन्न होने वाले त्यौहारों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। इस अवसर पर शांतिमयी शान से आएं धर्म गुरुओं व गणमान्य नागरिकों के द्वारा बताया गए सुझावों व समस्याओं को अमल करते हुये जिलाधिकारी द्वारा सम्बन्धित अधिकारियों को समाधान हेतु निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय ने कहा कि जनपद हमीरपुर में हमेशा से गंगा जमुनी तहजीब के रूप में जाना जाता है। उन्होंने कहा कि चिन्हित कर विशेष निगरानी रखी जाए,



○ जनपद की गंगा जमुनी तहजीब की कदीमी रिवायत को कायम रखते मनाए जाएं त्यौहार: डीएम

○ सोशल मीडिया पर न फोटो व वीडियो, सम्बन्धित के विरुद्ध होगी कड़ी कार्यवाही: पुलिस अधीक्षक

कराने के लिये आपसी भाईचारे के साथ त्यौहार मनाए। उन्होंने सभी उप जिला मजिस्ट्रेटों व पुलिस क्षेत्राधिकारी को निर्देशित करते हुये कहा कि अपने-अपने क्षेत्र में भ्रमण कर नमाज अदा करने के स्थल व ईदाहाह के आस पास बेहतर साफ सफाई, पेयजल, नगरिय क्षेत्रों में अतिथि शासी अधिकारी नगर पालिका/पंचायत तथा ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम पंचायतों के द्वारा नालियों की सफाई सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे स्थलों को भी चिन्हित कर विशेष निगरानी रखी जाए,

जहां पर सामूहिक रूप से कुर्बानी की जाती हो, कुर्बानी की जाने वाले स्थलों पर गड़बड़ खोदकर अपशिष्ट को वहीं ढक दिया जाए, ताकि इधर-उधर भी बिखरने न पाए। उन्होंने यह भी कहा कि प्रतिबन्धित पशुओं की कुर्बानी किसी भी दशा में न की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि परम्परागत ढंग से चली आ रही व्यवस्थाओं के अतिरिक्त नई स्थलों पर कोई भी कार्य करने से पूर्व सम्बन्धित थाना व तहसील से सूचित करते हुये अनुमति अवश्य ली जाए।

पाइप लाइन बिछाने के नाम पर मानक विपरीत सड़कें खोदने का आरोप

ललितपुर। बु.वि.सेना की एक आवश्यक बैठक स्थानीय कंपनी बाग में सेना प्रमुख हरीश कपूर की अध्यक्षता में आहूत की गई। बैठक में पेयजल योजना के अन्तर्गत गोविन्दसगर बांध से आजादपुरा होते हुए तालाबपुरा को जाने वाली सड़क को खोदकर उसे दूरस्थ नदियाँ किए जाने पर गहरी चिन्ता और रोष व्यक्त किया गया। सेना प्रमुख ने कहा कि पेयजल के लिए पाईपलाइन खलने के लिए तालाबपुरा की खुबसूरत कंकरीट की सड़क को हठधर्मी ठेकेदार द्वारा कटर मशीन से 2-3 फुट काटने के बजाय जे सी बी से 6-7 फुट खोदकर मजबूत कंक्रीट की सड़क को लापरवाही से खोद दिया गया है जिसके कारण धूल का गुबार उड़ रहा है तथा जनता परेशान हो रही है। ठेकेदार द्वारा उक्त सड़क को इतनी लापरवाही से खोदा गया जिसके कि कारण मोहल्लेवासियों की पानी की लाईनें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। नागरिकों के चरो की पाईप लाईनें क्षतिग्रस्त होने के कारण भीषण गर्मी के मौसम में लोग बूंद बूंद पानी को तरस गये। इसके बावजूद ललितपुर के संवेदनहीन अधिकारियों के कारणों पर जू तक नहीं रुकी है।

लोकसभा चुनाव ने भारत की राजनीति को बदला: अखिलेश

▶ हमें अभी से 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाना है

अवधानामा ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि 2024 के लोकसभा चुनाव ने भारत की राजनीति को बदलने का काम किया है। अयोध्या जनपद के लोकसभा क्षेत्र फैजाबाद से सांसद अवधेश प्रसाद की जीत से जनता ने नफरत की राजनीति को खत्म कर दिया है। हमें ऐतिहासिक जीत मिली है। पर इस जीत से हमारी जिम्मेदारी और भी बढ़ी है। हमें अभी से 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाना है।

अखिलेश यादव आज समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ के डॉ० रामनोहर लोहिया सभागार में बड़ी संख्या में आये हुए पार्टी कार्यकर्ताओं, नेताओं, विधायकों तथा



नवनिर्वाचित लोकसभा सदस्यों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को ऐतिहासिक जीत मिलने से समाजवादी पार्टी की ताकत बढ़ी है और नेताओं, कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। आगे विधानसभा चुनाव में जीत का लक्ष्य पाने के लिए हम सबको अपनी भाषा ठीक रखनी है वहीं सभी का सम्मान करना भी सीखना होगा। हमें

जनता से जुड़े रहना है। जनता का आशीर्वाद हमारे साथ है। जनता के सामने कोई नहीं टिक सकता है। चुनाव में जनता ने भाजपा का अहंकार तोड़ दिया। भाजपा नेताओं को अब नींद नहीं आती है। एनडीए नकारात्मक-निगेटिव गठबंधन साबित हुआ जबकि पीडीए प्रगतिशील प्रोग्रेसिव गठबंधन रहा। समाजवादी पार्टी पीडीए-ईडिया गठबंधन की सविधान को बचाने की लड़ाई लड़ी।

समाजवादी विचारधारा का संघर्ष बराबर जारी रहेगा। समाजवादी पार्टी की जीत की बधाई देने आये सैकड़ों लोगों ने अखिलेश यादव से भेंट कर उन्हें जीत की हार्दिक बधाई दी। यशभारती सम्मानित पं० हरिप्रसाद मिश्रा ने भी अखिलेश यादव को स्वस्तिवाचन के साथ रक्षा पूजन बाधा और उनके शतायु तथा यशस्वी होने की कामना की। आज की बैठक में प्रमुख रूप से गुरु जी उदय प्रताप सिंह

राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव, पूर्व विधानसभाध्यक्ष माता प्रसाद पाण्डेय, राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी सहित सर्वब्रह्माशंकर त्रिपाठी, सनातन पाण्डेय, शाहिद मंजूर, जाममीर अंसारी, शाह आलम उर्फ गुड्डु जमाली, कैसरजहां पूर्व सांसद, सुधाकर सिंह, सईदा खानून, किरनपाल कश्यप, जयप्रकाश अंचल, लाल बिहारी यादव, पवन पाण्डेय, संतोष पाण्डेय, पूजा शुक्ला, डॉ० आर.के. वर्मा, लालजी यादव, चन्द्रशेखर चौधरी मणीन्द्र मिश्रा, हरेन्द्र तांडा, लक्ष्मी धनगर, अशोक यादव, साधु यादव, शिवशंकर यादव, नागेन्द्र यादव, विजय सिंह, राम प्रताप सिंह, सुरेन्द्र सिंह नायक आदि प्रमुख नेता शामिल रहे। इस अवसर पर सर्वअमृतगराज पाल, इन्द्रपाल यादव, नन्हके यादव, अक्षय यादव, कुलदीप यादव, सुशील यादव, कान्हा यादव आदि ने स्मृति चिह्न देकर राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का अभिनंदन किया।

उप्र में एक दिन में सर्वाधिक दुर्घटना बीमा कर वाराणसी डाक परिक्षेत्र ने बनाया नया कीर्तिमान

▶ मात्र एक दिन में 2679 लोगों का दुर्घटना बीमा करके वाराणसी परिक्षेत्र ने उतर प्रदेश में बनाया रिकॉर्ड

अवधानामा ब्यूरो



लखनऊ। डाक विभाग के उपक्रम रूप में स्थापित इण्डिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक ने पाँच वर्षों के अपने सफर में 'आपका बैंक, आपके ड्र' को प्रोत्साहित करते हुए तमाम नए आयाम स्थापित किये हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन और डिजिटल इण्डिया के क्षेत्र में आज इसकी अहम भूमिका है। समाज के अंतिम वर्ग के लोगों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने हेतु विभिन्न कंपनियों से एग्रीमेंट के तहत सरकारी दफ्तों पर बीमा का लाभ भी आईपीपीबी द्वारा प्रदान किया जा रहा है। उक्त उद्घाटन वाराणसी परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण

कुमार यादव ने इण्डिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक द्वारा क्षेत्रीय कार्यालय, वाराणसी में आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किये। गौरतलब है कि वाराणसी परिक्षेत्र ने 13 जून को मात्र एक दिन में 2679 लोगों का दुर्घटना सुरक्षा बीमा करके उतर प्रदेश परिमंडल में एक दिन में सर्वाधिक बीमा करने का नया कीर्तिमान स्थापित किया, जिसके साक्ष्य साढ़े ग्यारह लाख रूपये का प्रीमियम जमा किया गया। यही नहीं, जीआई सर्वसुरक्षा अभियान के तहत पहले ही दिन प्रदत्त लक्ष्य के साक्ष्य 329 फीसदी सफलतापूर्वक प्राप्तकर वाराणसी परिक्षेत्र ने पूरे भारत में भी

प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके उपलक्ष्य में इण्डिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने आईपीपीबी के चीफ मैनेजर श्री बृज किशोर और प्रवर डाक अधीक्षक श्री राजीव कुमार के संग केक काटकर लोगों से खुशियाँ बाँटी एवं डाक विभाग के ग्रामीण डाक सेंटर, पोस्टमास्टर, निरीक्षक, सहायक अधीक्षक, मण्डलाधीक्षक और आईपीपीबी मैनेजरसहित समस्त स्टाफ को शुभकामनाएँ देते हुए भविष्य में नए कीर्तिमान स्थापित करने हेतु हाँसलाआफजाई की।

यूपी विधान परिषद के 13 नवनिर्वाचित सदस्यों ने ली शपथ

अवधानामा ब्यूरो

लखनऊ। यूपी में शुक्रवार को विधान परिषद के 13 सदस्यों ने शपथ ली। शपथ लेने वालों में से सात सदस्य भाजपा के, तीन समाजवादी पार्टी के हैं।

इसके अलावा, एक-एक सदस्य अपना दल (एस), राष्ट्रीय लोक दल और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी का है। इन नेताओं ने ली शपथ अशोक कटारिया आशीष पटेल, किरणपाल कश्यप, धर्मेन्द्र सिंह, बलराम यादव, डॉ. महेंद्र कुमार सिंह, मोहित बेनीवाल, राम तीर्थ सिंघल, विजय बहादुर, शाह आलम, संतोष सिंह, योगेश चौधरी, विच्छे लाल राम विधानसभा परिषद के 13 नवनिर्वाचित सदस्यों के शुक्रवार को शपथ लेते ही सपा उच्च सदन में भी नेता प्रतिपक्ष की हकदार हो गयी। इनमें तीन सदस्य सपा के हैं। नेता प्रतिपक्ष की दौड़ में सपा रूख जामसमीन अंसारी, शाह आलम उर्फ गुड्डु जमाली, राजेंद्र चौधरी और लाल बिहारी यादव आगे बताए जा रहे हैं।

जुलाई से बदल जाएंगे 24 ट्रेनों के नंबर किराया होगा सस्ता

लखनऊ। पहली जुलाई से फरक्का सहित 24 ट्रेनों के नंबर बदल जाएंगे। इन ट्रेनों को पहले स्पेशल ट्रेन बनाकर चलाया जा रहा था, जिसकी वजह से टिकटों का नंबर शून्य से शुरू होता था। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल प्रशासन शून्य लगाकर ममू व पैसेंजर ट्रेनों का चला रहा था, अब उन्हें निर्दिष्ट नंबरों के साथ चलाया जाएगा। इससे किराया भी लगभग 50 प्रतिशत तक सस्ता होने की उम्मीद जताई जा रही है। फिलहाल, शून्य नंबर वाली ट्रेनों के यात्रियों से जनरल क्लास में यात्रा करने पर एक्सप्रेस का किराया लिया जा रहा है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि फरक्का एक्सप्रेस को नंबर एकर जुलाई से बदल जाएगा। 13413/83 बालुरघाट-बड़िंडा फरक्का एक्सप्रेस का नया नंबर 15733/43 होगा। ऐसे ही 13414/84 बड़िंडा बालुरघाट फरक्का एक्सप्रेस का नया नंबर 15734/44 होगा।

भ्रष्टाचार को योगी सरकार का संरक्षण है: भाकपा माले

अवधानामा ब्यूरो

लखनऊ। भाकपा (माले) ने मधुरा में मनरोरा और श्रीचालय निर्माण सहित ग्रामीण विकास विभाग में भ्रष्टाचार की जांच के लिए विगत 12 फरवरी से जिले में भूख हड़ताल पर बैठे एक सामाजिक कार्यकर्ता की हूई दुखद मौत के लिए प्रदेश सरकार को प्रति योगी सरकार का रवेया बेहद शर्मनाक है। विरोध की आवाज की उपेक्षा करना, उसका सम्मान न करना और उसे दबा देना भाजपा सरकार में परिपटी बन गई है। यह लोकतंत्र के प्रति भाजपा के नजीरिये को दिखाता है। योगी सरकार भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहनशीलता (जिरो टॉलरेंस) का ढोंग करती है, असल में वह भ्रष्टाचार का संरक्षण करती है। यह उसी प्रकार है, जैसे छाथी

नेशनल टीचिंग कम्पटीशन में शिक्षिकाओं ने लहराया परचम

अवधानामा ब्यूरो

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, स्टेशन रोड कैम्पस की सात शिक्षिकाओं ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित सेन्टा टीचिंग कोशेन्ट टेस्ट (सेन्टा टी.क्यू.) में अपनी शिक्षण प्रतिभा व प्रोफेशनल कौशल का प्रथम लहराकर लखनऊ का नाम रोशन किया है। इन शिक्षिकाओं में मानसी सिंह, निष्ठा चोपड़ा, स्वाती सक्सेना, शिवा मेहरोत्रा, रंजना द्विवेदी, आकाशा कुमारी एवं तुषि चन्द्रा शामिल हैं।

यह जानकारी सी.एम.एस. के जन-सम्पर्क अधिकारी ऋषि खन्ना ने दी है। खन्ना ने बताया कि यह प्रतियोगिता सेन्टर फॉर टीचर एफ़्रिडिटेन्शन (सेन्टा) के तत्वावधान में आयोजित हुई, जिसमें देश भर के हजारों विद्यार्थियों के शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। प्रतिभागी शिक्षकों को तीन मुख्य मानकों-संज्ञकेट एक्सपर्टाइज, क्लासरूम कम्प्युनिकेशन एवं एलीमेंट्स ऑफ़



क्वैलिफ़िकेशन पर आँका गया। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में सी.एम.एस शिक्षिकाओं मानसी सिंह एवं आकाशा कुमारी ने प्राइमरी मैथ्स में अपनी शिक्षण प्रतिभा का परचम लहराया है जबकि निष्ठा चोपड़ा, स्वाती सक्सेना एवं शिवा मेहरोत्रा ने प्राइमरी इंग्लिश, मैथ्स एवं इवीएस में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। इसी प्रकार, रंजना द्विवेदी एवं तुषि चन्द्रा ने अल्टी च्याल्डरहुड एजुकेशन में शिक्षण प्रतिभा का सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। सी.एम.एस. प्रबन्धक प्रो. गौता गौधी

किंगडन ने इन सभी शिक्षिकाओं को बधाई दी है। खन्ना ने बताया कि सेन्टा टीचिंग टेस्ट अपने आप में देश भर के शिक्षकों के लिए शिक्षण उत्कृष्टता का प्रमाण है, जिसे पूरे देश में सराहा जाता है। सेन्टा टीचिंग कोशेन्ट टेस्ट का उद्देश्य शिक्षकों की शिक्षण प्रतिभा एवं कौशल विकास को प्रोत्साहित एवं उत्प्रेरित करना है। इस अनूठी प्रतियोगिता में विषयगत ज्ञान, अनुभव एवं उच्च शैक्षणिक मानकों के आधार पर शिक्षकों का चयन किया जाता है।

मुस्लिम अधिवक्ताओं ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की



लखनऊ। कांग्रेस की नीतियों और पार्टी नेता राहुल गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी के नेतृत्व में आस्था व्यक्त करते हुए शुक्रवार को राजधानी के कई मुस्लिम अधिवक्ताओं ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष शाहनवाज आलम के नेतृत्व में प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश सिंह, एआईसीसी संयोजक शमीम खान और अल्पसंख्यक कांग्रेस के प्रदेश महासचिव मोहम्मद उमैर के समक्ष एडवोकेट सिराज अहमद, मुजीब अहमद खान, मोहम्मद जैन, फहीम अंसारी, मुईनुल हसन, सईद अख्तर, शराफत रसूल सहित अन्य अधिवक्ताओं ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर अल्पसंख्यक कांग्रेस के प्रदेश महासचिव अनिस अख्तर मोदी और सचिव शमशेर अली उपस्थित थे।

सौ से अधिक बार रक्तदान कर प्रेरक व्यक्तित्व बने डॉ. सूर्यकान्त

लखनऊ। डॉ. सूर्यकान्त ने किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज, लखनऊ में वर्ष 1983 में एम्बीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया था और एम्बीबीएस के छात्र रहते हुए ही उन्होंने रक्तदान करना शुरू कर दिया था। इसके साथ ही एम्बीबीएस के अन्य छात्रों को भी रक्तदान हेतु प्रेरित किया। वर्ष 1993 में जब डॉ. सूर्यकान्त उत्तर प्रदेश जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष बने तो उन्होंने किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज के ब्लड बैंक में 12 जनवरी (स्वामी विवेकानंद जयंती) से 23 जनवरी के मध्य रक्तदान शिविर का आयोजन करना प्रारंभ किया। रक्तदान कार्यक्रम में किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज के छात्र एवं जूनियर डॉक्टरस, लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र तथा अन्य डॉपी कॉलेजों एवं विद्यालयों के छात्र भी रक्तदान किया करते थे। डॉ. सूर्यकान्त अपने जीवन में अब तक 100 से अधिक बार रक्तदान कर चुके हैं तथा कई अन्य स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से लोगों को रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया है।

धर्म को राजनीति से दूर रखें, बुनियादी मुद्दों पर हो बात : चंद्रशेखर आजाद

▶ अर्धसैनिक बल के मुद्दे को संसद में उठाएंगे
▶ नीट पर दिल्ली में आंदोलन की तैयारी

अवधानामा ब्यूरो

लखनऊ। नगीना लोकसभा क्षेत्र से नवनिर्वाचित सांसद चंद्रशेखर आजाद अयोध्या पहुंचे। एयरपोर्ट पर संबादादाताओं से बातचीत के दौरान कहा कि अयोध्या लोकसभा चुनाव में अयोध्यावासियों ने बहुत बड़ा काम किया है। इससे यह स्पष्ट हो गया कि धर्म अब राजनीति से दूर रहे, तो ज्यादा अच्छा है क्योंकि अब बुनियादी मुद्दों पर बात होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि रोजगार और महंगाई पर बात होनी चाहिए। धर्म आदमी का व्यक्तिगत अधिकार है, कोई किसी धर्म में आस्था रखे। चाहे

करना पड़ता है। इनसे आठ घंटे की इयूटी करवाई जाए। इनकी वेतन विसंगतियों को दूर किया जाए। उन्होंने कहा कि अग्निवीर योजना के खिलाफ हम लोग शुरू से हैं। अग्निवीर योजना के जरिए सेना का मनोबल डगन हुआ है। कोई क्यों चार साल की नौकरी करेगा। सब कुछ ठेकेदारी पर नहीं चलेगा। सरकार इस मुद्दे पर गंभीर हो तो बेहतर है। नीट परीक्षा को लेकर कहा कि सरकार मान जाए तो अच्छा है। नहीं तो दिल्ली में बहुत बड़ा आंदोलन होगा। हम बच्चों के साथ खड़े हैं, किसी भी परीक्षा में कोई भी धोखा नहीं होना चाहिए। केंद्र सरकार के बारे में कहा कि वह लंबाई सरकार है। कभी भी गिर सकती है। उसके हालात सब लोग जानते हैं कि कैसे सरकार बनाई गई है। 400 पार का नारा दिया था। 250 भी क्रॉस नहीं कर पाए।



हिंदू, इस्लाम, ईसाई, सिख और जैन धर्म राजनीति में न लाया जाए, तो बहुत अच्छा होगा। इससे जनता के मुद्दों पर बात हो सकेगी। चंद्रशेखर ने कहा कि अर्धसैनिक बल के मुद्दे को संसद में उठाऊंगा। पुलिस और अर्धसैनिक बल बहुत बुरी स्थिति में हैं, मैं उनके लिए बहुत चिंतित हूँ। जब हम अच्छे कूलर में बैठते हैं तो वह गर्मी में खड़े रहते हैं। वे खूब पसीना बहाते हैं। उनको छुट्टियों के लिए बहुत सी परेशानियों का सामना

हजरत मोहम्मद बाकिर अलैहिसलाम की शहादत पर मजलिसों-मातम का आयोजन

अवधानामा ब्यूरो

लखनऊ। हजरत मोहम्मद बाकिर अलैहिसलाम की शहादत के मौके पर शुक्रवार को मजलिसों-मातम का आयोजन किया गया और इमाम के ताबूत की जियारत भी करायी गयी। जहां पुरुषों ने शहर के इमामबाड़ों, रोजां और कब्रालाओं में मजलिसों में शिरकत की वहीं महिलाओं ने घरों में मातम करके इमाम की शहादत पर गम मनाया। हैदरी मस्जिद मुफतीगंज में मौलाना अब्बास इरशाद नकवी ने मजलिस को खिताब करते हुए कहा कि हजरत इमाम मोहम्मद बाकिर (अ.स.) ने इल्म हासिल करने और इल्म को फैलाने पर बहुत जोर दिया। मौलाना ने कहा कि इस्लामी माह की सात जिलहजिद को इमाम मोहम्मद बाकिर (अ.स.) को जहर दिलवाकर शहीद करवाया गया। इमाम को पवित्र नगर मदीना के जन्नतुल बकी में दफन किया गया। रोजाए हजरत मुस्लिम रईस मजलिस में आयोजित मजलिस

कर्वला नसरुद्दीन में मजलिस आज लखनऊ। हजरत मुस्लिम बिन अकील (अ.स.) की शहादत की याद में शनिवार रात 8 बजेकर्वला शाह नसरुद्दीन हैदर डालीगंज में मौलाना अनवर रिजवी मजलिस को खिताब करेंगे। मजलिस के बाद अनेक अंजुमन वौदाखानी करेंगी व ताबूत की जियारत होगी।

रौजाए हजरत मुस्लिम में ताबूत की मजलिस कल अंजुमन गुंवाए मेहदिवा की ओर से हजरत मुस्लिम (अ.स.) की शहादत की याद में रोजाए हजरत मुस्लिम रईस मजलिस में रविवार को शाम 4 बजे महिलाओं की मजलिस होगी। इसके बाद शाम 5 बजे मजलिस को मौलाना मोहम्मद अली हैदर खिताब करेंगे। मजलिस के बाद अंजुमन नौहाखानी करेंगी। इसके बाद ताबूत की जियारत करायी जायेगी।

जब हजरत मुस्लिम (अ.स.) की शहादत को बयान किया तो अजादगर रने लगे। मजलिस के बाद अंजुमन नूरु हैदरी ने नौहाखानी की। कल की मजलिस को मौलाना हबीब हैदर रात 8.30 बजे खिताब करेंगे। मजलिस के बाद ताबूत की जियारत करायी जायेगी। इमामबाड़ा मकसदे हुसैनी घासमंडी में दूसरी मजलिस को मौलाना सैयद रईस काजिम ने खिताब किया।

नबी ने कहा हक अली के साथ, अली हक के साथ: मौलाना इरशाद अब्बास

अवधानामा ब्यूरो

लखनऊ। नबी स.अ.ने कहा हकअली के साथ अली हक के साथ,नबी ने कहा अली जहां जहां हक वहां वहां है। मौलाना ने खमसे की तीसरी मजलिस पढ़ते हुए कहा बुजुर्ग उम्र की वजह से नहीं बल्कि फजायल की वजह से होता खूबियों को वजह से होता है। यह बयान मौलाना इरशाद अब्बास ने हैदरी मस्जिद मुफतीगंज में खमसाए मजलिस की तीसरी मजलिस में बयान कर रहे थे। मौलाना के मजलिस का उन्वान मकसदे हुसैन है। दूसरी मजलिस में मौलाना अब्बास इरशाद ने इमामे बाकिर अ.स.की शहादत का वाक्या बयान किया था।सुनाते हुए कहा अल्लाह ने इस्लाम के नबी और इमाम को भेजा ,मगर उममत ने अहलेबैत



से वफा न किया। आखरी मजलिस नौ जिल्हिज्ज को चार बजे शेषरह को मिर्जा मोहम्मद जाफर अब्बास मजलिस खिताब करेंगे।मजलिस के फ़ौरन बाद हजरत मुस्लिम अलैहिसलाम की यौमे शहादत पर ताबूत बरामद

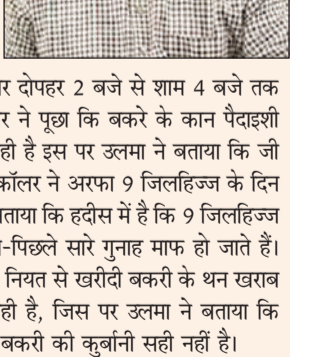
होगा,जो हैदरी मस्जिद से मीरन साहब इमामबाड़े तक जाएगा।सात जिल्हिज्ज को यौमे शहादत ए इमामे बाकिर अलैहिसलाम का ताबूत बरामद किया गया। यह मजलिस मोमनीन मुफती गंज की जानिब से किया जा रहा है।

यौमे अरफा 9 जिलहिज्ज का दिन मर्गाफिरत और माफी का दिन

लखनऊ। यौमे अरफा 9 जिलहिज्ज का दिन मर्गाफिरत और माफी का दिन है। माहे जिलहिज्ज का पहला अशरा और तमाम दिनों से अल्लाह को बहुत ज्यादा पसंद है। इस अशरों में एक दिन का रोजा साल भर रोजा रखने के बराबर है, लेकिन 10 जिलहिज्ज बकरीद के दिन रोजा रखना मना है। यह बात हाजी को मोहम्मद सिद्दीक ने पाटनाला स्थित मस्जिद सुबुनियामा में कही। गुफरान अहमद अच्चे भाई की अध्यक्षता में कारी सिद्दीक मस्जिद में यौमे अरफा की फजिलत के जलसे को खिताब कर रहे थे। जिससे का आगाज हाफिज अब्दुसमद ने तिलावते कलामे पाक से किया। कारी सिद्दीक ने जिल्हिज्ज के पहले अशरे की अहमियत बयान करते हुए कहा कि इस अशरों की रात का जागना शबे-कद्र के बराबर है। यौमे अरफा का दिन बहुत फजिलत का दिन है। रसूले अकरम ने फरमाया कि अरफे का रोजा एक साल पहले और एक साल अगले गुनाहों का कफनारा हो जाता है। यौमे अरफा 9 जिलहिज्ज की नमाजे फ़ज्र से 13 जिलहिज्ज की नमाजे अश तक हर मुसलमान पर जोर-जोर से हर फर्ज नमाज के बाद तकबीर तयरीक पढ़ना वाजिब है।

स्वर्गीय पिता के नाम से कराई जा सकती है कुर्बानी: मौलाना खालिद रशीद

लखनऊ/अवधानामा ब्यूरो। अपने स्वर्गीय पिता के ईसाले सवाब के लिए स्वर्गीय पिता के नाम से कुर्बानी कराई जा सकती है। यह बात दररुल उलूम निजामिया फरंगी महल की ओर से संचालित ईदुल अजहा हेल्लेप्लाइन पर एक कॉलर के सवाल के जवाब में उलमा ने कही। हेल्लेप्लाइन पर सवाल पृष्ठने के लिए मोबाइल नम्बर 9335929670, 7007705774, 9415102947, 914042 7677 पर दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक सम्पर्क किया जा सकता है। एक कॉलर ने पूछा कि बकरे के कान पैदाइशी बहुत छोटे हैं तो क्या उसकी कुर्बानी सही है इस पर उलमा ने बताया कि जी हां ऐसे बकरे की कुर्बानी सही है। एक कॉलर ने अरफा 9 जिलहिज्ज के दिन रोजा रखने के बारे में पूछा तो उलमा ने बताया कि हदीस में है कि 9 जिलहिज्ज को रोजा रखने से एक साल के अगले-पिछले सारे गुनाह माफ हो जाते हैं। एक अन्य कॉलर ने पूछा कि कुर्बानी की नियत से खरीदी बकरी के थन खराब थे तो क्या ऐसे जानवर की कुर्बानी सही है, जिस पर उलमा ने बताया कि अगर बकरी के थन खराब थे तो ऐसी बकरी की कुर्बानी सही नहीं है।



सफ़ीरे हुसैन का मातम कर्बला शाह नसीरुद्दीन हैदर, डालीगंज, लखनऊ खिताबत: माहिर कानून आलीजनाब मौलाना डा. सय्यद अनवर हुसैन रिजवी साहब कबला बाद मजलिस शहीदे ताबूत की प्यारत कराई जायेगी मिन्जानिब : प्रोफेसर सै० अनवर हुसैन रिजवी सदर: अजुमन ज़ायरीने करबला शाह नसीरुद्दीन हैदर, डालीगंज, लखनऊ